- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- मुझे सर नहीं कहें मैं आपका भाई हूं - 12

- आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले-नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश - 12

- ट्रंप बोले- हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई - 13

- वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में प्रत्येक विकेट पांच विकेट लेने जैसा लगाः सिराज- 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

20.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.08

सूर्यास्त 05.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी 10:35 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 56, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

दीपावली पर साजिशकर्ता को उसी की भाषा में मिलेगा जवाब : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने दी कड़ी चेतावनी, उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दी सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के लोक भवन सभागार में पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर रंग में भंग डालने वाले साजिशकर्ताओं को दो टूक चेतावनी दे दी है। स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी की भाषा में जवाब मिलेगा और सलाखों के पीछे होगा। मुख्यमंत्री बुधवार को लोक भवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान योगी ने उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दीपावली की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली के पहले यह प्रदेश के गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा उपहार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। वर्ष 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्योहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे। कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ जब देश के प्रधानमंत्री मोदी बने।

2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, सांसद संजय सेठ, बृजलाल, लखनऊ की महापौर समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। सीएम ने सांकेतिक तौर पर जिन नौ महिलाओं के खाते में मंच से सब्सिडी अंतरित की उनमें सोनी, रीता, निशा चौहान, सबीना, सईदा बानो, सारिका यादव, पार्वती, बीना कुमारी, रेशमा खान शामिल रहीं।

बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ तो यमराज टिकट काटेंगे

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे।

स्वदेशी उत्पाद अपनाएं

योगी ने अपील की कि इस दिवाली पर जो भी खरीदें, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। बोले, हमें हर त्योहार पर किसी एक गरीब, बेसहारा या जरूरतमंद बच्चे की मदद करनी चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने-फोड़ने की मिली अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 21 तक के लिए दी स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई बोले- नहीं करेंगे पर्यावरण से समझौता संतुलित नीति अपनानी जरूरी

दीपावली से पहले बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली और एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल की अनुमति दे दी। हालांकि, यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिनका उद्देश्य परंपराओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण और जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना है।

कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हरित पटाखों का उपयोग दीपावली और उससे एक दिन पहले कुछ घंटों तक ही किया जा सकेगा। हालांकि, 18 से 20 अक्टूबर को दिवाली वाले दिन तक हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। यह भी कहा कि छूट केवल प्रायोगिक आधार पर दी है, यह निर्दिष्ट अवधि के लिए होगी। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध और 2024 में दिल्ली सरकार द्वारा पहले लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के मद्देनजर छूट देने का अनुरोध करने वाले हरित पटाखों के विनिर्माताओं की याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा, गंभीर पर्यावरण प्रदूषण के परिणामस्वरूप गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा होते हैं। उसने कहा, पटाखे फोड़ना उत्सव की भावना की अभिव्यक्ति है और यह भारत के सांस्कृतिक परिवेश में अंतर्निहित धार्मिक तथा अन्य शुभ समारोहों में उत्साह बढ़ाता है। सीजेआई ने 21 पन्नों के आदेश में कहा, हालांकि, केवल परंपराओं और सांस्कृतिक या धार्मिक मानदंडों के आधार पर अनियंत्रित उपयोग से स्वास्थ्य को दीर्घकालिक या यहां तक कि अल्पकालिक नुकसान पहुंचाने की स्थिति पैदा नहीं हो सकती है। हम यह दोहराए बिना नहीं रह सकते हैं कि इस न्यायालय ने पहले भी कई बार कहा है कि जब पर्यावरण और स्वास्थ्य की बात आती है तो व्यावसायिक विचारों और उत्सव की भावना को पीछे छोड़ देना चाहिए।

केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं

न्यायालय ने कहा कि पुलिस प्राधिकरण इस बात पर नजर रखने के लिए गश्ती टीमों का गठन करेगा कि केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के लिए उल्लंघन नोटिस संलग्न किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

महाभारत, चंद्रकांता के स्टार पंकज धीर नहीं रहे

मुंबई। बीआर चोपड़ा के मशहूर धारावाहिक महाभारत में कर्ण और चंद्रकांता में राजा शिवदत्त की भूमिका निभाने के लिए मशहूर टेलीविजन अभिनेता पंकज धीर का कैंसर के चलते 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने बताया, आज सुबह कैंसर के कारण उनका निधन हो गया। पिछले कुछ महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल जाना पड़ा। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले धीर ने 1980 के दशक में अभिनेता के रूप में अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की थी।

आईआईटी भुवनेश्वर और सेना में करार

भुवनेश्वर। आईआईटी भुवनेश्वर और सेना के सिम्युलेटर विकास प्रभाग (एसडीडी) ने संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर), एआई, रोबोटिक्स और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार पर सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ऑनलाइन माध्यम से एसडीडी, सिकंदराबाद के कमांडेंट ब्रिगेडियर जी एस बेदी और आईआईटी-भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनकर पासला ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जदयू की पहली लिस्ट जारी 57 उम्मीदवार मैदान में

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव

- राजग गठबंधन के तहत 101 सीटों पर लड़ रही है चुनाव

जनता दल (यूनाइटेड) ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें पार्टी ने अनुभव और सामाजिक संतुलन का ध्यान रखते हुए कई मौजूदा मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं तथा चर्चित चेहरों पर भरोसा जताया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मदन सहनी, रत्नेश सदा और महेश्वर हजारी के नाम शामिल हैं। पार्टी ने इन सभी मौजूदा मंत्रियों पर भरोसा बरकरार रखा है।

सूची में कई ऐसे नाम भी हैं जो हाल में राजनीतिक रूप से चर्चा में रहे हैं। इनमें पूर्व मंत्री श्याम रजक और बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह प्रमुख हैं। करीब एक वर्ष पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़कर जद(यू) में वापसी करने वाले श्याम रजक को पार्टी ने टिकट दिया है। मोकामा के बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह को भी जद(यू) ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। सिंह ने मंगलवार को ही नामांकन पत्र दाखिल कर दिया था। जद(यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को महनार सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

पार्टी ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार टिकट वितरण में अधिक सतर्कता बरती है और जीत की संभावना वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। जद(यू) इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि 2020 में उसने 115 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 43 सीटों पर जीत हासिल की थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार सीटों की संख्या से ज्यादा ध्यान उन सीटों पर केंद्रित किया है, जहां जीत की संभावना अधिक मानी जा रही है। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

भाजपा ने जारी की दूसरी सूची, गायिका मैथिली ठाकुर को टिकट

नई दिल्ली। भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए बुधवार को 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को बक्सर से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अब तक कुल 83 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

सज गई राम की पैड़ी

अयोध्या में राम की पैड़ी पर 18 व 19 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। संगीत और रोशनी से सजे लेज़र शो में प्रभु श्रीराम के जीवन और आदर्शों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से चित्रित किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार शाम लेजर लाइट का ट्रायल किया गया। ● प्रशांत शेखर

भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए 7वीं बार निर्वाचित

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है, यह भारत का सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए एक कहा कि भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से शुरू होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने समर्थन देने के लिए प्रतिनिधिमंडलों का सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में आभार व्यक्त किया।

- तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से होगा शुरू

उन्होंने कहा, भारत आज सातवीं बार 2026-28 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के लिए चुना गया है। यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य देश हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान भौगोलिक वितरण नियमों के तहत तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। भारत 2006 में परिषद के गठन के बाद से लगातार इसका सदस्य रहा है, सिवाय 2011, 2018 और 2025 के।

पूर्व सैनिकों के लिए वित्तीय मदद में 100% वृद्धि को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए कल्याणकारी योजनाएं केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं। निराश्रयता अनुदान को प्रति लाभार्थी 4,000 रुपये से दोगुना करके 8,000 प्रति माह कर दिया गया है।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दी मंजूरी

नशे में छोटे भाई की कीचड़ में डुबोकर ली जान

बिठूर (कानपुर), अमृत विचार: बिठूर थाना क्षेत्र के पारा प्रतापपुर गांव में मंगलवार देर रात नशे में धुत बड़े भाई ने छोटे भाई को सड़क पर फैले कीचड़ में मुंह दबाकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद उसने भागने का प्रयास किया लेकिन मौजूद लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पिता रमाशंकर ने बताया कि उनका बड़ा बेटा कुंदन शराब का लती था।

- बिठूर थाना क्षेत्र के पारा प्रतापपुर गांव में मंगलवार देर रात वारदात
- नशे में धुत बड़े भाई ने पिता को भी पीटा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मंगलवार देर रात वह नशे की हालत में घर पहुंचा और अपनी पत्नी सीता के साथ मारपीट करने लगा। पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े का जब वह बीच बचाव करने वह पहुंचे तो कुंदन नें उन्हें भी बुरी तरह से पीट दिया। किसी तरह उससे बच कर वह बाहर आए और गांव वालों को बुलाने के लिए निकल गए। उनका छोटा बेटा विराट (24) भी दोनों के झगड़े को देखकर घर से दूर पेड़ के नीचे चारपाई डालकर सो गया। बाद में कुंदन ने उसे सड़क पर पड़े कीचड़ में पटक दिया और उसका मुंह कीचड़ में दबाए रहा। शोर गुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने विराट को कुंदन से छुड़ाकर कीचड़ से उठाकर चारपाई पर लिटाया लेकिन तब तक विराट की सांसें थम चुकी थीं। कुंदन ने मौके से भागने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी।

नवंबर से होगी वन्य जीवों की गणना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- गणना के लिए दुधवा के फील्ड डायरेक्टर पूरे प्रदेश के नोडल नियुक्त

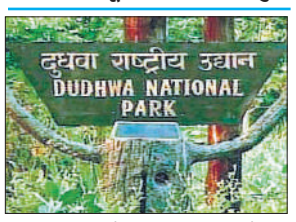

अमृत विचार: भारत सरकार की ओर से वन्य जीवों की गणना की तैयारी शुरू कर दी गई है। वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नियुक्त किया गया है। नवंबर महीने से शुरू हो रही वन्य जीवों की गणना का मुख्य केन्द्र दुधवा टाइगर रिजर्व रहेगा।

वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नामित किया गया है। वह दुधवा के साथ ही सोहागी बरूआ, बिजनौर सहित अन्य जिलों में भी मॉनिटरिंग करेंगे। वन्य जीवों की वर्ष 2022 में हुई गणना में 135 बाघ पाए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष पूरे दुधवा टाइगर रिजर्व में 200 बाघ मिलने की संभावना है। वन्य जीवों की गणना के लिए पीलीभीत, दुधवा नेशनल पार्क के मैलानी, संपूर्णानगर रेंज में पहले चरण में ट्रैप कैमरा लगाया जाएगा। दूसरे चरण में दुधवा और किशनपुर के साथ बफरजोन और तीसरे चरण में कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार में ट्रैप कैमरे लगाकर वन्य जीवों की गिनती की जाएगी। कैमरे दो किमी की परिधि में लगाए जाने हैं, जो 45 से 50 दिनों तक वन्य जीवों के मूवमेंट की निगरानी करेंगे। हिरण, गैंडा, हाथी के साथ जंगल के ग्रास लैंड की जानकारी भी जुटाई जाएगी। बाघों की गणना का भी कार्य होगा। दुधवा के वफर जोन के उप निदेशक नवीन खंडेलवाल का कहना है कि वन्य जीव गणना के लिए लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इसलिए गणना जरूरी

दुधवा के फील्ड डायरेक्टर का कहना है कि वन्य जीवों की गणना इसलिए की जाती है ताकि उनके संरक्षण, प्रबंधन और भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण डेटा इकट्ठा किया जा सके। यह गणना हमें वन्यजीवों की वर्तमान स्थिति, उनकी जनसंख्या में हो रहे बदलाव, उनके आवास और संरक्षण के प्रयासों की प्रभावशीलता को समझने में मदद करती है।

सख्ती सीएम योगी की आम जनता से अपील, संदिग्ध खाद्य सामग्री का इस्तेमाल न करें और सूचना तुरंत विभाग को दें

व्हाट्सएप पर दें मिलावट की सूचना, सरकार लेगी एक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिलावटी, नुकसानदेह खाद्य सामग्री पर योगी सरकार का बड़ा प्रहार
- 2993 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त, 1155 क्विंटल नष्ट
- उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में दर्ज कराई गईं तीन एफआईआर

अमृत विचार: प्रदेश में दीपावली के त्योहार को सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी ने अपना सख्त रुख दिखाया है। सरकार ने आमजन से अपील की है कि अगर कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट, नकली उत्पादों का निर्माण या विक्रय अथवा संगठित रूप से मिलावट का कारोबार होने की जानकारी मिले, तो गुपचुप जानकारी तुरंत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को दें।

इसके लिए विभाग द्वारा विशेष हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर जारी किए गए हैं। गोपनीय शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-5533 पर कॉल की जा सकती है। मिलावटी या नकली खाद्य पदार्थ से संबंधित सूचना व्हाट्सएप नंबर 9793429747 पर भेजी जा सकती है। वहीं, अगर किसी को नकली या घटिया दवाइयों के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले, तो उसकी सूचना व्हाट्सएप नंबर 8756128434 पर भेजी जा सकती है। सरकार ने कहा है कि ऐसी शिकायतों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 08 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दीपावली विशेष अभियान के तहत अब तक प्रदेश भर में 4621 निरीक्षण, 2085 छापे और 2853 नमूनों की जांच की। कुल 2993 क्विंटल मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 3.88 करोड़ रु. है। मानव उपभोग के योग्य नहीं होने पर 1155 क्विंटल सामग्री नष्ट की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1.75 करोड़ रु. है। उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत तीन प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी चला अभियान

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी अभियान की कार्रवाई में बड़ी जब्तियां शामिल हैं। साहिबाबाद टोल पर 750 किलो पनीर, हापुड़ टोल छिजारसी पर 1500 किलो पनीर, एनएच 34, जीटी रोड कानपुर से 4040 किलो खोया, बाराबंकी टोल से 910 कार्टन मिलावटी मिठाई, और कानपुर पनकी रोड से 2450 किलो खोया नष्ट किया गया।

त्योहारों पर आम नागरिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शीघ्र नष्ट होने वाली सामग्री मौके पर ही जब्त और विनष्ट की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। – डॉ. रोशन जैकब, सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रेरा का रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अंतर्गत 22वां रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम बुधवार से एनआईईटी कैंपस, ग्रेटर नोएडा में शुरू हुआ। यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 47 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जो प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रेरा के तहत प्रमाणित रियल एस्टेट एजेंट बनेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन रेरा चेयरमैन संजय भूसरेड्डी और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से एजेंट्स को नियामकीय समझ और पेशेवर दक्षता प्राप्त होती है, जिससे उपभोक्ता हितों की रक्षा सशक्त होती है।

2027 चुनाव को लेकर बसपा की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनो कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित बहुजन समाज पार्टी की सफल रैली के बाद पार्टी प्रमुख मायावती ने यूपी स्टेट पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक आगामी आगामी पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, मायावती इस बैठक में रैली को सफल बनाने में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करेंगी और उन्हें भविष्य में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देंगी। साथ ही, चुनावी तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को क्षेत्रवार ज़िम्मेदारियां भी सौंपी जा सकती हैं।

चुनाव प्रचार को आज पटना पहुंचेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर कई रैलियां करेंगे।

यह सिलसिला 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। योगी गुरुवार को पटना और सहरसा पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के दो प्रत्याशियों का नामांकन कराएंगे। इन्हीं दोनों स्थानों पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। दरअसल, योगी आदित्यनाथ भाजपा के बतौर स्टार प्रचार बिहार की चुनावी रैलियों में शामिल रहेंगे। एनडीए के प्रत्याशी भी भाजपा संगठन से अपने विधानसभा क्षेत्रों में योगी की रैलियों की मांग कर चुके हैं।

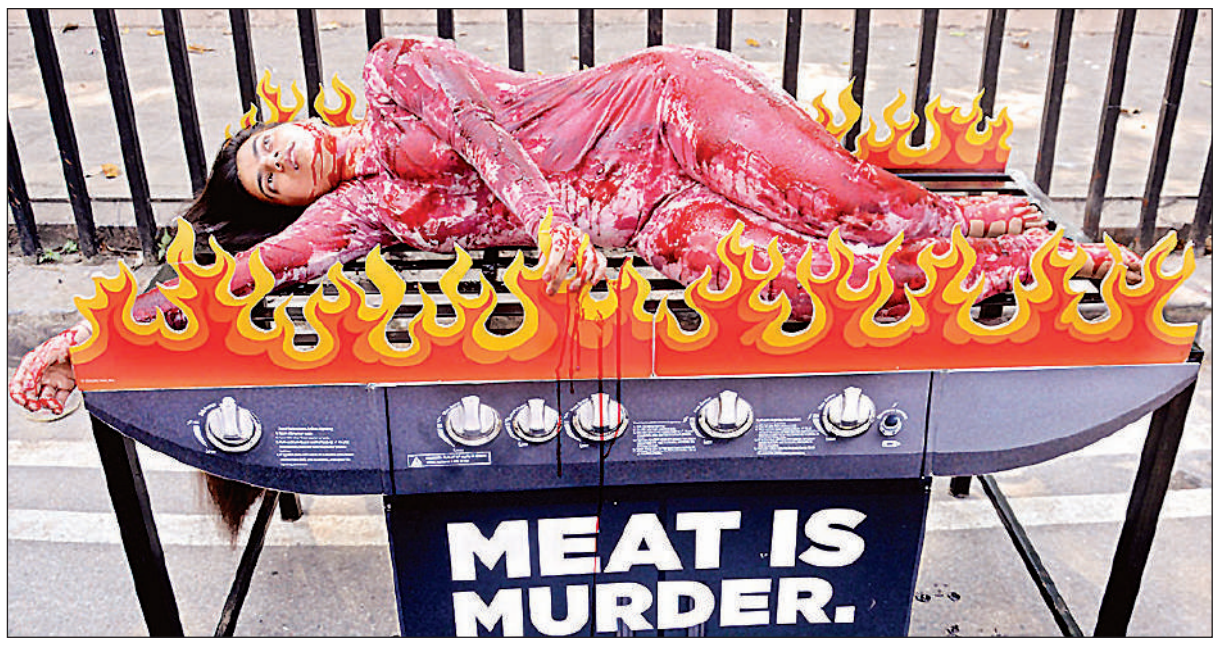

लखनऊ के परिवर्तन चौक पर मांसाहार के खिलाफ कुछ इस तरह लोगों को जागरूक करती पेटा इंडिया की सदस्य। अमृत विचार

सर्किल रेट के नियम होंगे सरल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आमजन अब खुद करा सकेंगे रजिस्ट्री : रवींद्र जायसवाल

अमृत विचार : स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि सर्किल रेट निर्धारण के नियमों को अब सरल किया जा रहा है। अब तक जहां लगभग 40 मानकों के आधार पर सर्किल रेट तय किए जाते थे, वहीं अब उन्हें घटाकर 15 से 20 मानकों तक सीमित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि नियमों के सरलीकरण से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। सर्किल रेट तय करने की प्रक्रिया आसान होने से अब कोई भी नागरिक स्वयं अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री बिना किसी एजेंट या मध्यस्थ के करा सकेगा। उन्होंने

मंत्री रवींद्र जायसवाल

कहा कि लोग विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपनी जमीन का सर्किल रेट खुद देख सकेंगे, आवश्यक विवरण दर्ज कर स्लॉट बुक करके रजिस्ट्री स्वयं करा सकेंगे।

जायसवाल ने बताया कि नए मानक लागू होने से सर्किल रेट की असमानता दूर होगी, जिससे पूरे प्रदेश में एक समान और पारदर्शी रियल एस्टेट व्यवस्था सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि अस्पष्ट नियमों के कारण अब तक होने वाली स्टांप चोरी, रजिस्ट्री विवाद और कानूनी मुकदमों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मंत्री ने कहा कि मानकों में इस सरलीकरण के लिए शासनादेश शीघ्र जारी किया जाएगा, जिससे विभागीय स्तर पर इसका क्रियान्वयन शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि लखनऊ के हजरतगंज में मुख्य सड़क और पीछे की गलियों के बीच सर्किल रेट में असमानता है, नए नियमों से ऐसे अंतर खत्म किए जाएंगे।

लगातार गैरहाजिर तीन डॉक्टर होंगे बर्खास्त

उप मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव को कार्रवाई के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को लगातार गैरहाजिर चल रहे तीन डॉक्टरों को बर्खास्त करने के आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अमित कुमार घोष को दिए हैं। साथ ही लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बर्खास्त चिकित्सकों में आगरा के शमशाबाद (सीएचसी) में तैनात डॉ. वन्दना जैन, श्रावस्ती संयुक्त जिला चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल अग्रवाल, बाराबंकी के जाटा बरौली सीएचसी के डॉ. देवव्रत लगातार गैरहाजिर चल रहे थे।

इसी क्रम में वाराणसी कबीर चौरा जिला महिला चिकित्सालय में 18 अगस्त को गर्भवती रिजवाना को सायंकाल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह ने बिना डॉक्टरी परीक्षण रेफरल पर्ची तैयार की दी। गर्भवती को एम्बुलेंस व स्ट्रेचर की व्यवस्था भी नहीं कराई। जिस कारण गर्भवती का प्रसव विषम परिस्थितियों में अस्पताल प्रांगण में ही हो गया। लिहाजा प्रसूता की जिंदगी संकट में पड़ गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह को आरोप पत्र देकर निलंबित करने के आदेश दिये हैं। साथ ही महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सुमिता गुप्ता द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के दोष में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश भी दिये गये है। इसके अलावा डॉक्टर व कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण न रखने, ड्यूटी चार्ट, राउंड की व्यवस्था, रोगियों के बेड हेड टिकट पर वाइटल्स की नियमित रिकॉर्डिंग, चिकित्सालय का स्वयं नियमित राउंड न करने के लिए प्रमुख अधीक्षिका को भी दोषी पाया गया है। ऐसे में अस्पताल की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. नीना वर्मा के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

चार डॉक्टरों पर विभागीय शिकंजा

अमृत विचार : मिर्जापुर विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त (प्रशासन) डॉ. विश्राम सिंह की पत्नी रमा यादव के इलाज में लापरवाही के आरोप लगे। आरोप हैं कि समय पर ईसीजी जांच नहीं कराई गई। मामले की जांच कराई गई, जिसमें मिर्जापुर चिकित्सालय के तत्समय तैनात चार चिकित्साधिकारी डॉ. विनय कुमार, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. तरुण सिंह जो कि वर्तमान में मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र के अधीन तैनात हैं और डॉ. पंकज पाण्डेय, जो वर्तमान में स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय मिर्जापुर के पल्मोनरी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्य कर रहे हैं, उनको आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं। तत्समय तैनात संबंधित स्टाफ नर्स सुषमा पाण्डेय, जो कि सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई किये जाने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही अयोध्या स्थित कुमारगंज के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को बाहर की दवा लिखने व प्राइवेट प्रैक्टिस का मामला सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शीला वर्मा व फिजीशियन डॉ. अरविन्द मौर्या को आरोप पत्र देकर अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए हैं।

बिल भुगतान में मिली गड़बड़ी, पेंशन से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिर्जापुर में वर्ष 2022 में तैनात सीएमओ पाए गए दोषी

अमृत विचार : मेरठ के जिला चिकित्सालय में वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ.राजीव दोषी की वेतनवृद्धि रोक दी गयी है। इन्हें यह सजा साल 2022 में मिर्जापुर में तैनाती के दौरान बिलों के भुगतान में गड़बड़ी के आरोप तय होने के बाद दी गयी है। साथ ही उनसे 4,35,000 रुपये की वसूली करने तथा परिनिन्दा का दंड दिया गया है। इसी तरह सेवानिवृत्त हो चुके निदेशक उपचार से हर माह 10 प्रतिशत पेंशन कटौती की जाएगी। यह निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। रिटायरमेंट के बाद पेंशन से वसूली की जाएगी। मालूम हो कि प्रदेश भर में नर्सों के तबादले में अनियमितताओं में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मामले की जांच कराई गई। जांच में उस वक्त निदेशक चिकित्सा उपचार पद जिम्मेदारी निभा रहे डॉ. पीएम श्रीवास्तव को दोषी पाया गया। डॉ. पीएम श्रीवास्तव सेवानिवृत्त हो चुके हैं। डॉ. पीएम श्रीवास्तव की पेंशन से तीन साल तक 10 प्रतिशत के हिसाब से कटौती के आदेश दिए गए हैं।

प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में तीन वेतनवृद्धि रोकीं

अमृत विचार : प्रयागराज के राजकीय मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द गुप्ता पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप लगे हैं। जांच में आरोप सही पाए गए। लिहाजा उनकी तीन वेतनवृद्धियों को स्थायी रूप से रोक दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को परिनिंदा का दंड देने के आदेश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय में सम्बद्ध देवरिया मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल पर आरोप है कि तैनाती के दौरान 36 पदों पर आउटसोर्स ऑफ मैनपावर आपूर्ति के लिए टेंडर नहीं लिये, बार-बार नवीन निविदा को निरस्त किया गया और पुरानी संस्था के अनुबंध समय को विस्तार दे दिया गया। ऐसे में डॉ. राजेश को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति करते हुए आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए गए हैं। इसी तरह कन्नौज मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश सिंह मर्तोलिया ने भी मेडिकल कॉलेज परिसर में साफ सफाई व अपशिष्ट निस्तारण में बिना औपचारिकताएं पूर्ण किए पुरानी संस्था को विस्तार दिया जाता रहा है, इसलिए आरोप पत्र देकर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

यूपी कैडर के 31 अधिकारी बिहार चुनाव में बने ऑब्जर्वर

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उत्तर प्रदेश कैडर के 31 अधिकारी गुरुवार को पर्यवेक्षक के रूप में पटना पहुंचेंगे। 16 अक्टूबर को बिहार में रिपोर्ट करने के बाद यहां के गए आईएएस अधिकारी बिहार चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, मतदाताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का काम करेंगे। साथ ही अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्रों, मतदाता सूची, मतदान सामग्री और अन्य चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

पहले चरण के लिए जिन 16 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जा रहा है, उनमें अजय कुमार शुक्ला, बलकार सिंह, चैत्रा वी, ओम प्रकाश, सेल्वा कुमारी जे, अमित सिंह बंसल, भानु चन्द्र गोस्वामी, प्रांजल यादव, उदय भानु त्रिपाठी, अनामिका सिंह, भवानी सिंह खंगारोत, गौरी शंकर प्रियदर्शी, जीएस नवीन कुमार और राज शेखर शामिल हैं। वहीं, दूसरे चरण के चुनाव के लिए भी उत्तर प्रदेश के 15 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जाना है। अधिकारियों के दूसरे बैच को 19 अक्टूबर को रिपोर्ट करना है।

छूटे लाभार्थियों को एक माह में दें जीरो पावर्टी की सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एक माह का विशेष अभियान चलाकर जीरो पॉवर्टी अभियान के सभी छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। कहा कि चिन्हित परिवारों के सीएम अथवा पीएम आवास योजना के अंतर्गत आवेदन हो जाएं। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लाभार्थियों के पूरे परिवार का राशन कार्ड में नामांकन हो।

मुख्य सचिव ने बुधवार को लोकभवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में सात प्राथमिकता वाली योजनाओं (राशन कार्ड, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, पीएम किसान सम्मान निधि, आवास योजना तथा पीएम जन आरोग्य योजना) के माध्यम से चिन्हित शत-प्रतिशत परिवारों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को प्राप्त करने और प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अनाथ बच्चों को बाल सेवा योजना में नामांकित किया जाए, जिससे उन्हें योजना का लाभ मिल सके। परिवार के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित हो।

नोएडा समेत देश में बनेंगे 50 विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अगले दशक में भारत में 50 विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे, यह घोषणा उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से राजस्थान के उदयपुर में आयोजित 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन बुधवार को की। उप्र. से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गौतमबुद्ध नगर से जुड़े प्रस्ताव को पेश किया। अवगत कराया कि नोएडा स्थित आईटी सिटी के समीप लगभग 100 एकड़ भूमि पर निजी क्षेत्र के सहयोग से एक वृहद हॉस्पिटैलिटी हब विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

बोगस कंपनी से करोड़ों की कर चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुजरात व भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर कराई थी फर्म रजिस्टर्ड, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : राज्यकर विभाग ने फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों की टैक्स चोरी करने वाले दो व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुजरात और भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर फर्म पंजीकृत की और सरकार को लगभग 30 करोड़ रुपये की चपत लगाई।

सहायक आयुक्त राज्यकर गौरव कुमार राजपूत ने विकासनगर थाने में एसएसके ट्रेडिंग और अनिल ट्रेडर्स के मालिकों के खिलाफ एफआईआर कराई। जांच में सामने आया कि दोनों फर्मों ने फर्जी दस्तावेजों पर पंजीकरण कराकर भारी कारोबार दिखाया और जीएसटी रिटर्न में टैक्स चोरी की। एसएसके ट्रेडिंग का पंजीकरण विकासनगर सेक्टर-13 में कराया गया था। फर्म का स्वामी गुजरात के अहमदाबाद निवासी भरत भाई सोलंकी है। 4 अक्टूबर 2024 को पंजीकृत इस फर्म ने स्क्रैप कारोबार के नाम पर 15,11,72,96,600 रुपये का कारोबार दिखाया और करीब 20.55 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी की। जांच में फर्म का कोई अस्तित्व नहीं मिला।

इसी तरह विकासनगर सेक्टर-5 स्थित अनिल ट्रेडर्स के मालिक अनिल कुमार उपाध्याय निवासी भदोही ने कपड़ों का कारोबार दिखाकर 56,89,68,297 रुपये का फर्जी लेनदेन कर 8.98 करोड़ रुपये टैक्स चोरी की। यह फर्म भी मौके पर नहीं मिली। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। राज्यकर विभाग ने कहा कि फर्जी पंजीकरण कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली पर जगमग होंगे दिव्यांगजन के हुनर

अमृत विचार, लखनऊ : इस दीपावली पर प्रदेश के सभी मंडलों में 16-17 अक्टूबर को 'दिव्य दीपावली मेला-2025' का आयोजन होगा, जिसमें दिव्यांगजन द्वारा निर्मित उत्पादों की भव्य प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

राज्य सरकार की यह पहल न केवल 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को साकार करने से साथ-साथ दिव्यांगजन को आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान का नया मंच भी प्रदान करेगी। मिट्टी के दीपकों से लेकर कृत्रिम आभूषण और खाद्य सामग्री तक, इन प्रदर्शनियों में दिव्यांगजन का कौशल दीपोत्सव की रौनक को दोगुना करेगा। योगी सरकार दिव्यांगजनों के न केवल आर्थिक विकास पर ध्यान दे रही है, बल्कि सामाजिक समावेशिता को भी प्राथमिकता देती है। इस दीपावली, जब घर-घर दीये जलेंगे तो दिव्यांगजन के हुनर की रोशनी पूरे प्रदेश को नई दिशा देगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित इस मेले में हस्तनिर्मित मिट्टी के दीपक, आकर्षक मोमबत्तियां, हथकरघा उत्पाद, घरेलू सजावटी सामान, पूजा सामग्री और अन्य खाद्य सामग्री प्रदर्शित होंगी।

नदियों की सफाई का ढोंग कर रही सरकार

सपा प्रमुख बोले- बिजनेस घरानों को रियल एस्टेट बैंक बनाने की दी गई खुली छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के नौ साल में भाजपा के लोगों ने बड़े पैमाने पर जमीनों पर कब्जा किया। सरकारी जमीनों को बेच लिया है। सरकार ने बड़े-बड़े बिजनेस घरानों को अपना रियल एस्टेट बैंक बनाने (जमीन बढ़ाने) की खुली छूट दी है।

सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म धोखा है। भाजपा सरकार ने नौ साल में इसे क्यों नहीं बनाया। इस सरकार में किसानों को खाद नहीं मिल रही।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

कृषि मंत्री को पता ही नहीं खाद कहां से आती है। खाद के लिए पहले से तैयारी करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गोमती सफाई को लेकर ढोंग कर रहे हैं। सरकार गोमती सफाई को लेकर सफेद टेबल पर बैठकर काला झूठ बोल रही है। भाजपा सरकार की योजना जमीन पर नहीं सिर्फ अखबारों की हेडलाइन में दिखती है। सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार ने नदियों की सफाई के लिए एक मॉडल तैयार किया था। जो मॉडल बनाया था, उसी मॉडल से नदियों की सफाई हो सकती है। लेकिन भाजपा सरकार नदियां नहीं, बजट साफ कर रही है।

रिवरफ्रंट पर लगाएंगे केदारनाथ की प्रतिमा

अमृत विचार : पार्टी मुख्यालय के सभागार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ी संख्या में आए सैंथवार समाज के लोगों का अभिनंदन कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सपा सरकार में उनके साथ न्याय किया जाएगा। राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। गोरखपुर के साथ ही लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर केदार नाथ सिंह की प्रतिमा लगाकर उन्हें और सैंथवार समाज को सम्मान दिया जाएगा।

फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, कानून को समय से पीछे ले जाकर नहीं किया जा सकता लागू

वर्ष 2017 से पहले नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध दुष्कर्म नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, माता-पिता की गवाही से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 वर्षों से लंबित वैवाहिक दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने 15 वर्ष से अधिक आयु की नाबालिग पत्नी के साथ शादी के बाद शारीरिक संबंध बनाए हों, तो उसे सिर्फ 2017 के सुप्रीम कोर्ट के 'इंडिपेंडेंट थॉट' फैसले के बाद ही अपराध माना जा सकता है, उससे पहले नहीं। वर्ष 2017 के इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार) के अपवाद 2 को संशोधित करते हुए निर्धारित किया कि पत्नी की आयु 18 वर्ष या अधिक होनी चाहिए, तभी वैवाहिक संबंध वैध माने जाएंगे। जबकि पहले की कानून व्यवस्था के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयु की पत्नी के साथ यौन संबंध बलात्कार नहीं माना जाता था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह संशोधन भविष्य में लागू होगा, पुराने मामलों पर नहीं। इस आधार पर कोर्ट ने माना कि वर्ष 2005 की घटना पर इसे लागू नहीं किया जा

सकता है। अतः वर्तमान मामले में वर्ष 2007 में पारित दोषसिद्धि आदेश को रद्द कर दिया गया।

मामले के अनुसार, अपीलकर्ता का कहना था कि लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया और शादी कर शारीरिक संबंध बनाया। निचली अदालत ने माना था कि दोनों ने निकाह किया और एक महीने तक पति-पत्नी की तरह रहे। फिर भी अपीलकर्ता को लड़की के नाबालिग होने के आधार पर आईपीसी की धारा 363, 366 और 376 के तहत सजा दी गई। इस्लाम उर्फ पलटू की अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम की एकल पीठ ने पाया कि माता-पिता की गवाही या अन्य साक्ष्यों से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया या जबरन ले गया। लड़की ने स्वयं कहा कि युवक के साथ वह स्वेच्छा से गई और कहीं भी धोखे या हेरफेर का संकेत नहीं है। अभियोजन पक्ष धारा 363 के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए अभियुक्त की सक्रिय भूमिका या ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसलिए धारा 363 और 366 के तहत अपराध नहीं बनता। नाबालिग पत्नी से संबंध और बाल विवाह के मुद्दे पर कोर्ट ने स्वीकार किया कि मुस्लिम कानून में विवाह की न्यूनतम आयु 15 वर्ष है, जबकि बाल विवाह निषेध अधिनियम में 18 वर्ष। प्रश्न यह था कि कौन सा कानून प्रभावी होगा। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इंडिपेंडेंट थॉट फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आईपीसी और पॉक्सो में बलात्कार की परिभाषा लगभग समान है। पॉक्सो अधिक व्यापक है और धारा 42-ए के अनुसार पॉक्सो अन्य कानूनों (आईपीसी सहित) को असंगति की सीमा तक निरस्त करता है।

बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी और टीएमएल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी में जूनियर वर्ग से 17 और सीनियर वर्ग में 14 मॉडल प्रदर्शित किए गए। टीएमएल प्रतियोगिता में 10 विषयों में 41 टीएमएल प्रस्तुत किए गए।

जेडी डॉ. प्रदीप कुमार और डीडीआर रेखा दिवाकर ने सभी मॉडल और टीएमएल का निरीक्षण किया और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिभा तलाशने और तराशने का सशक्त माध्यम हैं।

मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और ब्राइटलैंड स्कूल के निदेशक रीना मानस व रचित मानस ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विजेता परिणाम

- सीनियर वर्ग : प्रथम - अमन मंसूरी (श्री बरखण्डी वीका, शिवगढ़, रायबरेली), द्वितीय - आर्यन कुमार व ईशान मिश्रा (संपर्कित), विषय - सूचना संचार।
- जूनियर वर्ग : प्रथम - आराध्य गिरी (पं. दीनदयाल उपा सामिमा ईका, लखीमपुर खीरी), द्वितीय - अभिषेक कुमार (कृषक इण्टर कॉलेज, महोली, सीतापुर)।
- **टीएमएल वर्ग** : भौतिक विज्ञान- रिफ्लेक्शन टीआईआर मैग्नेटिज्म - अनिल कुमार पाण्डेय, डीह, रायबरेली, **रसायन विज्ञान :** वीएसईपीआर सिद्धांत - सैयद मोहम्मद एजाज, लखीमपुर खीरी, **जीव विज्ञान :** कोशिका - दीप्ति विश्वकर्मा, लखनऊ, **गणित :** त्रिकोणमिति का परिचय - आशीष कुमार यादव, लखीमपुर, **नागरिक शास्त्र :** मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य - डॉ. सुषमा त्रिपाठी, लखनऊ, **अंग्रेजी :** ए लेटर टू गॉड लिटरेचर - हुमा परवीन, रायबरेली, **हिंदी :** गद्य, पद्य, व्याकरण - कुसुम देवी, लखीमपुर, **अर्थशास्त्र :** मुद्रा और साख - दुर्गा प्रसाद, लखीमपुर, **भूगोल :** खनिज संसाधन - सुचित्रा कुशवाहा, रायबरेली

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

पहले रहा ई-ऑफिस पर जोर अब कर रहे इग्नोर

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- ज्यादातर फाइलें व आदेश हाथ से ही हस्ताक्षर कर जारी किए जा रहे
- शुरुआती दौर में सरकारी दफ्तरों को ई-ऑफिस करने पर रहा फोकस

अमृत विचार। शुरुआती दौर में सरकारी दफ्तरों को ई-ऑफिस प्रणाली से जोड़ने का जोर लगाया गया। सबसे पहले कलेक्ट्रेट में यह प्रक्रिया शुरू हुई और प्रदेश से शाबासी मिली। उसके बाद कई महकमे ई-ऑफिस से जुड़ चुके हैं लेकिन अब अधिकारी इसको इग्नोर कर रहे हैं। ज्यादातर आदेश व फाइलें हाथ से हस्ताक्षर कर जारी किए जा रहे हैं।

शासन ने सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर कई बार चिट्ठी भी जारी हुई हैं। कलेक्ट्रेट के बाद विकास भवन के ज्यादातर बड़े से लेकर छोटे कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था शुरू हो गई है। शिक्षा विभाग समेत अन्य कार्यालयों में भी यह प्रणाली शुरू हुई थी। अब इस पर तकरीबन ग्रहण लग चुका है। अब न तो ई-ऑफिस पर आने वाली फाइलों को लेकर समीक्षा होती है और न ही कोई निर्देश जारी किए जाते हैं। हाथ से हस्ताक्षर कर फाइलें करने में अधिकारियों को महारथ हासिल है। इसमें बड़े अधिकारी भी शामिल हैं।

निलंबन, बहाली, वेतन कटौती व रोकने में करते खेल

खास बात यह है कि जब किसी अधिकारी या कर्मचारी पर कोई कार्रवाई होती है तो उसका आदेश ज्यादातर अधिकारी हाथ के हस्ताक्षर से ही जारी करते हैं। डिजिटल हस्ताक्षर करने में कंजूसी बरतते हैं। निलंबन, बहाली, वेतन कटौती, वेतन रोकने, वेतन वृद्धि रोकने व स्पष्टीकरण आदि के पत्र जारी करने में इन दिनों कई विभागों में ई-ऑफिस का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि ऐसे आदेश जारी कर इसे चुपचाप वापस भी कर लिया जाता है इसलिए ई-ऑफिस से दूरी बना ली जाती है।

बड़े अधिकारी भी नहीं कर रहे पालन

कहने को तो बड़े अधिकारी किसी योजना, निर्देश या शासन के आदेश का पालन कराने के लिए होते हैं लेकिन वह भी ई-ऑफिस प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं। इस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि इसमें तकरीबन सबकी मिलीभगत रहती है।

जानिए क्यों होते हैं हाथ से हस्ताक्षर: दरअसल, हाथ से हस्ताक्षर कर फाइलें या कोई आदेश जारी करने में सबसे बड़ी राहत यह है कि पिछली तारीखों डालकर इसे लागू किया जा रहा है।

उच्चाधिकारियों से कोई आदेश छिपाने में भी सहजता रहती है। इसके अलावा आदेश वापस लेने में भी सहूलियत होती है। कभी भी किसी भी तारीख में इसे जारी किया जा सकता है। यह परंपरा कई विभागों में चल रही है। इस काम में कुछ वरिष्ठ अफसर भी पीछे नहीं हैं। ई-ऑफिस प्रक्रिया से आज जारी होने पत्रों में पुरानी तारीखें डालकर उसे जारी करना संभव नहीं है।

परामर्श केंद्र में काउंसिलिंग करते प्रभारी। अमृत विचार

परामर्श केंद्र ने परिवार टूटने से बचाया

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। मिशन शक्ति केंद्र द्वारा चलाए जा रहे अभियान के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं। कस्बा के बौद्ध नगर निवासी विपिन व उसकी पत्नी के बीच आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता था। बुधवार को भी दोनों लाड झगड़कर कोतवाली पहुंचे जहां पर मिशन शक्ति के तहत बनाए गए परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी अतिरिक्त इंस्पेक्टर रणजीत सिंह महिला आरक्षी रुचिका ने दोनों की समस्याओं को सुना तथा 1 घंटे तक काउंसलिंग की। इसके पश्चात दोनों ने मनमुटाव खत्म कर एक साथ रहने के लिए सहमति देते हुए कार्यवाही करने से मना कर दिया। दंपति समझौते के बाद हंसी खुशी घर को चले गए।

न्यूज ब्रीफ

गली के निर्माण को लेकर झगड़ा, 5 घायल

तिर्वा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सतौरा में ग्राम सभा की गली का निर्माण हो रहा है। इसको लेकर एक पक्ष विरोध कर रहा है। इसके चलते दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया जिसमें दोनों तरफ से पांच लोग घायल हो गए। बुधवार को तीसरे प्रहर गली बनाने का काम चल रहा था। उसी समय इब्राहिम का परिवार गली के निर्माण में बाधा उत्पन्न करने लगा। विवाद बढ़ने पर खलील तथा इब्राहिम के परिवार के मध्य जमकर डंडे चले। इसमें सलीम, फहमीदा, उमर तथा दूसरे पक्ष से लालू व राजू घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों का मामला दर्ज कर चिकित्सा परीक्षण कराया है।

प्रतिमा स्थापना को लेकर बैठक 25 को

मानीमऊ, कन्नौज। ग्राम पंचायत सकरीखुर्द के राजस्व ग्राम यासीनपुर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना होनी है। इसको लेकर भूमि प्रबंधक समिति की बैठक 25 अक्टूबर को पंचायत भवन सकरी खुर्द में सुबह 11 बजे होगी। यह जानकारी ग्राम प्रधान रिचा कटियार ने दी।

इंजीनियरिंग कॉलेज में संवेदीकरण प्रोग्राम

तिर्वा। नवोत्थान स्टार्टअप फाउंडेशन, इनक्यूबेशन सेंटर ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अहेर कन्नौज सहयोग से एक दिवसीय संवेदीकरण प्रोग्राम का आयोजन किया | कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में पॉलीटेक्निक कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा संचालित मेटी जेनेसिस स्कीम के ई आई आर, पायलट, इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम एवं यूपी स्टार्टअप पॉलिसी के बारे में जानकारी साझा करना रहा| संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार शुक्ला ने पॉलीटेक्निक छात्रों को इनक्यूबेशन सपोर्ट से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

हिंदू राष्ट्र की स्टोरी पर आपत्तिजनक पोस्ट

कन्नौज। इंस्टाग्राम पर एक हिंदू राष्ट्र व भगवा ध्वज पर लिखी गई स्टोरी पर कुसुमखोर के युवक ने कमेंट में गालीगलौज का ऑडियो वायरल कर दिया। नाराज विश्व हिंदू महासंघ ने संबंधित के खिलाफ एसपी से शिकायत की है। बुधवार को महासंघ के जिलाध्यक्ष कुलदीप दुबे की अगुवाई में जिला महामंत्री आकाश भदौरिया, जिला मंत्री मानस प्रताप प्रजापति, अनुराग ठाकुर, मंजीत कुमार, मोहित तिवारी, मोनू सिंह, पवन पाण्डेय, दुर्गेश तिवारी, सुभाष यादव, सुमित चतुर्वेदी, धीरज कुमार, कर्णवीर कटियार समेत कई पदाधिकारी एसपी से मिले। शिकायत की कि सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव लालपुर निवासी अभिषेक कटियार ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर एक हिंदू राष्ट्र व भगवा ध्वज को लेकर स्टोरी लिखी थी। इस पर कुसुमखोर निवासी सावान खां पुत्र गजोधर उर्फ जग्गा ने वाइस रिकार्ड कर गालीगलौज पोस्ट की। संबंधित को स्कूल जाने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की है।

दुकानों पर छापेमारी कर नमूने लिए

छिबरामऊ। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज जैसे त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर नमूने संकलित किए। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों अनिल कुमार राठौर, सर्वेश कुमार व अरविंद कुमार साहू की टीम ने छिबरामऊ तहसील क्षेत्र में छापेमारी की। इस अभियान के तहत रसगुल्ला, मिल्क केक, सूजी, स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड पामोलिन ऑयल, डोडा बर्फी और चीनी के सात नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। ये नमूने प्रयोगशाला में भेजे जा रहे हैं, और जांच रिपोर्ट के आधार पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अभियान के दौरान खाद्य कारोबारियों और आम जनता को मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों की पहचान के लिए स्थलीय परीक्षण विधियों की जानकारी दी।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन की मौत, दो ग्रामीण हो गए घायल

मानपुर चौराहा व इंदरगढ़ के नौसारा पुलिया के निकट हुए सड़क हादसे

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ मानीमऊ/ तिर्वा

मानीमऊ में दुर्घटना के बाद पलटा ट्रेलर ट्रक व मौके पर लगी लोगों की भीड़।

अमृत विचार। मानीमऊ में अनियंत्रित ट्रेलर ने युवक व ग्रामीण को टक्कर मार दी और कंटेनर से टकराकर पलट गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ग्रामीण घायल हो गया। इसी तरह इंदरगढ थाना क्षेत्र में नौसारा पुलिया के निकट डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे एक की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। मानपुर चौराहे पर डीसीएम की टक्कर से बाइकसवार की मौत हो गई।

बुधवार दोपहर 2:30 बजे ददौरा बुजुर्ग गांव के सामने नेशनल हाईवे 34 पर कानपुर को जाने वाली पट्टी पर सड़क के किनारे एक कंटेनर खड़ा था। इसके पास ददौरा बुजुर्ग गांव निवासी युवक रोहित ठाकुर (20) पुत्र नेकराम खड़ा था। तभी दिल्ली की तरफ जा रहे ट्रेलर का चालक स्टेयरिंग से नियंत्रण को बैठा। इससे ट्रेलर दूसरी पट्टी पर खड़े कंटेनर में जा घुसा। इससे खड़ा रोहित चपेट में आकर बुरी तरह से कुचल गया जबकि वही हाइवे पार कर रहा बिहारीपुर गांव निवासी कृपाल सिंह यादव (42) पुत्र मैकू यादव घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। यहां रोहित को मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी होने से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन घटना स्थल पर पहुंच गये। मानीमऊ चौकी प्रभारी आलोक प्रताप सिंह ने दोनों चालकों को हिरासत में ले लिया। रोहित दो भाई था, बड़ा भाई गुजरात में प्राइवेट कंपनी में कार्य करता है जबिक पिता की चार वर्ष पहले करंट से मौत हो गई थी। दूसरी दुर्घटना मंगलवार शाम हुई। सदर कोतवाली क्षेत्र के नसरापुर निवासी जसवंत(40) अपनी बाइक से 4:30 बजे शाम को ठठिया थाना क्षेत्र के गांव बेहटा गांव गया था। देर शाम लौटते समय हाइवे पर मानपुर चौराहे तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में टक्कर मारदी। इससे उसकी मौत हो गई। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मामले में पुत्र अंकित ने डीसीएम के चालक पर रिपोर्टदर्ज कराई है।

तिर्वा प्रतिनिधि के अनुसार थाना इंदरगढ़ के ग्राम झूलनापुर निवासी सत्यवीर (59) पुत्र हमीर मित्र इकबाल पुत्र अजर हुसैन के साथ बाइक से तिर्वा आ रहा था। वह नौसारा पुलिया के पास पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रहे डंपर ने टक्कर मारी दी। इससे दोनो सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर सत्यवीर को कानपुर रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेलिया।

कांशीराम कालोनी में दीपावली मनाने के दौरान समाजसेवी आलोक दीक्षित 'कन्हैया' तथा मंत्री असीम अरुण को मिठाई खिलाती महिलाएं। अमृत विचार

कांशीराम कालोनी में बच्चों ने मंत्री व कन्हैया संग मनाई दीपावली

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- आतिशबाजी संग हुए रंगारंग कार्यक्रम तो झूम उठी कालोनी

अमृत विचार। दीपावली को बस चार दिन शेष हैं लेकिन त्योहार को लेकर हर आम और खास की तरफ से तैयारी तेजी पर है। ऐसे में कुछ ऐसे तबके के भी लोग हैं जिनके त्योहार की रौनक किन्ही कारणों से फीकी रहती है। ऐसे ही लोगों को खुशी देने की मंशा से समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण और समाज सेवी आलोक दीक्षित 'कन्हैया' ने मंगलवार की रात कांशीराम कालोनी के लोगों के साथ त्योहार मनाया। मिठाई खाई खिलाई और आतिशबाजी में भी हिस्सा लिया।

ईदगाह स्थित कांशीराम कालोनी में आयोजित दीपावली महोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तो वहीं आतिशबाजी भी की गई। यहां पहुंचे समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और कन्हैया का जोरदार स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान एक बच्ची ने रानी लक्ष्मीबाई का रूप धरा और घोड़ी पर सवार होकर पहुंची। इस भूमिका पर खूब तालियां बजीं। मंत्री ने बच्ची को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री और कन्हैया ने बच्चों के साथ आतिशबाजी कर उनको खुशियां दीं। इस मौके पर कई लोग रहे।

व्यापारियों ने हिन्दी में मांगे बिल कर्मियों पर वसूली के आरोप

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- जिला उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों ने कहा कि बिजली चोरी की रोकथाम नहीं कर रहा विभाग

अमृत विचार। बिजली विभाग की शिकायतें बढ़ती ही जा रही हैं। अब व्यापारियों ने भी डीएम की बैठक में कई आरोप लगाए हैं। कर्मियों पर वसूली व समस्याएं दूर न करने की शिकायत भी की गई है।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में हुई कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों ने सुझाव दिया कि बिजली बिल हिन्दी भाषा में जारी किए जाएं, जिससे बिल की जानकारी समझने में सुविधा हो सके। उद्यमियों ने यह भी बताया कि बिल संशोधन, मीटर की त्रुटियों तथा बिजली चोरी की रोकथाम में बिजली विभाग में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। साथ ही विभाग के संविदा कर्मी वसूली कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस पर कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग अपने कार्य व आचरण में सुधार लाए। जिस क्षेत्र से शिकायतें आ रही हैं, वहां के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। जिलाधिकारी ने स्मार्ट मीटर परिवर्तन कार्य में गति लाने के भी निर्देश दिए। इत्र पार्क में जलापूर्ति के लिए पानी की टंकी का संचालन तीन दिवस में शुरू करने को कहा। बैठक में अवर अभियंता विनियमित क्षेत्र के अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। जनता के किसी भी प्रकार का शोषण पाए जाने पर दण्डात्मक कार्रवाई को भी कहा।

इंदौर आईआईटी के साथ कार्य करने को लेकर एफएफडीसी के साथ होगा समझौता

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

प्रधान निदेशक शक्ति विनय शुक्ल को प्रतीक चिन्ह देते आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर डा. देवयान सरकार, साथ में निदेशक नदीम अकबर। अमृत विचार

अमृत विचार। सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र (एफएफडीसी) भविष्य में इंदौर आईआईटी के साथ मिलकर सुगंध और सुरस की दिशा में काम करेगा। इसको लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे पहले वहां के दो अधिकारियों डॉ. हर्षा उपाध्याय, कनिष्ठ अधीक्षक समेत कुल 21 लोगों ने दो दिन तक केंद्र प्रशिक्षण के साथ केंद्र परिसर का भ्रमण कर जानकारियां लीं।

बता दें कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलवार को एफएफडीसी के प्रधान निदेशक शक्ति विनय शुक्ल, डॉ. नदीम अकबर, उपनिदेश आमोद प्रताप की उपस्थिति में हुआ। इसमें शुक्ल ने केंद्र के उद्देश्य के बारे में बताया। यह भी कि दोनों संस्थान आपस में मिलकर काम कर सकते हैं। डॉ. देवायन सरकार ने आईआईटी इंदौर के क्रियाकलापों व उद्देश्य की जानकारी दी। अंतिम दिवस बुधवार को प्रधान निदेशक आईआईटी इंदौर के जिम्मेदारों के साथ ऑनलाइन बैठक की जिसमें दोनों संस्थानों के परस्पर सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमिति बनी। तय हुआ कि सुगंध व सुरस के क्षेत्र को बढ़ावा देने के साथ ऐसे काम किए जाएंगे जिन पर अभी तक कुछ नहीं किया गया है। कार्यक्रम के सफल संचालन में कमलेश कुमार, प्रलेखन अधिकारी प्रज्ञा गुप्ता, प्रवीण राजपूत, कौशलेंद्र का विशेष योगदान रहा।

सर्वाधिक डिजिटल क्रॉप सर्वे करने वाले कर्मी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- मंत्री ने किसानों को मृदा परीक्षण स्वास्थ्य कार्ड व मिनी किट्स बांटी

अमृत विचार। शहर के बोर्डिंग ग्राउण्ड में लगे स्वदेशी मेला में एक दिवसीय मिलेट्स गोष्ठी का शुभारंभ समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने 14 किसानों को मृदा परीक्षण स्वास्थ्य कार्ड, सर्वाधिक डिजिटल क्रॉप सर्वे करने वाले 5 कर्मचारी एवं 11 कृषकों को मिनी किट्स दीं।

बुधवार को मंत्री ने गायक प्रतियोगिता 2025 में सुभाष इण्टर कॉलेज नेरा की छात्रा अनामिका, सीटीआई ऑल इण्डिया प्रथम रैंक पाईं आईटीआई बेहरिन की छात्रा अंशिका तिवारी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 09 से 18 अक्टूबर तक 10 दिवसीय स्वदेशी मेला लगा है इस मेले से स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने रानी देवी के हस्तनिर्मित दीप की प्रशंसा की और उनको अच्छा कुशल कारीगर बताया। आगे कहा कि 'दीदी को मिट्टी पीसने वाली व बिजली चलित दीप बनाने वाली मशीन जल्द ही दिलायी जाएगी।' मंत्री ने एस प्रतीक फार्मर प्रोड्सर कम्पनी के मिलेट्स से बने खाद्य पदार्थ की सराहना कर श्रीअन्न से बने पकवान को भी चखा। साथ ही गंगा नदी के किनारे दोनो तरफ 5-5 किलोमीटर क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों को को प्रेरित करने को कहा। भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा कि पहले बाजरा, चना, मक्का, आदि मोटा अनाज हमारी थाली में होता था। मोटे अनाज हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद हैं यह सभी जानते हैं। सरकार के निरन्तर प्रयासों एवं मिलेट्स को बढ़ावा देने से यह पुनः हमारी थाली में दिखाई देने लगेगा। कार्यक्रम का संचालन कृषि वैज्ञानिक अमर सिंह ने किया।

आयोजन | शहर के बोर्डिंग ग्राउंड पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, गिनाईं उपलब्धियां

उज्ज्वला के लाभार्थियों को रसोई गैस सब्सिडी के मिले डेमो चेक

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

शहर के बोर्डिंग ग्राउंड में डेमो चेक लिए खड़ीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दिवाली से पहले निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रीफिल की सब्सिडी के प्रतीकात्मक (डेमो) चेक बांटे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने बोर्डिंग ग्राउंड में किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ में हुए कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा व सुना गया। मोनी, पिंकी, सुमन, आरती, नसरीन, नगमा, शीतला, प्रिया, लक्ष्मी, सुनिता सहित कुल 110 लाभार्थियों को प्रतीतात्मक चेक वितरण की गईं। डीएम ने कहा प्रदेश सरकार ने निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर पात्रों को उपहार में दिए हैं। अब वर्ष में दो बार रीफिल (गैस) भी निशुल्क मिल रही है। कहा कि मुख्यमंत्री ने अपील की है दीया, मोमबत्ती, झालर जो भी वस्तु खरीदें वो सभी अपने जनपद या यूपी के स्थानीय उत्पाद खरीदें जिससे यहां के श्रामिकों को लाभ मिलें और वह प्रोत्साहित हों।

योजना में 1,76,408 लाभार्थी हैं: डीएम ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमत 876 रुपये है और उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए पूरा खर्च केंद्र और राज्य सरकार करती है। इसमें 323.24 रुपये केंद्र तथा 552.76 रुपये प्रदेश सरकार से दिया जाता है। सभी लाभार्थियों के खातों में पूरा भुगतान किया जाएगा। योजना के प्रचलित गैस कनेक्शन 1,76,408 हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करते हैं। योजना में जो पात्र होता है उसे लाभ मिलता है।

- जिले के 110 लाभार्थियों को बुलाकर दिए गए प्रतीकात्मक चेक

कहने को 876, मिलता 910 रुपये में सिलेंडर

जनपद के अधिकारी व जनप्रतिनिधि भले ही रसोई गैस सिलेंडर का सरकारी दाम 876 रुपये बताते हों लेकिन असलियत यह है कि घर पर पहुंचती 910 रुपये में दिया जाता है। जिले में क्षेत्र के हिसाब से कीमतें 10 रुपये कम या ज्यादा होती हैं। निर्धारित मूल्य में होम डिलीवरी खर्च शामिल होता है लेकिन 25 रुपये प्रति सिलेंडर अधिक वसूला जाता है। इसकी जानकारी पूर्ति विभाग को है लेकिन वह कार्रवाई करने की बजाय टालमटोल करता है।

पंकज ऑटो मोबाइल्स
हमारे यहाँ Ace, Magic Maximo, Bolero, Scorpio, Pick-up, Tata Megha, Super Ace का स्पेयर पार्ट मिलते है। Maruti, Hyundai, Honda, Renault, Skoda, Nissan, Toyota, Ford, Chevrolet इन सभी कम्पनियों की गाड़ी का Suspention & Disc Pad & Break Rotor एवं स्पेयर पार्ट मिलते है।
15-C, 2nd Floor, Gulati Motor Market Gadarian Purwa, Kanpur
Whatsapp No. 8874837218

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

किशोरी पर पलटी दीवार, घायल

कन्नौज। दीपावली पर मकान की लिपाई करने के लिये मां के साथ पुराने मकान की दीवार के निकट मिट्टी खोद रही किशोरी व उसकी मां पर दीवार पलट गई। इससे किशोरी मलबे में दबकर घायल हो गई। उसका एक पैर टूट गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव मबई निवासी अजब सिंह की पुत्री वर्षा (13) मां के साथ बुधवार को दोपहर के समय अपने पुराने मकान की दीवार के पास मिट्टी खोदने गई थी। इस दौरान दीवार गिर गई और मलवे में किशोरी दब गई। मां के शोर मचाने पर गांव के लोग पहुंचे। मलबे को हटा कर किशोरी को बाहर निकाला। परिजन किशोरी को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां एक पैर की हड्डी टूटी निकली। शरीर के अन्य भाग में भी चोटे मिलीं।

स्कूल में विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया

कायमगंज। कायमगंज ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया गया। प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल के नेतृत्व में आशा, उमा, सपना आदि ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर ग्लोबल हैंड वाश डे मनाया। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता संबंधी जानकारी देते हुए स्वस्थ रहने के तरीके बताए। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री मेमवती और आशा वर्कर रामदेवी ने बच्चों के साथ मिलकर संचारी रोग नियंत्रण रैली निकाली जिसमें बच्चे स्वच्छता संबंधी नारे लिखी हुई तख्तियां लेकर चल रहे थे। रैली को स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष खेतल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रोजगार मेले में 122 अभ्यर्थियों का चयन

फर्रुखाबाद। बुधवार को प्रातः दस बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ठण्डी सड़क, फर्रुखाबाद में रोजगार व अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया गया। मेला में 06 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया व रिक्तियां 175 के सापेक्ष मेला मे 143 अभ्यर्थी उपस्थित हुये। मेला में कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 143 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कर कुल 122 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिसमें अप्रेन्टिसशिप के लिए 10 (मुशाशी आटोपार्ट्स लि., अंबिका आटो मोटिव सेपिटी कम्पोनेन्ट लि0 गुरूग्राम) और जॉब ट्रेनी के लिए 112 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। मेला की व्यवस्था में प्रमुख रूप से नोडल प्रधानाचार्य राजवीर सिंह, कार्यदेशक बृजेश कुमार, रंजीत कुमार सुमन अप्रे. प्रभारी, सुनील कुमार प्लेसमेन्ट प्रभारी, विजेन्द्र सिंह, राज किशोर महतो एंव समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

'टीईटी की अनिवार्यता न्याय संगत नहीं'

जलालाबाद, कन्नौज। सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा समस्त सेवा शर्तों को पूर्ण कर वर्षों पूर्व नियुक्त शिक्षकों को 02 वर्ष में परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्णय के विरोध में अखिल भारतीय शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवाहन पर जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में ब्लॉक संसाधन केंद्र पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।बुधवार को संघ के राष्ट्रीय आह्वान पर ब्लॉक संसाधन केंद्र जलालाबाद पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक कि जनपद इकाई के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार यादव के नेतृत्व में बैठक कर सामूहिक रूप से टेट की अनिवार्यता के फैसले के विरोध में शिक्षकों ने व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। ।इस दौरान शिक्षक कोतवाल सिंह, प्रदीप यादव, महेंद्र सिंह, मदारबक्स, कटियार, दलबीर यादव, सिराज आदि मौजूद रहे।

एआरपी तैनाती को लेकर हाईकोर्ट में पेश हुए सीडीओ और बीएसए

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले के निस्तारण के लिए महानिदेशक बेसिक शिक्षा को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। एआरपी रंजना पाठक की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर रिट संख्या 10485/2025 का न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि ने निस्तारण कर दिया। निर्णय दिया कि प्रकरण का 07 सप्ताह में निस्तारण महानिदेशक बेसिक शिक्षा करेंगे। सुनवाई के दौरान मुख्य विकास अधिकारी राम कृपाल चौधरी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने व्यक्तिगत हलफनामे दिए।

रिट में याचिकाकर्ता ने राहतों की मांग करते हुए कहा कि बीएसए को न्यायालय की ओर से दिए गए समय में ब्लॉक तालग्राम क्षेत्र में तैनात सहायक अध्यापक विज्ञान के पद पर नियुक्ति और पदस्थापन के लिए याचिकाकर्ता के दावे की जांच और विचार करने के लिए एक रिट, आदेश या निर्देश जारी किए जाएं। उधर, प्रतिवादियों के वकील ने दलील दी कि वाद का कारण कुछ घटनाक्रमों के कारण अब अस्तित्व में नहीं है। हालांकि याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि वाद का कारण अब भी अस्तित्व में है।

उन्होंने दलील दी है कि याचिकाकर्ता के दावे का निर्णय बेसिक शिक्षा महानिदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार से किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा महानिदेशक को मामले का निर्णय करने के लिए निर्देश दिया है। यदि महानिदेशक, बेसिक शिक्षा यह पाते हैं कि वे कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी नहीं हैं, तो वे मामले को संबंधित प्राधिकारी के पास निर्णय लेने के लिए भेजेंगे। संबंधित प्राधिकारी की ओर से याचिकाकर्ता को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के बाद 07 सप्ताह के भीतर एक तर्क संगत और स्पष्ट आदेश पारित किया जाएगा। आदेश की सूचना याचिकाकर्ता को दी जाएगी। इस निर्देश के साथ, रिट याचिका का निपटारा कर दिया गया। साथ ही सीडीओ व बीएसए की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी गई।

यह है मामला

- कन्नौज। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) के तहत तैनाती में पक्षपात का आरोप लगाकर तालग्राम ब्लॉक क्षेत्र की शिक्षक व एआरपी रंजना पाठक हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने बताया कि विज्ञान विषय में वरिष्ठता के बाद भी सूची में 5वें नंबर पर शामिल अन्य शिक्षक को एआरपी में तालग्राम क्षेत्र में तैनाती दी गई और उनका ब्लॉक बदल दिया गया। इसमें बीएसए, बीईओ, एआरपी अबरार मोहम्मद समेत कई लोगों के खिलाफ वाद दायर किया जिसमें सीडीओ को भी शामिल कर लिया गया। निर्णय से पहले मामले की सुनवाई न्यायाधीश मंजू रानी चौहान कर रहीं थीं।

- **यदि महानिदेशक कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी नहीं हैं, तो वे संबंधित प्राधिकारी को भेजेंगे**
- **तालग्राम ब्लॉक क्षेत्र की शिक्षक रंजना पाठक ने आरोप लगाकर दायर की थी याचिका**

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

काइनेटिक ग्रीन का पहला स्टोर विकास नगर में खुला

शोरूम का फीता काटकर उद्घाटन करते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

- **सांसद रमेश अवस्थी ने किया शोरूम का उद्घाटन**

कानपुर। काइनेटिक ग्रीन की इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन का पहला शोरूम विकास नगर में बुधवार को शुरू हुआ। यह शोरूम काइनेटिक कानपुर की ओर से खोला गया है। शोरूम का उद्घाटन सांसद रमेश अवस्थी ने किया।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ही इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार की कोशिश है कि प्रदूषण कम हो और लोगों को सुलभ व सस्ता यातायात साधन मिले। काइनेटिक कानपुर के मुखिया प्रमोद कुमार द्विवेदी ने शहर में पहला शोरूम खोला है। हम उम्मीद करते हैं कि शहर में वे कई और शाखाएं खोलेंगे। इससे न सिर्फ लोगों को रोजगार मिलेगा बल्कि ई स्कूटी खरीदने में भी मदद मिलेगी। प्रमोद कुमार द्विवेदी ने कहा कि शहर में एक वर्ष के अंदर उनकी कंपनी 15 सब डीलर बनाएगी। इसका चयन भी शुरू कर दिया गया है। कंपनी के शोरूम में फिलहाल काइनेटिक ग्रीन ई लूना, ग्रीन ई जिंग आदि स्कूटी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर कंपनी के पार्टनर लव द्विवेदी, कुश द्विवेदी, प्रतीक द्विवेदी ने सांसद रमेश अवस्थी का स्वागत किया। कार्यक्रम में कुसुम दुबे, डॉ. रितु, राधिक भारद्वाज उपस्थित रहीं।

फर्रुखाबाद महेवा पारेषण लाइन का 16 सौ मीटर तार चोरी

सौरिख। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई जा रही फर्रुखाबाद महेवा पारेषण लाइन का तार व अन्य सामान चोरों ने पार कर दिया।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ग्रीन एनर्जी के तहत नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत और उत्तर प्रदेश सरकार और जर्मन कम्पनी के एफ डब्ल्यू द्वारा बुंदेलखंड एक्स्प्रेस वे के किनारे 4000 मेगावाट सोलर पार्कों का निर्माण किया जा रहा है। सोलर एनर्जी के वितरण के लिए कार्यदाई संस्था एसोसिएटेड पावर स्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा महेवा फर्रुखाबाद पारेषण लाइन बनाई जा रही है। थाना क्षेत्र के कंसुआ के पास टावर संख्या 54-55 के बीच अज्ञात चोरों ने करीब 16 सौ मीटर तार, 280 इंसुलेटर, लाइन स्पेंसर 13, सहित लाखों रुपये कीमत का सामान पार कर दिया। कार्यदाई संस्था के सहायक प्रबंधक रोहित कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। थाना प्रभारी ने कहा कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी सहित 5 पर आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट

संवाददाता गुरसहायगंज

- **न्यायालय के आदेश पर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट**
- **22 मई 2025 की दोपहर जहरीला पदार्थ खा लिया**

अमृत विचार। युवक के आत्महत्या कर करने के मामले में मृतक के पिता ने ससुरालियों पर उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ग्राम जलालाबाद निवासी कामेश चन्द्र ने न्यायालय के आदेश पर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसने अपने पुत्र मनीष उर्फ रिषी कुमार की शादी शाहजहांपुर के थाना तिलहर ग्राम बहादुरपुर निवासी शिल्पी के साथ 28 फरवरी 2024 को की थी। शादी के बाद पत्नी शिल्पी, ससुर अनिल कुमार, मां सुनीता, अंकित व अभिषेक उसके पुत्र का शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न कर झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देने लगे। इससे उसका पुत्र काफी परेशान रहने लगा और 22 मई 2025 की दोपहर लगभग 12 बजे जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगडने पर परिजनों ने उसे फर्रुखाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अंतिम संस्कार के बाद 25 मई को पत्नी व ससुरालियों ने 01 लाख रुपये की मांग की। उसने पंचायत के बीच 01 लाख रुपये दे दिया। जब उसने 10 सितंबर को अपने पुत्र का मोबाइल देखा तो उसमें पत्नी व ससुरालियों द्वारा की गई कई धमकी भरी रिकार्डिंग मिली जिससे आजिज आकर ही उसके पुत्र ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

मिसाइल मैन की जयंती धूमधाम से मनाई

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सपा कार्यालय में पूर्व राष्ट्रपति की जयंती धूमधाम से मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

बुधवार को देश के मिसाइलमैन पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान के नेतृत्व में मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन एवं विधानसभा अध्यक्ष पीपी सिंह बघेल ने कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम सादगी और ईमानदारी के प्रतीक थे। इस दौरान राम सेवक राजपूत, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे, सपा नेता यश कुमार दोहरे, विजय दुवेदी, शरद यादव, बजरंग सिंह चौहान, नितिन यादव, विवेक पाल, आरिफ जमा, शिब्बू तिवारी, सद्दाम खान, गुफरान अहमद, राजपाल राजू, अनुज यादव, रोहित कुशवाहा, सुधीर कश्यप, वसीम हसन लल्ला, राकेश कठेरिया, अजय कश्यप, आदिल खान, अंकुर यादव, भोला यादव, नेम सिंह, मुकुट सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में पूर्व राष्ट्रपति की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते सपाई । अमृत विचार

मेडिकल कालेज में पूर्व राष्ट्रपति की जयंती मनाई

- तिर्वा। तिर्वा मेडिकल कालेज में सपाइयों ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती धूमधाम से मनाई। इस मौके पर मेडिकल कालेज में लगी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। मिसाइलमैन की जयंती पर सपाइयों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस मौके पर अवनीश यादव, महिपाल सिंह प्रधान, प्रदीप, बिट्टू सिद्दीकी, रिंकू, अवनीश पटेल, के पी राजपूत, तिलक सिंह, रोहित, जुबैर, गोपाल राजपूत, मेराज खान, आर्यन पटेल, इरफान खान, रूप सिंह आदि मौजूद रहे।

रावण के साथ जले कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। नव निर्मित आदर्श रामलीला समिति नई गल्ला मंडी द्वारा रावण वध मेला का आयोजन किया गया। इसमें रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया।

बुधवार की देर शाम नगर के रामगंज स्थित रामलीला मैदान पर नवनिर्मित रामलीला समिति द्वारा रावण, कुंभकरण व मेघनाथ का विशाल पुतला बनवाया गया। रामलीला का मंचन कर रहे कलाकार नगर भ्रमण करने के बाद रामलीला मैदान पर पहुंचे। यहां समिति के अध्यक्ष मयंक गुप्ता, भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेन्द्र देव, रामकुमार पाठक, नीरज मिश्रा, राकेश कौशल आदि ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण की आरती उतारी। राम व रावण के बीच युद्ध हुआ। श्री राम ने पहले कुंभकरण और मेघनाथ का वध किया।

अंत में विभीषण की सलाह पर लंकापति रावण की नाभि में तीर मारा। बाण लगते ही दशानन धराशाई हो गया और दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इसके बाद पुतलों का दहन किया। इस दौरान डॉ. सुधीर दीक्षित, विजय दुबे, गौरी गुप्ता, टीटू गुप्ता, दीपू शर्मा, उमाकांत सैनी, आंचल गुप्ता, अनित शुक्ला, अनिल गुप्ता, रवि गुप्ता, सचिन शर्मा, विनोद गुप्ता, संजीव चौहान, प्रिंस दुबे, वंटी ठाकुर, सुगम दुबे, सभासद जीतू गुप्ता, विपिन चौरसिया, दीपक गुप्ता, शिवा गुप्ता, अमन कठेरिया, सचिन शर्मा आदि मौजूद रहे।

सपाइयों ने मनाई पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम की जयंती

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। बुधवार को मिसाइलमैन के नाम से विश्वविख्यात भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में मौजूद नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम एक सच्चे देशभक्त थे, जिन्होंने देश को तकनीकी दृष्टि से मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने भारत को एक से एक आधुनिक मिसाइलें दीं, जिससे आज भारत का नाम विश्व पटल पर गौरव के साथ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हर भारतीय युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने गरीबी से उठकर मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से दुनिया में भारत का मान बढ़ाया। उनके सपनों का भारत वही है जहां हर युवा शिक्षित, सशक्त और रचनात्मक हो। हम सभी को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम की जयंती मनाते सपाई । अमृत विचार

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी एवं अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष साजिद खान,जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल ,ओम प्रकाश शर्मा, बीना शर्मा, जिला सचिव रामपाल सिंह यादव, महिला सभा प्रदेश सचिव सुनीता शाक्य,कमल हसन, डॉ. रामकृष्ण राजपूत,शिव शंकर शर्मा ,मुजीबुल हसन,मुजाहिद अंसारी, नीलम चोहान आदि लोग मौजूद रहे।

किसान की रोटावेटर में फंसकर मौत, कोहराम

फर्रुखाबाद। मेरापुर थाना क्षेत्र में खेत की जुताई के दौरान एक किसान की ट्रैक्टर से गिरकर रोटावेटर में फंसने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, जरहरी अचरा गांव निवासी छंगलाल पुत्र रामभरोसे मंगलवार रात अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करवा रहे थे। इसी दौरान वे अचानक ट्रैक्टर से गिर गए और रोटावेटर की चपेट में आ गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल छंगलाल को फर्रुखाबाद के डॉ. राममनोहर लोहिया जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया। रात लगभग 11 बजे अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर उदय राज ने किसान छंगलाल को मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी गई।। पुलिस ने छंगलाल के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में कोहराम मचा है।

दीपावली से पहले वेतन देने की मांग

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारी संघ ने राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय के सभागार में एक बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ हो रहे उत्पीड़न और कई महीनों से वेतन न मिलने के मुद्दे पर चर्चा करना था।

बैठक की अध्यक्षता राज कर्मचारी संयुक्त परिषद फर्रुखाबाद के मंत्री पंकज शुक्ला ने की, जबकि इसका संचालन साबिर हुसैन ने किया। कर्मचारियों ने बताया कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण पर्व को भी नजरअंदाज करते हुए उनका वेतन कई महीनों से लंबित है। संघ ने आरोप लगाया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश यादव पर भी अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगा है। पूर्व में भी कई संविदा कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार की शिकायतें उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी हैं।

बैठक में विचार विमर्श करते संविदा कर्मी। अमृत विचार

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अभिषेक वाजपेई ने कहा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सार्वजनिक रूप से अपने अभद्र व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि दीपावली से पहले सभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं किया गया, तो वे आगे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। बैठक में प्रमोद दीक्षित, अटल शुक्ला, नरेंद्र मिश्रा, राजा अहमद, रेनू मिश्रा, रश्मि सिंह, अनुज पाल, प्रदीप यादव, नरेंद्र चैरसिया, भूपेंद्र यादव, इमरान, राजीव दीक्षित, विजय तिवारी, सौरभ कुमार, रत्नेश कुमार और साबिर हुसैन सहित कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजन | लाभार्थियों तथा अधिकारीगण की उपस्थिति में सजीव प्रसारण प्रात : 11 बजे किया गया

20 लोगों को बांटे गए उज्ज्वला योजना के चेक

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को बुधवार को चेकों का वितरण किया गया।

बुधवार को लोकभवन से उज्जवला योजना के अर्न्तगत लाभार्थियों के बैंक खाते में निःशुल्क घरेलू सिलेण्डर रीफिल की धनराशि अन्तरित किये जाने सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाभार्थियों तथा अधिकारीगण की उपस्थिति में सजीव प्रसारण प्रातः 11 बजे किया गया। निःशुल्क घरेलू सिलेण्डर रीफिल सब्सिडी कार्यक्रम में जनपद फर्रुखाबाद में 200 उज्जवला लाभार्थी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों द्वारा सजीव प्रसारण की समाप्ति के उपरान्त 20 उज्जवला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी अन्तरण का प्रतीकात्मक चेक का वितरण किया गया। उक्त योजना दिनांक 01 अक्टूबर 2025 से दिनांक 31 दिसम्बर .2025 तक प्रथम चरण हेतु लागू रहेगी। जनपद में समस्त 1 लाख 65 हजार 225 पात्र व कियाशील उज्जवला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सब्सिडी की धनराशि रू0 559.58 रुपये को उनके खाते में अन्तरित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष फतेह चन्द वर्मा, कायमगंज विधायक श्रीमती सुरभि, जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, जिला पूर्ति अधिकारी सुरेन्द्र यादव, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अनिल कुमार यादव, सहित समस्त आपूर्ति अधिकारी व कर्मचारी एवं गैस वितरक उपस्थित रहे।

लाभार्थियों को उज्ज्वला योजना के चेक वितरितकिए गए।

- **लाभार्थियों की उपस्थिति में लखनऊ से सजीव प्रसारण**
- **कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव मौजूद रहीं**

दिवाली पर चिकित्सकों की छुट्टियां हुईं रद्द

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। दीपावली के त्योहार के मद्देनजर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी है।

दीपावली पर पटाखे चलाने के दौरान जलने या आंखों से संबंधित चोटों का खतरा रहता है। इसके अतिरिक्त, त्योहार के दौरान अधिक पकवान खाने से फूड प्वाइजनिंग के मामले भी बढ़ जाते हैं। इन्हीं संभावित समस्याओं से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष तैयारियां की हैं। सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि लोहिया अस्पताल और सभी सीएचसी-पीएचसी पर 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने जांच के सभी उपकरण सक्रिय रखने और मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। जले हुए मरीजों के उपचार के लिए बर्न वार्ड तैयार रखने, आंखों के इलाज और फूड प्वाइजनिंग के मामलों के लिए पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। त्योहार के दौरान डॉक्टरों, विशेषकर आंखों के डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को कोई अवकाश नहीं मिलेगा। उनकी ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाएगी। नोडल अधिकारियों को भ्रमण करने के निर्देश भी दिए।

कार्यालय नगर पंचायत सौरिख जनपद – कन्नौज।

पत्रांक :–570 / न.प. सौ / 2025–26 दिनांक–15/10/2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

डोर-टू-डोर सेग्रिगेशन के लिए ट्रेनिंग पार्टनर हेतु दर आमंत्रण सूचना

समस्त हितबद्ध पक्षकारो / व्यक्तियो / संस्थाओ / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सौरिख जनपद कन्नौज सीमान्तर्गत 11 वार्डो में विकेन्द्रीकरण अवधारणा के माध्यम से घर–घर सोर्स सेग्रिगेशन पर प्रशिक्षण तथा गीले व सूखे कूडे का विकेन्दीकरण अवधारणा के अनुसार प्रोसेसिंग कराये जाने हेतु ट्रेनिंग पार्टनर का चयन किया जाना है। जो नगर पंचायत सौरिख के समस्त आवासीय परिसरो में निवास करने वाले व्यक्तियो को सोर्स सेग्रिगेशन हेमु प्रशिक्षत करके फर्मो/व्यक्तियो/संस्थाओ से दिनांक– 23.10.2025 को अपरान्ह 02 बजे तक अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत सौरिख को सम्बोधित बन्द लिफाफो में अपनी दरें / प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते है, तथा उसी दिन सांय 04 बजे कार्यालय नगर पंचायत सौरिख में खोली जायेगी। कार्य से सम्बन्धित अन्य जानकारी एंव शर्ते अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सशर्त आवेदन / दरें स्वीकार नही की जायेगी। दरो/प्रस्ताव में किसी भी प्रकार की ओवर राइटिंग / कटिंग स्वीकार नहीं होगी। धन की उपलब्धता के अनुसार भुगतान सम्भव होगा। दरो को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित हैं दरे समान होने की स्थिति में अनुभवी फर्मे / व्यक्तियो / संस्थाओ को वरीयता दी जायेगी। विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत सौरिख कार्यालय में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सौरिख
जनपद – कन्नौज।

अध्यक्ष
नगर पंचायत सौरिख
जनपद – कन्नौज।

न्यूज ब्रीफ

एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई

इटावा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, लेखक, चिंतक और राष्ट्र के मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती के अवसर पर मदरसा अरबिया कुरानिया इटावा में शैक्षिक और वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों, छात्रों और अतिथियों द्वारा डॉ. एपीजे कलाम के जीवन, सेवाओं और विचारों पर विस्तृत चर्चा की गयी। मदरसे के प्रधानाचार्य मौलाना तारिक शम्सी ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम केवल एक वैज्ञानिक नहीं थे, बल्कि एक सुधारक, ईमानदार नेता और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका सम्पूर्ण जीवन हमें यह सिखाता है कि ज्ञान के साथ ईमान, नैतिकता और देशप्रेम अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अदनान, मुहम्मद अलफैज, मुहम्मद अनस, अबू दुजाना वक्कास, मुहम्मद मुअविज उवैद, मुहम्मद सलमान और मुहम्मद अबूजर अनीस ने भी डॉ. कलाम के जीवन के अनछुए पहलुओं और उनकी सेवाओं पर विचार प्रस्तुत किए।

नकली खोवा व पनीर की बड़ी खेप पकड़ी

जसवंतनगर। बलरई थाना क्षेत्र के लखेरा कुआं पुलिस चौकी पर बुधवार सुबह पुलिस ने अवैध खाद्य पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह के निर्देशन में ट्रेनी सीओ अभय कुमार वर्मा द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान दो ऑटो और दो मोटरसाइकिलों से खोवा और पनीर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि पकड़ा गया खोवा फरेरा बाह निवासी पप्पू का और पनीर अरमरा जट शिकोहाबाद निवासी शिशुपाल का है। दोनों बिना किसी वैध अनुमति के यह खाद्य सामग्री बिक्री के लिए ला रहे थे। इनके साथ लीलेन्द्र कुमार निवासी फरेरा बाह और अरविंद कुमार निवासी कचौरा घाट भी थे। सूचना पर पहुंचे खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त राजेश द्विवेदी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान करीब तीन क्विंटल खोवा और सवा दो क्विंटल पनीर बरामद किया गया। दोनों खाद्य पदार्थों के मौके पर ही नमूने भरकर जांच के लिए भेजे गए।

साइकिल से गिरकर दो छात्राएं घायल

जसवंतनगर। हाईवे पर मलाजनी के पास भरे कीचड़ में स्कूली छात्राओं निशा व संगम की साइकिल फिसलने से दोनों छात्राएं गिर गईं और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल हो गईं। दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतनगर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

सचिव पंचायत भवन में सुनेंगे समस्याएं

महेवा। स्थानीय विकास खंड महेवा की कुल 91 ग्राम पंचायतों में तैनात ग्राम विकास अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों को पंचायत भवनों में बैठने का रोस्टर खंड विकास अधिकारी की द्वारा जारी किया गया जिसमें दिन के हिसाब से निर्धारित समय पर पंचायत सचिव बैठकर जनहित के कार्यों को निपटाएंगे ताकि किसी ग्रामीण को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए ब्लॉक तक चक्कर न लगाना पड़े। एडीओ पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ने बताया कि गुरुवार का दिवस ब्लॉक में साप्ताहिक बैठक के लिए आरक्षित किया गया है जिसने साप्ताहिक समीक्षा की जायेगी।

गैस सिलेंडर की सब्सिडी की चेक पाकर महिलाओं के खिले चेहरे

विधायक सरिता भदौरिया व जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल रहे मौजूद

कार्यालय संवाददाता इटावा

लाभार्थियों को गैस सिलेंडर की सब्सिडी का चेक देतीं विधायक व डीएम।

अमृत विचार। दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1500 करोड़ की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण कार्यक्रम मुख्य अतिथि विधायक सदर सरिता भदौरिया एवं जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना एवं लाइव प्रसारण देखा गया।

सदर विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा सभी को दीपावली के त्योहार पर मुफ्त सिलेंडर दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगे लाभार्थी महिलाओं को उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एक भरा सिलेंडर, चूल्हा, पाइप व रेगुलेटर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना में राज्य सरकार द्वारा 559.58 रुपये एवं केन्द्र सरकार द्वारा 335.40 रुपये कुल सब्सिडी 894.98 रुपये के रूप में बैंक खाते में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला उद्योग केन्द्र पर ट्रेनिंग में महिलाएं अवश्य जाएं, वहां महिलाओं को सिलाई, बुनाई, हलवाई आदि अन्य सभी प्रकार की ट्रेनिंग दी जाती है एवं ट्रेनिंग में इस्तेमाल होने वाला सभी सामान भी दिया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि एक लाख 61 हजार लाभार्थियों को सरकार द्वारा योजना का लाभ प्राप्त कराया जा रहा है, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दो सिलेंडर प्रत्येक वर्ष होली व दीवाली के त्योहार पर मुख्यमंत्री द्वारा उपहार के रूप में दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ जनपद के पात्र लाभार्थियों को अवश्य मिले। सदर विधायक एवं जिलाधिकारी द्वारा 25 महिला लाभार्थियों को पांच सौ उनसठ रुपये अट्ठावन पैसा की चेक वितरित की गईं। उक्त अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी सीमा त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव, प्रभारी पूर्ति निरीक्षक आरफा खानम, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी प्रदीप त्रिपाठी सहित उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

डीबीए चुनाव के लिए पर्चों की बिक्री शुरू

इटावा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बुधवार को प्रथम दिन पर्चा बिक्री के शुरू हो गई है। मीडिया प्रभारी मनोज कुमार दीक्षित ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए 5 पर्चे, महामंत्री पद के लिए 3 पर्चे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए 4 पर्चे, मध्यम उपाध्यक्ष पद के लिए 1 पर्चा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के 2 पर्चे, कोषाध्यक्ष पद के लिए 2 पर्चे, संयुक्त मंत्री पद के लिए 5 पर्चे, वरिष्ठ सदस्य पद के लिए 3 पर्चे, कनिष्ठ सदस्य पद के लिए 3 पर्चे बिक्री हुए।

डीबीए कार्यालय में आज पर्चे बिक्री किए गए जिसमें एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन शांति स्वरूप पाठक के साथ सदस्य गण प्रेम शंकर शर्मा, रविन्द्र सिंह दुबे, रमाशंकर चौधरी, विशन चंद्र अग्रवाल मौजूद रहे। एल्डर्स कमेटी द्वारा सभी प्रत्याशीगणों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। साथ ही आपको बताते चलें कि कल 16 अक्टूबर 2025 दिन गुरुवार पर्चे बिक्री का अंतिम दिन है इसलिए आप सभी शेष प्रत्याशी समय से आएं और पर्चा पाएं।

नदी में कूड़ा, कपड़ा व सॉलिड वेस्ट न डालें

कार्यालय संवाददाता इटावा

- जिलाधिकारी ने लोगों से जागरूकता फैलाने को कहा

अमृत विचार। जिला गंगा समिति, वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति की बैठक जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला गंगा समिति के अंतर्गत जन जागरूकता, नदी तट विकास, वनीकरण, सीवरेज उपचार हेतु बुनियादी ढांचे का विकास, नदी में बहने वाले ठोस अपशिष्ट को रोकना, जैव विविधता, नदियों का पुनरुद्धार आदि पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत पूरे जनपद में घर घर से कूड़ा उठाकर एकत्रित किया जाए एवं एमआरएफ सेन्टर तक ले जाया जाए साथ ही लोगों को जागरूक किया जाए कि वह नदी में कूड़ा, कपड़ा व अन्य किसी भी प्रकार का सॉलिड वेस्ट आदि न फेंके। उन्होंने कहा कि मेले व भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बैनर लगाए जाएं जिससे लोगों में जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों को चिन्हित किया जाए जहां घाट का विकास किया जा सके। उन्होंने कहा कि पक्का तालाब पर बने एमआरएफ सेन्टर को सक्रिय कराया जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आरआरसी के संचालन की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरस्वती नर्सिंग होम के बायोमेडिकल वेस्ट को लेकर ध्यान दिया जाए एवं एक टीम बनाकर निरीक्षण किया जाए।

बैठक में जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक आयुषी सिंह, डीएफओ विकास नायक, जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, उप कृषि निदेशक आरएन सिंह, डीपीओ संजीव चौहान, जेआरएफ डॉ. संगीता आदि मौजूद रहीं।

छात्र-छात्राओं ने ली स्वच्छता की शपथ

छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाते अधिष्ठाता डॉ. एन के शर्मा। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता इटावा

- अधिष्ठाता डॉ. एन के शर्मा के नेतृत्व में हुआ आयोजन

अमृत विचार। कृषि इंजीनियरिंग कालेज में अधिष्ठाता डॉ. एन के शर्मा के नेतृत्व में नव प्रवेशित छात्रों का दीक्षारंभ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं को देशभक्ति, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक कौशल इत्यादि विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में बुधवार को अधिष्ठाता द्वारा परिसर की सामूहिक रूप से सफाई का कार्यक्रम जिसमें समस्त छात्राओं एवं शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्रों ने प्रतिभाग किया। अधिष्ठाता द्वारा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए अवगत कराया कि हम सभी लोग संकल्प लें कि इस परिसर की साफ सफाई रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए गंदगी करने वालों पर भी रोक लगाएंगे। परिसर में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ नियमित खेलकूद, योग एवं मेडिटेशन जैसे कार्यक्रम निरंतर अनिवार्य रूप चलाए जा रहे हैं एवं इन कार्यक्रमों में सहभागिता करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप इस परिसर में छात्रों के पंजीकरण की भी संख्या बढ़ती जा रही है।

कुलपति के निर्देशानुसार महाविद्यालय में दो नए तकनीकी पाठ्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी एवं डाटा साइंस प्रारंभ करने के दिशा में भी योजना बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान सत्र में लगभग 70 प्रतिशत प्रवेश हो चुके जबकि अभी काउंसिलिंग की प्रक्रिया चल रही है।

ईकरी में पुष्टाहार का किया गया वितरण

बकेवर। महेवा विकास खंड की ग्राम पंचायत विधीपुर के मजरा ईकरी में टीकाकरण और पुष्टाहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 10 बच्चों और 3 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पुष्टाहार भी बांटा गया।

एएनएम ममता कुशवाहा और आशा वेदवती ने बताया कि इस दौरान 10 बच्चों को टीके लगाए गए और उन्हें पैरासिटामोल की गोली दी गई। इसके अतिरिक्त, 3 गर्भवती महिलाओं का भी टीकाकरण किया गया। जिन्हें आयरन, जिंक, कैल्शियम की गोलियां और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री सुनीता देवी और सहायिका ने आंगनवाड़ी केंद्र पर 35 बच्चों को दलिया, मूंग दाल, खिचड़ी और मिक्स पुष्टाहार वितरित किया। उन्होंने बताया कि 5 गर्भवती महिलाओं को भी पुष्टाहार दिया गया।

मनीष चतुर्वेदी अध्यक्ष और अनूप कांत यादव मंत्री निर्वाचित

कार्यालय संवाददाता इटावा

निर्वाचित अध्यक्ष के साथ अन्य कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार। शाखा सिंचाई संघ भोगनीपुर प्रखंड निचली गंगा नहर का द्विवार्षिक अधिवेशन/ चुनाव सिंचाई संघ कार्यालय झील कॉलोनी भोगनीपुर प्रखंड पर संपन्न हुआ। चुनाव कार्यवाही प्रदेश अध्यक्ष संजय यादव एवं प्रदेश महामंत्री विवेक चतुर्वेदी की देखरेख में चुनाव अधिकारी लाल सिंह द्वारा सम्पन्न कराई गई। बैठक का संचालन प्रदीप कुमार सक्सेना संरक्षक सिंचाई संघ द्वारा किया गया। इसमें मनीष चतुर्वेदी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

- सिचाई संघ भोगनीपुर शाखा का चुनाव हुआ संपन्न

चुनाव प्रक्रिया निर्विरोध संपन्न हुई, जिसमें मनीष चतुर्वेदी अध्यक्ष, अनूप कांत यादव मंत्री एवं संप्रेक्षक हंकेश कटियार निर्वाचित हुए। चुनाव में दिलीप मिश्रा संरक्षक, रामवीर सिंह यादव संरक्षक सिंचाई संघ, डॉक्टर शैलेंद्र यादव पूर्व अध्यक्ष, पवन श्रीवास्तव महामंत्री, राजीव चतुर्वेदी, रामतेज यादव अध्यक्ष नलकूप, वेद प्रकाश मिश्रा, अखिलेश कुमार मंत्री, रामकुमार शाक्य अध्यक्ष, सुदीप कमल मंत्री, घनश्याम सिंह, सुरेश कुमार अध्यक्ष, संजीव कुमार, अजय कुमार, शेष कुमार मंडल अध्यक्ष, नरेंद्र सिंह सेंगर, आशीष सेंगर, सुनील कुमार, देवेंद्र कुमार, अरविंद राजपूत, मोहित कुमार, मुकेश कुमार, सिमलेश कुमार, अविनाश दुबे, आशीष शुक्ला, कमलेश कुमार, अनुज कुमार, सुनील कुमार, धर्मपाल, सिद्ध गोपाल, आनंद कुमार, शशिकांत चतुर्वेदी, चंद्र कुमार, उमेश कुमार, संजीव कुमार, आशाराम, उमेश कुमार अध्यक्ष उपस्थित रहे।

मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता इटावा

- पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में हुआ आयोजन

अमृत विचार। पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में भारतीय परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति रुचि जागृत करना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का संचालन कला विभाग द्वारा किया गया, जिसमें विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का अवलोकन विद्यालय के निदेशक, प्रधानाचार्य तथा डीटीसी डॉ. कैलाश यादव ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित कलात्मकता और रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों की प्रतिभा को निखारती हैं बल्कि उन्हें हमारी परंपरागत कला से भी जोड़ती हैं। डॉ. यादव ने प्रतिभागियों को मेहनत, समर्पण और सृजनशीलता के लिए प्रोत्साहित किया तथा विद्यालय परिवार की ओर से सभी को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों से मेहंदी सजाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। सुंदरता, रचनात्मकता, सटीकता और प्रस्तुति के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी।

लंबित विकास कार्य जल्द पूर्ण करें : सीडीओ

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

प्रधानों व सचिवों की बैठक लेते सीडीओ। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास खण्ड सभागार में ग्राम पंचायतों के विभिन्न ग्राम प्रधानों एवं सचिवों के साथ सीडीओ अजय गौतम ने ग्राम पंचायतों के सर्वांगीण विकास एवं ग्रामों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी उदयवीर दुबे ने की। ग्राम प्रधानों द्वारा ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी, चिल्ड्रेन पार्क, ओपन जिम तथा खेल मैदानों का निर्माण कराने की अपेक्षा व्यक्त की गयी।

सीडीओ ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित ग्राम पंचायतों में भूमि की उपलब्धता के संबंध में उपजिलाधिकारी से संपर्क स्थापित करते हुए नियमानुसार प्रस्ताव की कार्यवाही पूर्ण कर निर्माण कार्य सुनिश्चित करायें। गौशालाओं में रोपित वृक्षों की देखरेख की जाये,

- सीडीओ ने प्रधानों व सचिवों को दिये दिशा-निर्देश

तथा ट्री-गार्ड उचित ऊँचाई से निर्मित कराये जायें ताकि गोवंश वृक्षों को क्षति न पहुँचा सकें। प्रत्येक गौशाला में हरा चारा, चारा काटने की मशीन, कैमरा व्यवस्था, ई-रिक्शा द्वारा चारा ढोने की सुविधा तथा कैशबुक में आय-व्यय विवरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। मनरेगा से सड़कों की झाड़ियों की कटान कराई जाये तथा निर्माणाधीन खेल मैदान, लाइब्रेरी एवं पार्क का निर्माण एक माह के भीतर पूर्ण कराया जाये। चयनित हाट-बाजारों का निर्माण कार्य पूर्ण कर संचालित किया जाये।

बैठक में बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, सहभागिता योजना, फैमिली आईडी एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मानसिक रूप से परेशान महिला ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। मानसिक रूप से परेशान अध्यापक की 42वर्षीय पत्नी ने घर के अंदर जाल में रस्सी बांधकर फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। पति की सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

कस्बा लखना के रेंज कोठी के पास निवासी धर्मपाल सिंह ब्लाक चकरनगर में सरकारी विद्यालय में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष उनके 16 वर्षीय बेटे की अचानक मौत हो गई थी। तभी से पत्नी मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। मंगलवार की शाम उसकी 17वर्षीय बेटी छाया लखना में ही ट्यूशन पढ़ने गयी हुई थी। वहीं 20 वर्षीय बेटा शुभ उसे शाम को लेने गया था। पत्नी गोल्डी घर में अकेली रह गयी और उसने घर के अंदर से दरवाजे की कुन्डी बंद करके आंगन में पड़े लोहे के जाल में रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली, जब बेटा छाया को ट्यूशन से लेकर वापस घर लौटा तो अपनी मां को खोलने के लिए आवाज लगाई, जब दरवाजा नहीं खुला तो बेटी और बेटा शोर मचाने लगे। पास पड़ोस के लोग मौके पर आ गये और दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गये तो पत्नी फांसी के फंदे पर लटक रही थी।

सूचना पर थानाध्यक्ष बकेवर विपिन मलिक पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को बताकर मृतक महिला का शव फांसी के फंदे से उतरवाकर फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने नमूने एकत्रित किये।

खेल के मैदान से

माध्यमिक स्कूलों की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भरथना के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

आशीष कुमार और निधि बनीं चैंपियन

संवाददाता महेवा इटावा

चैम्पियनशिप ट्राफी प्राप्त करते विजेता आशीष कुमार। अमृत विचार

अमृत विचार। लोक मान्य रूरल इंटर कालेज के खेल प्रांगण में चल रही जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का मंगलवार को देर शाम समापन हो गया। कुल 31 प्रकार की खेल विधाएं खेल शिक्षकों द्वारा आयोजित कराई गईं। चैंपियन शिप में भरथना तहसील के प्रतिभागियों का दबदबा रहा तथा दूसरे नंबर पर जसवंतनगर तहसील रही। छात्र आशीष कुमार तथा छात्रा निधि ने तीन खेल विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर व्यक्तिगत चैंपियनशिप प्राप्त की वहीं कुल आठ छात्र छात्राओं ने व्यक्तिगत चैंपियनशिप प्राप्त की।

खेलों का समापन करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में कालेज के प्रबंधक संजय दुबे ने कहा कि खेल में जीतना ही बहुत बड़ी बात नहीं है बल्कि खेल में भाग लेना बहुत बड़ी बात है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कालेज प्रबंध समिति के उपसचिव राजू दुबे, प्रबंध समिति के सदस्य कृष्ण कांत चतुर्वेदी, जवाहर इंटर कालेज के प्रबंधक डॉ सर्वेश चतुर्वेदी, जिला क्रीड़ा सचिव हिमांशु यादव का प्रधानाचार्य / संयोजक डॉ शिव शंकर त्रिपाठी ने माल्यार्पण कर, अंगवस्त्र भेंटकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया।

जिला क्रीड़ा सचिव हिमांशु यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में 480 प्रतिभागी शामिल हुए थे जिनमें कुल 320 प्रतिभागियों ने दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक आदि कुल 31 इवेंट्स में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया जिसमें भरथना तहसील के चार, जसवंतनगर के तीन तथा

- लोकमान्य रूरल इंटर कालेज में हो रहा था प्रतियोगिता का आयोजन

इटावा की एक प्रतिभागी ने चैंपियन शिप प्राप्त की। भरथना तहसील में लोकमान्य रूरल इंटर कालेज महेवा के आशीष कुमार, निधि यादव, एस एवं बी भरथना के पीयूष कुमार, सालिगपुरा के सोनू यादव, जसवंतनगर तहसील के सुधर सिंह इंटर कॉलेज के अनूप कुमार, हिन्दू विद्यालय की कविता एवं रुखसत तथा इटावा तहसील के चित्रगुप्त इंटर कालेज की प्रिया सागर ने चैंपियन शिप प्राप्त की। प्रतियोगिता को सफलता पूर्वक संपंन कराने में कालेज के स्टाफ डॉ लवकुश जाटवानी, मंजुलता, प्रताप तिवारी, अनुराग पाल, हेमचंद, मुकेश, शिवशंकर यादव, आयुषी, गीता, शरद चंद्र, कुमकुम पांडे, मनोज कुमार, संजय कुमार आदि रहे।

आगरा स्नातक चुनाव के कोऑर्डिनेटर बने वाचस्पति द्विवेदी

इटावा। आगरा स्नातक चुनाव के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय राय ने जनपद के प्रवक्ता वाचस्पति द्विवेदी को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। चुनाव का कोऑर्डिनेटर बनने पर वाचस्पति द्विवेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक के चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने दम पर पूरे प्रदेश में लड़ेगी एवं समस्त उत्तर प्रदेश के जिलों में वोट बनाने का कार्य चल रहा है, जिसमें पार्टी के लोग बढ़चढ़ के हिस्सा ले रहे हैं एवं आगरा स्नातक चुनाव में पार्टी ने रघुराज सिंह पाल को कैंडिडेट बनाया है। वाचस्पति द्विवेदी के कोऑर्डिनेटर बनने पर जिला अध्यक्ष मो. राशिद खान, मलखान सिंह यादव, पल्लव दुबे, सतीश नागर, अंबुज त्रिपाठी, अनुराग करण ने बधाई दी।

बच्चों ने मनाया 'ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे'

कार्यालय संवाददाता इटावा

कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टर छात्र-छात्राएं व स्टाफ। अमृत विचार

अमृत विचार। सुदिति ग्लोबल एकेडमी में 'ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे' के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सैफई मेडिकल कॉलेज में डिपार्टमेंट ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी फैकल्टी ऑफ़ मेडिसिन से आए डॉ. विश्वनाथ, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जागृति एवं डॉ. दीपिका उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल कुमार ने सभी का स्वागत बुके भेंट कर किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. विश्वनाथ ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि हाथ धोना स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कोविड-19 जैसी बीमारियों की रोकथाम में स्वच्छता की भूमिका पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक करने का आह्वान किया। डॉ. दीपक कुमार ने छात्रों को हाथ धोने की सही विधि और गंदे हाथों से होने वाली बीमारियों जैसे टायफाइड जो कि हाथों के माध्यम से हमारी इंस्टेटाइन तक शीघ्रता से प्रभावित करता है, आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि "स्वच्छ हाथ, स्वस्थ जीवन" का मंत्र अपनाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। डॉ. जागृति एवं डॉ. दीपिका ने क्रमबद्ध बिंदुओं के माध्यम से हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सीनियर गर्ल्स विंग एवं ब्वॉयज विंग से लगभग 700 से अधिक छात्र/छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के सीनियर कोऑर्डिनेटर मसूद अहमद, बॉयस विंग, संदीप मौर्य, गर्ल्स विंग एच एम सिपल त्रिपाठी, तथा विद्यालय की साइंस क्लब कोऑर्डिनेटर सीमा यादव सहित अन्य समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।

- सुदिति ग्लोबल एकेडमी में आयोजित किया गया कार्यक्रम

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

औरैया

न्यूज ब्रीफ

तुलसी विवाह दो नवंबर को

औरैया। महिला शाखा तुलसी सखी ग्रुप की बैठक शाखा की अध्यक्ष लक्ष्मी बिश्नोई की अध्यक्षता में बुधवार को क्रॉनिक एकेडमी में संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से वार्षिक कार्यक्रम तुलसी विवाह के आयोजन को धूमधाम से मनाने पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि तुलसी विवाह का वैवाहिक आयोजन दो नवंबर को प्रातः 10 बजे से श्री पोरवाल धर्मशाला होमगंज, औरैया में संपन्न होगा। जबकि तुलसी मैया की पर पुजाई 12.30 बजे से प्रारंभ होगी। उन्होंने धार्मिक विचारधारा की माताओं बहनों से उपरोक्त धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने की अपील की हैं, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष एकता गुप्ता, दामिनी गुप्ता, महिमा अग्रवाल, मंगला शुक्ला, काजल पोरवाल मौजूद रहीं।

तीन घंटे की देरी से पहुंची ऊंचाहार एक्सप्रेस

कंचौसी, औरैया। पीछे के स्टेशनों में हो रहे ट्रैक दुरुस्तीकरण कार्य के चलते दिल्ली-हावड़ा रूट पर ट्रेनें देर से दौड़ीं। बुधवार को ऊंचाहार एक्सप्रेस तीन घंटे और फरक्का एक्सप्रेस डेढ़ घंटे की देरी से आई। ऐसे में ट्रेन के लिए यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। आए दिन ट्रेन लेट होने से यात्रियों को प्राइवेट वाहनों से गंतव्य की ओर जाना पड़ रहा है जिससे जेब पर अधिक मार पड़ रही है। वहीं ट्रेन लेट होने से कानपुर, रूरा, उन्नाव, फतेहपुर, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा। निर्धारित समय सुबह चार बजे के स्थान पर ट्रेन सुबह सात बजे कंचौसी स्टेशन पहुंची। वहीं, भटिंडा से चलकर बालुरघाट जाने वाली फरक्का एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से डेढ़ घंटे देर से पहुंची।

अयाना में छात्राओं को किया गया जागरूक

अयाना। मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत बुधवार को जसवंतपुर स्थित पीबीआरपी इंटर कॉलेज की छात्राओं को जागरूक किया गया। अयाना थाना के एसआई शिवप्रसाद, एसआई राजानाती, महिला सिपाही नीलम, नीरज व सिपाही दिलीप ने संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि प्रत्येक थाने पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किया गया है जहां पर जाकर कोई भी छात्रा, महिला अपनी समस्याओं को सुगमता से महिला कर्मी को बता सकेगी। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

सरकार योजनाओं के माध्यम से किसानों को कर रही प्रोत्साहित

पूर्व राज्यमंत्री बोले, श्रीअन्न का उत्पादन करने पर किसानों की आय में होगी बढ़ोतरी

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने लोक भवन लखनऊ के सभागार से प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत 1500 करोड रूपये की धनराशि से 01 करोड 86 लाख पात्र परिवारों को निःशुल्क गैस सिलेन्डर की रीफिल सब्सिडी वितरितकी। इसका सजीव प्रसारण नुमाइश मैदान में जनप्रतिनिधियों व आमजन ने देखा व सुना।

इस अवसर पर 1.5 सैकडा पात्र लाभार्थियों को राज्यमंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार/जनपद प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल सिंह दोहरे, भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया, पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत द्वारा सब्सिडी के डेमो चेक व दीपावली गिफ्ट और प्रधानमंत्री खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अन्तर्गत गुलाब सिंह को सोलर आटा चक्की हेतु तथा रीना देवी को सरसों आयल उद्योग हेतु अनुदान धनराशि के डेमों चेक प्रदान किये गये। पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि। अमृत विचार

- **श्री अन्न के उपभोग से कर सकते हैं असाध्य रोगों से बचाव**

उक्त के उपरान्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना अन्तर्गत श्री अन्न महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें उ.प्र. मिलेटस पुनरोद्वार कार्यक्रम श्रीअन्न योजना के अन्तर्गत मिलेट्स रेसीपी विकास एवं उपभोक्ताओं को उनके लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष कमल सिंह दोहरे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार की सोच है कि महिलाओं को सम्मान के साथ-साथ देश की संस्कृति को संरक्षित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री पहले ही देश के नागरिको को जीएसटी 2.0 के माध्यम से दीपावली का तोहफा दे चुके हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार की महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच का परिणाम है कि आज उज्जवला योजना के पात्र लाभार्थियों को दो सिलेण्डर पर मुफ्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा इज्जतघर के माध्यम से महिलाओं को सम्मान दिलाने का काम कर रही है। प्रदेश के प्रत्येक घर को विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनायें भी चला रही है। पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण व उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों में जनपद स्तरीय विशेष स्वदेशी मेले का आयोजन कराया जा रहा है। हम सभी प्रण लें कि दीपावली के शुभ अवसर पर अधिकाधिक स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें तथा उपहार में भी स्वदेशी वस्तुओं को भेट करें। पूर्व भाजपा प्रत्याशी बिधूना रिया शाक्य ने कहा कि इस स्वदेशी मेले के माध्यम से हम अपनी पूर्व संस्कृति व विरासत को पुनः अपना रहें हैं। उन्होने कहा कि वर्ष 2014 से पहले महिलाएं जब अपने रसोई घर में चूल्हे पर खाना बनाती थीं तब उसके धुएं से उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडता था। इसीलिए देश के प्रधानमंत्री ने उज्जवला योजना के माध्यम से उन्हें धुएं से बचाने के लिए गैस सिलेण्डर देकर उनके स्वास्थ्य के प्रति अपनी सजगता व्यक्त की है। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, जिला कृषि अधिकारी शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त यादव आदि लोग मौजूद रहे।

बच्चों को लेकर जा रही वैन पलटी बड़ा हादसा बचा

फफूंद, औरैया। नगर के एक स्कूल से छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर जा रही एक वैन पिछला पहिया निकलने से पलट गई। बच्चों की चीखपुकार सुनकर ग्रामीण दौड़ पड़े और वैन को सीधा करके उसमें फंसे बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही किसी बच्चे को चोट नहीं आई।

कस्बे के एक निजी विद्यालय की एक वैन बुधवार को छुट्टी होने के बाद बच्चों को छोड़ने जा रही थी। फफूंद बाबरपुर मार्ग पर केशमपुर बंबा के नजदीक पहुंचते ही वैन का पिछला पहिया निकल गया और लहराती हुई सड़क पर ही पलट गई। वैन में बैठे बच्चे चीख पुकार मचाने लगे। आवाजे सुन नजदीकी गांव केशमपुर के ग्रामीण सर्वेश अनुरागी अश्वनी कुमार, कैलाश, रणधीर सिंह, कल्लू, अंकित राजपूत वहां पहुंच गए और वैन को सीधा करके बच्चों को बाहर निकाला। इसी बीच वैन चालक मौके से भाग निकला। गनीमत रही कि किसी बच्चे को चोट नहीं आई। जानकारी पर पुलिस और बच्चों के अभिभावक भी पहुंच गए और अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर चैन की सांस ली। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि स्कूल संचालक बच्चों को लाने ले जाने के नाम पर हर माह महंगा चार्ज लेते हैं। लेकिन पुराने वाहनों को लगा रखा है।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों की भीड़। अमृत विचार

नोएडा से लौटी युवती ने फंदा लगा दी जान

संवाददाता, अयाना, औरैया

- **आत्महत्या का कारण नहीं हो सका स्पष्ट**
- **पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की**

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के मानपुर में बुधवार दोपहर एक युवती ने कमरे में पंखे पर दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। वह मंगलवार को मां व भाई के साथ नोएडा से घर लौटी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल पर छानबीन की है।

मानपुर निवासी सर्वेश कुमार जयपुर की एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनके बेटे रुस्तम ने बताया कि वह, बहन संजना (22), मां तारावती व भाई अंश के साथ नोएडा में रह रहे थे। वह व बहन एक चार्जर बनाने वाली कंपनी में काम करते थे। दीपावली त्योहार के चलते वह, मां व छोटा भाई रविवार को घर लौटे थे। जबकि बहन संजना मंगलवार को घर आई थी। बुधवार दोपहर को मां व छोटा भाई मुरादगंज बाजार करने गए थे। जबकि वह गांव में ही दोस्तों से मिलने गया था, बहन घर पर अकेली थी। दोपहर साढ़े तीन बजे मां घर लौटीं तो उन्हें बहन का शव फंदे पर मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट व परिजन की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय शिवूपुर में बंद पड़ा शौचालय

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। विकासखंड भाग्यनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत फूटा ताल के प्राथमिक विद्यालय शिवूपुर की स्थिति बेहद खराब है। विद्यालय की रसोई में ताला लटका हुआ है, शौचालय बंद हैं और उसकी टोटियां टूटी पड़ी हैं।

जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर को जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी का चौपाल कार्यक्रम इसी विद्यालय में निर्धारित था, लेकिन उनके न आने के बाद से विद्यालय में कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। प्रधानाध्यापिका शशिकला ने बताया कि विद्यालय के अंदर बड़े-बड़े लड़के आकर वॉलीबॉल खेलते हैं। बाहरी लोगों की वजह से विद्यालय की संपत्ति को नुकसान होता है। विद्यालय परिसर में गंदगी और बंद शौचालय के कारण बच्चों में बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

बंद पड़ा शौचालय। अमृत विचार

वितरित किये गाय के गोबर व मिट्टी के दीये

औरैया। समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की महिला शाखा तुलसी सखी ग्रुप द्वारा दीपावली पर्व के अंतर्गत बुधवार को मोहल्ला होमगंज, परिहार टोला, फूलगंज व दिबियापुर रोड के समीप ठिलिया खोमचा वाले छोटे दुकानदार भाइयों, सब्जी विक्रेताओं, राहगीरों, महिलाओं आदि लोगों को गाय के गोबर व मिट्टी से निर्मित दीयों का निःशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम के अंतर्गत शाखा की अध्यक्ष लक्ष्मी बिश्नोई ने बताया कि गोबर के दीयों की शुद्धता व जगमगाहट से लक्ष्मी मैया प्रसन्न होती हैं जबकि गोबर के दियों की रोशनी से घरों में सुख समृद्धि, निरोगी काया, धन, यश-वैभव की व नई ऊर्जा का संचार होता है।

श्री जेपी इंटरनेशनल स्कूल में हुई क्रिकेट प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। बुधवार को शहर के मोहल्ला गोविंद नगर स्थित श्री जेपी इंटरनेशनल स्कूल में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि अमरचंद ने फीता काटकर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा छोटे-छोटे आयोजनों से बच्चों के अन्दर छिपी प्रतिभाएं सामने आती हैं, विद्यालय समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करवाते रहें। इस मौके पर विद्यालय के मैनेजर अमित कुमार अग्रवाल, डायरेक्टर ओम नारायण चतुर्वेदी एवं प्रधानाचार्य शिवा पांडे, धनंजय श्रीवास्तव जितेंद्र सिंह मौजूद रहे।

यह प्रतियोगिता कक्षा नौ 'ब' के छात्र तथा कक्षा दस 'ब' के छात्रों के मध्य हुई। जिसमें कक्षा 9 ब के छात्रों ने 113 रन बनाए और कक्षा 10 ब के छात्रों ने 122 रन बनाकर जीत का परचम लहराया। कक्षा 10 ब के छात्र आर्यन पाठक जिन्होंने 94 रन बनाए मैन ऑफ द मैच घोषित किए गए। कक्षा 9 के छात्र प्रिंस कमल ने भी 74 रन बनाकर अपना एक विशेष स्थान बनाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवा पांडे ने कक्षा 10 ब के छात्रों को शील्ड देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में प्रियंका पुरवार, राधा रानी, सुप्रिया तिवारी, श्रेया चौहान, सोनम चतुर्वेदी, अदीबा नाज, अश्वनी, गुंजन पोरवाल, पल्लवी, शालिनी, साक्षी पाल, अर्चना गुप्ता, अनुराग तिवारी, विवेक शुक्ला, आशीष राजपूत, श्याम त्रिपाठी, शिवानी यादव, रिचा शुक्ला, धनंजय श्रीवास्तव, ज्योति तिवारी, आरएल पाल, शिवम दीक्षित, जितेंद्र सिंह, अंकित श्रीवास्तव, अमित प्रताप सिंह, सत्यम चतुर्वेदी, विनीता चंद्रा, नीलम, आराधना, प्रियंका त्रिपाठी, लक्ष्मी, अंबुज, आर्यन आशुतोष, अंबरीश, बुशरा सिद्दीकी, उर्मिला आदि शिक्षक -शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

खुशी मनाती विजेता टीम। अमृत विचार

- **आर्यन 94 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच घोषित**

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भंडारे का हुआ आयोजन

संवाददाता, बिधूना, औरैया

अमृत विचार। मंगलवार को श्रीमद् भागवत कथा एवं रात्रि के समय राम कथा के समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर कमल सिंह दोहरे जिला पंचायत अध्यक्ष, नीरज चौधरी, अभय सेंगर, नीरज चौहान, अंबुज सिंह, आलोक सिंह, नीरज यादव, सतीश गोयल, विशेश्वर दयाल तिवारी, अतुल आक्रोश, गौरी शंकर शाक्य, हरीश यादव, धनीराम वर्मा, अवनीश भदौरिया आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री राम सेवा समिति के सभी सदस्यों एवं श्री प्रकाश अग्निहोत्री, विशेश्वर दयाल तिवारी आदि का समाज सेवा समिति के प्रबंधक अजय अग्निहोत्री द्वारा अंगवस्त्र एवं माला पहना कर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी अंकुर दीक्षित, धीरू त्रिवेदी, आदि मौजूद रहे।

अतिथियों का स्वागत करते कमेटी के पदाधिकारी। अमृत विचार

मिशन शक्ति के बारे में किया गया जागरुक

संवाददाता, बिधूना, औरैया

अमृत विचार। बुधवार को प्रभारी निरीक्षक बिधूना द्वारा विकास खंड क्षेत्र ऐरवाकटरा की ग्राम पंचायत सहसपुर में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और हेल्प लाइन नम्बर जैसे 1076, 1090, 181, 102, 1098 और साइबर हेल्प लाइन नम्बर 1930 आदि के बारे मे जानकारी दी गई।

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का संकोच न करें और असुरक्षित महसूस होने पर अपने स्वजनों को

मिशन शक्ति के बारे में जानकारी देते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

जानकारी दी ताकि समय से कानूनी सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि अन्याय करने से अन्याय सहना भी गलत है। उन्होंने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। इसमौके पर कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षक स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया पूर्व राष्ट्रपति का जन्मदिन

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। बीआरसी भाग्यनगर में चल रहे सातवें बैच के एफएलएन प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में शिक्षकों को बुनियादी संख्यात्मकता व नए सत्र में शिक्षण कार्य की रणनीति व बच्चों को कराए जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा हुई। प्रशिक्षण में डायट प्राचार्य गंगा सिंह राजपूत भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों पूर्व राष्ट्रपति व वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन को मनाया और प्रशिक्षण पर चर्चा की।

ब्लाक संसाधन केंद्र में चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण में डायट प्राचार्य ने शिक्षकों के दायित्व पर चर्चा करने के साथ पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिवस केक काटकर मनाया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी समाज में अहम है। सभी शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने विद्यालय को निपुण बनाएं। बच्चों को विभिन्न टीएलएम व गतिविधियों के माध्यम से सिखाएं।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

आयोजन | भगवा रंग में रंगा पूरा कस्बा, गूंजे राष्ट्रभक्ति के नारे

आरएसएस का शताब्दी वर्ष धूमधाम से मनाया गया

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को कस्बे में शताब्दी वर्ष का आयोजन बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। पूरा नगर भगवा रंग में रंगा नजर आया। चौराहों व तिराहों पर भगवा ध्वज लहराए गए, वहीं जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाखा स्थल पर प्रार्थना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद भव्य पथ संचलन निकाला गया, जो स्टेशन रोड गेस्ट हाउस से शुरू होकर नहर बाजार, हनुमान मंदिर, सराय बाजार और हरीगंज बाजार होते हुए आदर्श चौराहे से होकर व्लाक चौराहे होते हुए गेस्ट हाउस पर संपन्न हुआ। अनुशासित पंक्तियों में चलते स्वयंसेवकों ने संगठन की एकता और शक्ति का परिचय दिया।

पथ संचलन में शामिल लोग। अमृत विचार

प्रवक्ता प्रदीप ने कहा कि संघ ने बीते सौ वर्षों में समाज में सेवा, संगठन और राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त किया है। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। सीओ सदर अशोक कुमार और थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा स्वयं मौके पर मौजूद रहे। पुलिस बल ने पूरे मार्ग पर सुरक्षा की कमान संभाली, जबकि एलआईयू प्रभारी दीपक शर्मा ने निगरानी रखी। बिजली विभाग के मेक सिंह और प्रवीण ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

अंत में "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के जयघोषों से पूरा कस्बा गूंज उठा। मंडल मंत्री सम्राट श्रीवास्तव ने बुलडोजर से पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर दीपक सेंगर, आक्रोश दोहरे, बाबू चक्रवाती और विशाल दोहरे, राजेश पोरवाल पूर्व चेयरमैन, अमित, अवनीश ठाकुर, शिवेंद्र प्रताप सिंह, हिमांशु पोरवाल, बीपी. ठाकुर, श्यामू शुक्ला, कपिल तिवारी, अतुल ठाकुर, रज्जन सविता, योगेश मिश्रा, भुवनेश त्रिपाठी, आलोक पोरवाल, अभिषेक तिवारी, गौरव श्रीवास्तव, भंवर पाल, जय सिंह, सुदेश, रजत गुप्ता, गिर्राज पोरवाल सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए।

बिजली बिल वसूली को चलाया अभियान

संवाददाता, अछल्दा, औरैया

अमृत विचार। कस्बे में बुधवार को बिजली विभाग की टीम बिल वसूली अभियान के लिए पहुंची। इस दौरान एसडीओ संजय निरंजन और जेई भी मौजूद थे। हालांकि, यह अभियान बिल वसूली से अधिक उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने में बदल गया, क्योंकि लोगों ने बिजली संबंधी समस्याओं की झड़ी लगा दी।

हरीगंज बाजार में एसडीओ संजय निरंजन और जेई ने उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल जमा करने का आग्रह किया। इस पर कई उपभोक्ताओं ने अत्यधिक बिल आने की शिकायत की। इसके साथ ही, लोगों ने बाजार में लंबे समय से टूटे पड़े बिजली के खंभे को हटाने की भी मांग की, जिसे वे हादसे का कारण मान रहे थे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि टूटा हुआ खंभा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है, लेकिन विभाग ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है। उपभोक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कटिया कनेक्शनों के कारण होने वाली बिजली कटौती की समस्या भी उठाई और कहा कि विभाग के अधिकारी गांवों में निरीक्षण के लिए नहीं जाते। शिकायतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया और आगे बढ़ गए। स्थानीय नागरिकों ने विभाग से केवल वसूली पर ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर भी ध्यान देने की अपील की।

चेकिंग अभियान के दौरान मौजूद बिजली विभाग के अधिकारी। अमृत विचार

- **अछल्दा में बुधवार को बिजली विभाग की टीम बिल वसूली अभियान के लिए पहुंची**

नगर पालिका अध्यक्ष ने देखी वार्ड की व्यवस्था

औरैया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने चाय पे चर्चा के अभियान के तहत बुधवार को वार्ड नंबर सात नारायनपुर दक्षिणी का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, घास कटिंग और एंटी लार्वा छिड़काव कार्यों की प्रगति देखी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिदिन एक हफ्ते से लगातार वार्डो का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं।

अध्यक्ष ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सफाई व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया। वार्डवासियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और दीपावली पर्व की बधाई दी और समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मां-बेटे पर कुल्हाड़ी से किया हमला, रिपोर्ट

बिवांर। थाना क्षेत्र के चमरखन्ना गांव की रामदेवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि पड़ोसी श्रीपत व उसके पुत्र महेश से खेत की जुताई की बात कहने पर नाराज हो गए। दोनों ने कुल्हाड़ी-डंडा लेकर घर में घुसे और अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर घायल कर दिया। पुत्र रवि पर कुल्हाड़ी से वार कर घायल कर दिया। 112 नंबर पुलिस को देख आरोपी भाग गए। पुलिस ने घायल महिला व उसके पुत्र का छानी सीएचसी में मेडिकल कराया। पुलिस ने श्रीपत, महेश का चालान कर दिया।

चार युवकों को दबोच पुलिस के सुपुर्द किया

बिवांर। सुमेरपुर क्षेत्र के इंगोहटा गांव के बबलू, सबलू, राजकुमार व अनुज कंजड़ बुधवार सुबह भरसवां गांव में दीवार फांदकर घर में घुस गए। एक किशोरी ने शोर मचाया तो परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से चारों को पकड़ लिया। यूपी 112 पुलिस चारों को हिरासत में लेकर थाना ले आई। थाने में युवकों ने बताया कि विषखापर पकड़ने के लिए मकान के अंदर कूदे थे। एसआई विजय बहादुर ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

बिवांर। महोबा के खन्ना क्षेत्र के छिरका निवासी कालीचरन प्रजापति ने तहरीर देकर बताया कि पुत्री भागवती की शादी 8 साल पहले क्षेत्र के रतौली गांव के सुखदेव के साथ की थी। दामाद शराब पीने, जुआं खेलने का आदी है। मंगलवार को बेटी के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। जानकारी मिलने पर वह बेटे के साथ पहुंचे तो दामाद अभद्रता करने लगा। 112 नंबर पर सूचना के बाद पुलिस थाने ले आई। एसआई रवीन्द्र कुमार ने प्रताड़ित करने में चालान कर दिया।

शराब के लिए रुपये न देने पर पत्नी को पीटा

राठ। सिकंदरपुरा की क्रांति ने बताया कि उसका पति प्रदीप शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। वह एक दाल मिल में मजदूरी कर बच्चों का गुजारा करती है। बुधवार को पति दाल मिल पहुंचा और शराब पीने के लिए रुपये मांगने लगा। जब उसने रुपये देने से मना किया तो मारपीट करने लगा। कोतवाल ने बताया जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

रंजिश को लेकर परिवार को पीटा

मौदहा। बिवांर थाना क्षेत्र के उमरी गांव के बच्चा प्रजापति ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 12 अक्टूबर की रात गांव के धर्मपाल, किशोर, वीरेंद्र व राहुल ने उसे घेर लिया था। उसने अपने परिजनों को बुला लिया और उनके साथ घर आ गया। इसके बाद उन लोगों ने लाठी-डंडा लेकर हमला कर उसे और घर की महिलाओं को बेरहमी से पीटा। तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्नातक मतदाता के लिए करें आवेदन

हमीरपुर। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक विमल कुमार दुबे ने विज्ञप्ति में बताया कि मतदाता बनने के लिए प्रारूप 18 में आवेदन कर सकते हैं। 6 नवंबर तक पदभिहित स्थलों, तहसील या जिला निर्वाचन कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

कृषि यंत्रों के लिए 29 तक करें आवेदन

हमीरपुर। कृषि यंत्रीकरण योजना में फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर, हाईटैक हब फॉर कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन, फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्र एवं अन्य यंत्रों की बुकिंग विभागीय पोर्टल पर 29 अक्टूबर तक की जाएगी। जो किसान बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें पुन: आवेदन करने की आवश्यकता नही है। यह जानकारी उप कृषि निदेशक ने दी।

किसान दिवस में खाद बीज का मामला उठा

कुरारा। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें खाद बीज का मुद्दा छाया रहा। केवीके अध्यक्ष डॉ.राजीव कुमार सिंह की मौजूदगी में सरसई के किसान सतीश पालीवाल ने पशु अस्पताल में डॉक्टर न होने कि शिकायत की। वहीं सहकारी समितियों में डीएपी खाद न होने और दुकानों में महंगे दामों पर डीएपी खाद 1700 रुपये प्रति बोरी बेचे जाने की शिकायत की। किसान समाधान दिवस के मौके पर खंड विकास अधिकारी शिवनारायण कश्यप, इन्द्रेशु कुमार गौतम, सर्वेश, मनीष कुमार, विजय कुमार, अमित जायसवाल, सुरेश कुमार, मृत्युंजय यादव, संतराम कुशवाहा, कृष्ण कुमार कुशवाहा, केशव मिश्रा, कुलदीप आदि रहे।

मिट्टी का टीला धंसने से एक महिला की मौत, दूसरी गंभीर

दीपावली पर घर में लिपाई के लिए मिट्टी खोदने गई थीं दोनों

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- सदर कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मा डेरा इलाके में हुआ हादसा
- गंभीर रूप से घायल महिला जिला अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार। दीपावली त्योहार पर घर की लिपाई-पुताई करने के लिए मिट्टी खोदने गई पूर्व प्रधान की विवाहिता भतीजी की मिट्टी का टीला धंसने से मौत हो गई, जबकि उसके साथ गई एक अन्य विवाहिता युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मिट्टी के ढेर से निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे के बाद पूर्व प्रधान के परिवार में कोहराम मचा रहा।

सदर कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मा डेरा मोहल्ले के रहने वाले पूर्व प्रधान हरिकेश निषाद की भतीजी सदारानी (32) पत्नी सुनील निषाद अपने मोहल्ले की खुशबू (30) पत्नी फूल कुमार के साथ बुधवार की सुबह करीब छह बजे घर की लिपाई-पुताई करने के लिए डेरा के बाहर मिट्टी खोदने गई थी। मिट्टी खोदते समय अचानक कगार की मिट्टी ढह गई, जिससे सदारानी और खुशबू मिट्टी में दब गईं। अचानक चीख सुनकर आसपास मौजूद लोग दौड़े और मामले की सूचना दोनों के परिवार वालों को दी। खबर पाते ही दोनों के परिवार वाले दौड़ते-भागते मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से दोनों को मलबा से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने सदारानी को मृत घोषित कर दिया।

उधर, गंभीर रूप से घायल खुशबू को भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। इस हादसे के बाद सदारानी के परिवार में कोहराम मच गया। बताते हैं कि सदारानी का पति सुनील सूरत में रहकर मजदूरी करता था। इधर तीन महीने से वह पत्नी और बच्चों के साथ अपनी ससुराल में ही रह रहा है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

जिला अस्पताल के बाहर एकत्र सदारानी के परिवार के लोग। अमृत विचार

250 बकाएदारों के कनेक्शन काटे

कुरारा (हमीरपुर)। विद्युत विभाग ने बुधवार को कस्बे में विद्युत चेकिंग अभियान चलाया। साथ ही ढाई सैकड़ा से अधिक विद्युत कनेक्शन काटते हुए दो लाख पचास हजार रुपये की वसूली की।

कस्बे के सभी वार्डों में लगभग तीन दर्जन से अधिक विद्युत कर्मियों के साथ अधीक्षण अभियंता ज्ञानचंद यादव की अगुवाई में विद्युत चोरी, बिल बकाया व मीटरों की जांच की गई। कुरारा जेई दयानंद ने बताया कि कस्बे में करीब 250 से अधिक लोगों के बिल बकाया के चलते विद्युत कनेक्शन कटे गए है। वही करीब 80 उपभोक्ताओं से 2 लाख 50 हजार से अधिक का विद्युत बिल का बकाया जमा कराया गया है। साथ ही 7 घरों के घरेलू कनेक्शन को व्यावसायिक कनेक्शन में परिवर्तित किया गया है। इस मौके में अधिशासी अभियंता लेखराज सिंह, उप खंड अधिकारी शहजाद खान, जेई सत्येंद्र गुप्ता, जेई बीपी सिंह, लाइनमैन मुन्ना, मुवीन आदि मौजूद रहे।

कॅरियर मेले का फीता काटकर शुभारंभ करतीं अध्यक्ष आशारानी कबीर। अमृत विचार

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में कॅरियर मेले का आयोजन

संवाददाता, कुरारा

अमृत विचार। कस्बे के पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में कॅरियर क्लब के तत्वावधान में कॅरियर मेला का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने किया।

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में बुधवार को आयोजित कॅरियर मेला की शुरुआत नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने फीता काटकर व मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया। उनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के सम्मानित अधिकारियों ने हिस्सा लिया और छात्र-छात्राओं को अपने अनुभवों व ज्ञान से प्रेरित किया।

इस कॅरियर मेले में छात्रों को अपने सपनों को साकार करने के लिए आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हुई। यह आयोजन युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर रहा, जिसमें वह अपने कॅरियर की दिशा में ठोस कदम उठा सकें। इस मौके पर जीआईसी के प्रधानाचार्य सुधाकर वर्मा, राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य हरिश्चन्द्र ओझा, सोनू कबीर, हर नारायण, अनिरुद्ध पांडेय आदि मौजूद रहे।

डीएम ने 7 लोगों को किया जिलाबदर

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही / प्रभावी पैरवी के क्रम में न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) ने जनपद के विभिन्न थानों से संबंधित गुंडा अपराधी प्रवृत्ति के सात लोगों पर जिला बदर की कार्यवाही की है।

सुमेरपुर कस्बे के बसंत नगर निवासी संजय वर्मा पुत्र छोटेलाल, महेरा गांव निवासी मानसिंह पुत्र रामसनेही राजपूत, अरतरा निवासी संत सिंह उर्फ करिया पुत्र मंगल सिंह, जखेड़ी निवासी प्रशांत पुत्र हल्के, धमना गांव निवासी दिलीप राजपूत उर्फ हीरो पुत्र परमलाल, जराखर निवासी रामेंद्र पुत्र चंद्रशेखर व इटौरा निवासी रोहित राजपूत पुत्र प्रकाश लोधी शामिल है। सभी आरोपी जिला बदर की अवधि में अपने साथ किसी प्रकार का शस्त्र व आग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे एवं 06 माह की अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे। साथ ही बाह्य जनपद में जिस स्थान पर निवास करेंगे उसकी सूचना संबंधित थाना को देगें।

एसडीएम को ज्ञापन देने तहसील पहुंचे मछली दुकानदार। अमृत विचार

राठ के मछली विक्रेताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- एसडीएम ने समस्या समाधान के लिए आज नगर पालिका कर्मचारियों को बुलाया

अमृत विचार। कस्बे के मलौंहा रोड पर नहर किनारे फुटपाथ पर मछली की दुकान लगाने वाले दुकानदारों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मछली विक्रेताओं ने बताया कि वे लोग सड़क के किनारे फुटपाथ पर अस्थाई रूप से मुर्गा और मछली की दुकान लगाकर अपने परिवारों का गुजारा करते हैं। नगर पालिका के ईओ ने मछली विक्रय के लिए जगह दी थी।

बताया कि अब नगर पालिका के कर्मचारी उन्हें मछली बेचने से रोक रहे हैं। सभी दुकानदारों ने एसडीएम अभिमन्यु कुमार से मछली विक्रय के लिए जगह सुनिश्चित कराई जाए। इसके अलावा मछली विक्रय की जगह पर टीन शेड भी लगाया जाये। इसके अलावा ज्ञापन में हैंडपंप लगवाने, मछली विक्रय स्थल पर सफाई कर्मचारी की नियुक्ति करने, शौचालय बनवाने की मांग की। वहीं मछली बेचने वाले दुकानदारों ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि नगर पालिका परिषद के कुछ कर्मचारी मछली मंडी में पहुंचकर उनके साथ गाली गलौज कर उन्हें धमकियां देते हैं। ज्ञापन के दौरान भूरा रैकवार, राजधर, शीतल, हरि रैकवार, चंद्रपाल रैकवार, राम कुमार और रमन रैकवार के अलावा अन्य मछली विक्रेता मौजूद रहे। एसडीएम ने बताया कि उन्होंने कल दोनों पक्षों को बुलाया है। दोनों पक्षों के साथ वार्ता कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

सीएम-डीएम के नाम प्रधानों ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय महासचिव बुंदेलखंड प्रभारी के नेतृत्व में प्रधान संघ ने मुख्यमंत्री एवं जिलाधिकारी को संबोधित दो ज्ञापन सीडीओ को सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन में मनरेगा, राज्य वित्त, 15वें वित्त योजनाओं में हुई कटौती को बहाल करने तथा गौशाला में भूसा, चारा के साथ चरवाहा, चौकीदारों का बजट समय पर आवंटित करने की मांग की गई है।

> प्रधान संगठन ने मनरेगा सहित अन्य योजनाओं की कटौती बंद करने की मांग की

राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय महासचिव बुंदेलखंड प्रभारी हरस्वरूप व्यास के नेतृत्व में प्रधान संगठन की जिलाध्यक्ष ईशू राजपूत ने मुख्यमंत्री को संबोधित 23 सूत्री एवं जिलाधिकारी को संबोधित 11 सूत्री ज्ञापन सौंपकर प्रधानों की समस्याओं से अवगत कराकर निराकरण की मांग की गई है। प्रधान संघ ने दोनों ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह एवं एडीएम नमामि गंगे सुरेश चंद्र को सौंपे गए हैं।

ज्ञापन में मनरेगा, राज्य वित्त, 15वें वित्त के अलावा गौशाला आदि की समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाकर निराकरण की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में प्रांतीय संगठन मंत्री/जिला प्रभारी आनंद अशोक सचान, वंदना सचान, रेखा रानी, अर्चना शुक्ला, शकुंतला, जयनारायण विश्वकर्मा, अशोक यादव, राज कुशवाहा, सियाराम, सुनील सचान, नरेंद्र पाल, अरविंद प्रताप यादव, राममिलन निषाद, अरुण वर्मा आदि प्रधान शामिल रहे।

सड़क किनारे खड़े मासूम की ई-रिक्शा ने छीन ली जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- ई रिक्शा में सवार तीन यात्री भी घायल, हादसे के बाद चालक भागा, पुलिस तलाश में जुटी

अमृत विचार। सड़क किनारे खड़े मासूम को सवारियों से भरा ई रिक्शा रौंदता हुआ निकल गया। जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मृतक के परिजन बेहाल हैं। वहीं घटना के बाद पुलिस ने रिक्शा चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना में ई रिक्शा में बैठी तीन सवारियां भी घायल हो गई। उन्हें भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सदर कोतवाली के गौरा देवी मोहल्ला निवासी सुरेश का सात वर्षीय पुत्र सौरभ बुधवार की दोपहर हमीरपुर कालपी स्टेट हाईवे किनारे खड़ा था। तभी कुरारा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ई रिक्शा उसे रौंदता हुआ निकल गया। जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे मौके पर मौजूद लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना में रिक्शे में सवार कुसमरा गांव निवासी रावेंद्र कुमार (43) पुत्र दलपत प्रसाद, उसकी पत्नी मिथलेश (40) व बेट संयोगिता (20) भी घायल हो गई। रावेंद्र कुमार ने बताया कि वह जम्मू में मजदूरी करता है। बुधवार को वह अपने परिवार सहित जम्मू जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। घायल दंपति व उनकी बेटी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने रिक्शा चालक को पकड़ लिया और कुछ देर बाद छोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस रिक्शा चालक की तलाश में जुट गई है। रिक्शा थाना कुरारा के कुसमरा गांव का बताया जा रहा है। मासूम मोहल्ले के गौरा देवी स्कूल में कक्षा दो में पढ़ता था।

इस घटना से मृतक बच्चे की मां रचना रो रोकर बेहाल है। वहीं बच्चे का पिता मंगलवार को मुंबई मजदूरी के लिए घर से निकला था। घटना की सूचना पर वह भी वापस लौट रहा है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं परिजन बच्चे के पिता के आने के बाद पोस्टमार्टम कराने की बात कही।

जिला अस्पताल में रोती-बिलखती मासूम बच्चे की मां। अमृत विचार

प्रेम प्रसंग में युवक ने फांसी लगा दी जान

सुमेरपुर। पत्योरा के मलिहाताला निवासी अंशु उर्फ भूरा (22) पुत्र बरदानी निषाद ने मंगलवार रात परिजनों के सो जाने के बाद पशुबाड़े में रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। तड़के परिवार को जानकारी होने पर कोहराम मच गया। वह चार भाइयों में दूसरे नंबर का था और गांव में ही चाट का ठेला लगाता था। बताते हैं कि उसका गांव में ही एक युवती से प्रेम प्रसंग था। युवती दो बार घर से भाग कर उसके पास आई थी, जिसे समझाकर वापस किया गया था।

जहर खाने से पेट्रोल पंप कर्मी की मौत

राठ। कस्बे के जुल्हैटी मोहल्ले के एक युवक ने पनवाड़ी मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप में जहरीला पदार्थ खा लिया। युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। नाजुक हालत होने पर चिकित्सकों ने उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कस्बे के जुल्हैटी मोहल्ला निवासी शिव सिंह (36) पुत्र भानसिंह राठ पनवाड़ी मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप में कार्यरत था। इसी माह की 13 अक्टूबर को उसने पेट्रोल पंप में जहरीला पदार्थ खा लिया था। युवक की हालत बिगड़ने पर पेट्रोल पंप के मुनीम ने फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन उसे लेकर सीएचसी ले गए। जहां से उसे उरई मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि शिवसिंह एकलौता पुत्र था। पेट्रोल पंप में काम कर गुजारा करता था। खेड़ा शिलाजीत गांव में उसके हिस्से में तीन बीघा जमीन भी थी। कोतवाल अमित कुमार ने बताया जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मौदहा में बाल विकास परियोजना की ओर से राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत जागरुकता रैली निकाली गई। यह रैली सरकारी अस्पताल से फतेपुरवा से होते हुए बीआरसी कार्यालय पहुंचीं। रैली में कुपोषण से लड़ने का संदेश दिया गया। इसके बाद खंड शिक्षा कार्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मौजूदगी में बीईओ सुशील कुमार ने पोषण के साथ अन्नप्राशन व गोद भराई से संबंधित जानकारी दी। यहां पूर्व इंचार्ज सीडीपीओ कल्ली देवी, अनीता, शरीफउद्दीन सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्री रहीं। ● अमृत विचार

खाद्य पदार्थों के नमूने भरे गए

मौदहा। खाद्य निरीक्षक गिरीश वर्मा ने बुधवार दोपहर इचौली में लल्ला मिष्ठान भंडार व पाल मिष्ठान भंडार में बर्क लगी मिठाइयों को नष्ट कराया और हिदायत दी कि मिलावटी खाद्य सामग्री न बेचें। खराब मोमोज व समोसा डस्टबीन में फेंक दिए। टिकरी की मिठाई की दुकानों में छापेमारी की। खोवा आदि देखे और सैंपल लेकर औपचारिकता निभाई।

त्योहार का तोहफा | जिले के 1,60,713 पात्र परिवारों को वितरित की गई 8 .99 करोड़ की सब्सिडी

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को मिली सब्सिडी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। दीपावली के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत जनपद के 160713 पात्र परिवारों को राठ विधायक मनीषा अनुरागी व जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने 8.99 करोड़ की सब्सिडी वितरित की। इस अवसर पर लोक भवन लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा व सुना गया।

राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से आजादी मिली है। साथ ही उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव तथा पर्यावरण सुधार जैसे सार्थक लाभ प्राप्त हुए हैं। इस योजनान्तर्गत दीपावली व होली पर निशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सुविधा पात्र लाभार्थियों को प्रदान की गई है। इसमें प्रथम चरण (अक्टूबर से दिसंबर 2025) दीपावली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी अंतरित की गई और द्वितीय चरण (जनवरी से मार्च 2026) होली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को सब्सिडी अंतरित की जा रही है।

पात्र परिवारों को प्रति रिफिल केंद्र सरकार द्वारा 335.40 रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 559.58 रुपये की सब्सिडी प्रधानमंत्री उज्वला योजनान्तर्गत अनुमन्य है। योजना की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सिलेंडर रिफिल पर मिलने वाली सब्सिडी का आधार प्रमाणित बैंक खाते में अंतरण किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में पात्र 160713 लाभार्थियों के सापेक्ष 124500 लाभार्थियों के एसीटीसी एवं आधार प्रमाणीकरण है। 36213 लाभार्थियों को आधार प्रमाणीकरण कराने की सूचना दी गई है। इन लाभार्थियों का आधार प्रमाणन होते ही सब्सिडी प्राप्त हो जाएगी। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, चेयरमैन कुलदीप निषाद, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश शुक्ला रहे।

पात्र अभ्यर्थी को उज्ज्वला गैस सिलेंडर की सब्सिडी का प्रमाण पत्र देते विधायक और डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं वीरेन्द्र कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र पूरे गुरुबक्स सिंह मजरे खलीलपुर पो0 भीमगंज तहसील डलमऊ, जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे तीन पुत्र सौरभ कुमार, शुभम कुमार और शिवम कुमार जो कि बालिग हैं। मेरा पुत्र शुभम कुमार मेरी देखभाल नहीं करता है। मारपीट करता है। उसके कृत्यों से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से शुभम कुमार को बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना
सूचित हो कि पासपोर्ट में मेरा नाम सुल्तान अहमद खान है। जबकि आधार कार्ड व पैनकार्ड में मेरा नाम सुल्तान अहमद पुत्र जलील अहमद है जो कि मेरा सही नाम है। इसी नाम से मुझे जाना जाय। **सुल्तान अहमद पुत्र जलील अहमद – मु0 मकनियापुरा महोबा जि. महोबा**

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम SUSHIL SHRIVASTAV था से बदलकर SUSHIL KUMAR SHRIVASTAV रख लिया है। अब मुझे SUSHIL KUMAR SHRIVASTAV के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SRIKRISHAN LAL SRIVASTAVA ADD-442/95, HARDOI ROAD JANRAILGANJ COLONY BALAGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना
मेरे पुत्र दिव्यांश सिंह के विद्यालय रिकार्ड में उसकी माता का नाम Kaushalya लिखा है जबकि उनका सही नाम Kaushilya Singh है जो पी.एम.श्री के.वी.नं.1 अर्मापुर विद्यालय रिकार्ड में दर्ज हो। **मान सिंह निवासी– जी 12/5 शिवालिक भवन, शताब्दी नगर, रतनपुर पनकी, कानपुर नगर।**

Public Notice
I have change my name Shafeeq Ahmad Faisal to Shafeeq Ahmad s/o Rafeeq Ahmad, In future i would like to be known by this name. Shafeeq Ahmad s/o Rafeeq Ahmad 426/1930A/11, Wazeerbagh, Saadatganj, P.S .- Saadatganj, Lucknow

सूचना
मैं **विवेक कुमार पुत्र स्व. विनोद कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट नीबी, ब्लाक सरेनी, जिला रायबरेली पिन –229212 (उ0प्र0)** मेरे पिता की LIC की बीमा पॉलिसी संख्या–233580091 में मेरा नाम नितिन दर्ज है, जबकि अन्य अभिलेखों में विवेक कुमार दर्ज है। दोनों ही नाम मेरे हैं। अत: मुझे दोनों ही नामों से जाना–पहचाना व माना जाए।

सूचना
मैं **रमेश पाल पुत्र दीपक पाल निवासी ग्राम– कुम्हरावां, थाना– महिगवां, तहसील– बख्शी का तालाब, जनपद– लखनऊ** मेरे पुत्र दीपक पाल ने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया है जिससे मेरे भविष्य में विवाद का खतरा बना हुआ है एवं भविष्य में कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है तथा विवाद की सम्भावना उत्पन्न हो सकती है। जिससे मैं कोई वास्ता नहीं रखना चाहता हूँ और मैं अपने पुत्र दीपक पाल को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। यह कि भविष्य में यदि मेरे पुत्र दीपक पाल द्वारा कोई गलत कृत्य या आपराधिक कृत्य किया जाता है तो ऐसा समस्त कृत्यों के लिए मेरा पुत्र दीपक पाल स्वयं जिम्मेदार होगा जिसमें मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है **उपमा सिंह पत्नी सुनील सिंह, सरवन खेड़ा कानपुर** की निवासिनी हूं। मैंने श्री सगीर सिद्दीकी पुत्र श्री शकील सिद्दीकी से भूखण्ड सं. 53, खसरा सं. 769 का मिनजुमला, क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट, स्थित औरंगाबाद जागीर, वार्ड राजा बिजली पासी, तहसील सरोजनी नगर, लखनऊ खरीदा था, जो कि बही सं.1, जिल्द सं. 14371, पृष्ठ 317 से 338 तक दिनांक 01.07.2025 उप निबंधक सरोजनी नगर, लखनऊ के कार्यालय में पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति के मूल सेल डीड का अंतिम 4 पेज 13–16 कही खो गया है। जिस किसी को भी मिले कृपया मो0– 9653023233 पर सूचित करें।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बैंकों के अग्नि सुरक्षा उपकरणों को जांचा

महोबा। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी महेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में अग्निशमन टीम ने विभिन्न बैंकों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों को चेक किया। निरीक्षण दौरान मौजूद सुरक्षा कर्मियों, स्टाफ को अग्निशमन उपकरण चलाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया साथ ही सम्बन्धित बैक प्रबन्धक को अग्निशमन व्यवस्था से संबंधित उपकरणों को स्थापित किये जाने व समय समय पर उनको रिफिल कराये और दमकल सम्बन्धी उपकरणों को सदैव क्रियाशील रखने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों को बताया गए और सभी को अग्निसुरक्षा से बचाव के लिए जागरुक करते हुए पम्पलेट का वितरण किया गया।

आज लगेगा नेत्र परीक्षण शिविर

महोबा। संजरी इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन होगा, जिसमें विद्यार्थियों की आंखों को चेक कर आवश्यक सलाह दी जाएगी। कालेज के प्रधानाचार्य प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में 16 अक्टूबर को स्वास्थ्य विभाग की नेत्र विशेषज्ञ टीम एक दिवसीय नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों की दृष्टि स्वास्थ्य की जांच करना और आंखों की समस्याओं का पता लगाना है। यह शिविर योग्य नेत्र विशेषज्ञों के देखरेख में आयोजित किया जाएगा और इसमें छात्रों की आंखों की मुफ्त जांच के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर चश्मों का भी वितरण किया जाएगा, इसके अलावा नेत्र से संबन्धित होने वाली बीमारियों और उनके उपचार की भी बच्चों को जानकारी दी जाएगी।

महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम से किया सचेत

महोबा। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के उद्देश्य से बुधवार को जिले के समस्त थानों में नियुक्त मिशन शक्ति पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्र के अन्तर्गत स्कूलों एवं कालेजों में जाकर स्कूली छात्रों को आत्मरक्षा, सुरक्षा अधिकारों तथा साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रमों में छात्राओं को 'गुड टच' व 'बैड टच' की पहचान, आत्मरक्षा के सरल उपाय तथा महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

मां ने मासूम बेटी को जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले मार डाला

फोन पर पति से विवाद के बाद उठाया कदम, अलग रहने का डाल रही थी दबाव

कार्यालय संवाददाता महोबा

घटनास्थल पर छानबीन करती कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम। अमृत विचार

पकड़ी गई आरोपी मां। अमृत विचार

- पुलिस ने हत्यारिन मां को गिरफ्तार कर भेजा जेल
- पांच महीने से मायके में रह रही थी हत्यारोपी मां

अमृत विचार। शहर के सुभाष नगर में एक मां ने जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले अपनी मासूम बेटी को फंदे पर लटका कर मार डाला। हत्यारिन मां पांच महीने से अपने मायके में रह रही थी और पति पर अपने परिवार से अलग रहने का दबाव डाल रही थी। मंगलवार को इसी बात को लेकर फोन पर पति से विवाद होने के बाद उसने क्रूर कदम उठाया। पुलिस ने हत्यारोपी मां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर की खुशबू की शादी करीब दो साल पहले चरखारी कस्बे के अरविंद के साथ हुई थी। शादी के एक साल बाद उसके बेटी पैदा हुई, जिसका नाम ऋतिका रखा गया। बताते हैं कि खुशबू का अपने पति अरविंद से आए दिन झगड़ा होता था। खुशबू की ससुराल वालों से भी नहीं पटती थी और जरा-जरा सी बात को लेकर झगड़े पर आमादा हो जाती थी। वह पति पर परिवार से अलग रहने का दबाव डालती थी, लेकिन अरविंद इसके लिए तैयार नहीं था। वह परिवार के साथ ही रहना चाहता था।

बताते हैं कि पांच महीने पहले खुशबू अपनी एक साल की बेटी ऋतिका को लेकर अपने मायके सुभाष नगर चली आई। बुधवार को ऋतिका का जन्मदिन था। इसके एक दिन पहले मंगलवार की दोपहर खुशबू ने पति अरविंद को फोन किया। बातचीत के दौरान परिवार से अलग रहने को लेकर फिर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। अरविंद ने साफ शब्दों में जवाब दे दिया कि वह किसी कीमत पर अपने परिवार से अलग नहीं रहेगा। इसके बाद खुशबू ने फोन काट दिया।

इसी गुस्से की आग में जल रही खुशबू ने मंगलवार देर रात अपनी एक साल मासूम बेटी ऋतिका को फंदे पर लटका दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद खुद खुशबू ने दूसरे कमरे में मौजूद अपने भाई को बताया कि उसने बेटी को मार डाला। इससे परिवार में हड़कंप मच गया। मायके वालों की सूचना पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक छानीन के बाद बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्यारोपी मां खुशबू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बोली, पति बेरोजगार है। आए दिन शराब पीकर मारपीट करता है। मंगलवार को फोन पर पति से झगड़ा होने के बाद बेटी को मार डाला।

मां ने हत्यारिन बेटी के विरुद्ध लिखाई रिपोर्ट

- पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर अरुण कुमार सिंह ने बताया कि हत्यारोपी खुशबू की मां उमारानी की तहरीर पर हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। तहरीर के आधार पर हत्यारोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपनी एक वर्षीय पुत्री को फांसी पर लटकाकर हत्या करने की बात स्वीकार की है। पूछताछ और घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों के आधार पर खुशबू को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खुशबू के क्रूर कदम से दोनों परिवार स्तब्ध

- मासूम ऋतिका की हत्या से मायके का पूरा परिवार स्तब्ध है। ससुराल वाले भी सदमे में हैं। खुशबू की मां उमारानी का कहना है कि बेटी मानसिक रूप से कमजोर थी, जिसका इलाज भी कराया गया था। मोहल्ले के लोग इस वारदात से हैरत में हैं कि एक मां अपनी ही बेटी कैसे मार सकती है। पति अरविंद का कहना है कि खुशबू लगातार परिवार से अलग रहने का दबाव बना रही थी। इंकार करने पर झगड़ा करती थी। पांच महीने पहले बेटी को लेकर अपने मायके चली आई थी।

बत्ती, पानी और सड़क को जूझ रहे 40 परिवार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

डीएम से गुहार लगाने पहुंचे ग्रामीण।

अमृत विचार। समय के साथ सब कुछ बदल रहा है, मगर नहीं बदली सदर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत ग्योड़ी के मजरा की तस्वीर, जहां मूलभूत सुविधाओं का टोटा है। यहां के 40 परिवार बिजली, पानी और सड़क की समस्याओं से जूझ रहे हैं। भीम आर्मी के जिला संयोजक के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बुधवार को डीएम को ज्ञापन देकर मूलभूत सुविधाएं देने की गुहार लगाई।

ज्ञापन में बताया गया कि मजरे में न तो बिजली की आपूर्ति है न ही पक्की सड़कें। पेयजल की भी व्यवस्था नहीं है, जिससे यहां के 40 परिवार इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। बताया कि मजरे में पांच रास्ते हैं, लेकिन कोई पक्का नहीं कराया गया, जिससे बारिश होने पर मार्ग कीचड़युक्त हो जाते हैं और आवागमन में मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। बताया कि यहां पर बिजली की समुचित व्यवस्था भी नही है। बिजली की व्यवस्था सुचारू रुप से न होने के कारण संपूर्ण इलाका अंधेरे में डूबा रहता है साथ ही बच्चों की पढ़ाई पर भी विपरीत असर पड़ता हैं।

ज्ञापन में बताया कि यहां के ग्रामीण परिवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत पेयजल की है। पानी के लिए यहां पर मात्र एक हैंडपंप है, जिसमें सुबह से दोपहर तक पानी भरने के लिए महिलाओं बच्चों की लंबी लंबी लाइन लगी रहती है। नमामि गंगे योजना के तहत मरजा में पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। जब यह हैंडपंप कम पानी या खराब हो जाता है तो दिक्कत और भी विकराल रुप ले लेती है। बताया कि समस्याओं को लेकर ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, विधायक और सांसद को अवगत कराया जा चुका, लेकिन किसी को आज तक कोई सुध नहीं ली। शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने संबन्धित अधिकारियों को जल्द से जल्द ग्रामीणों की समस्याओं का सामधान कराए जाने के निर्देश दिए हैं। ज्ञापन देने वालों में भीम आर्मी के जिला संयोजक जगराम वर्मा के अलावा नरेश, कमला देवी, सोमवती, दुलारी, नंदराम, श्यामलाल, रामलाल, उर्मिला, कमलादेवी आदि शामिल रहे।

दिवाली पर मिली गैस की सब्सिडी

कार्यालय संवाददाता महोबा

सब्सिडी का प्रमाणपत्र दिखातीं उज्ज्वला योजना की लाभार्थी। अमृत विचार

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष की मौजूदगी में पात्र लाभार्थियों को घरेलू गैस सिलेंडर रिफिल की प्रथम चरण सब्सिडी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से लाइव प्रसारण दिखाया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी, नगर पालिका अध्यक्ष संतोष चौरसिया, सीडीओ बलराम कुमार की उपस्थिति में पात्र परिवारों को दीपावली पर गैस सिलेंडर की सब्सिडी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से आजादी, स्वास्थ्य पर सकरात्मक प्रभाव तथा पर्यावरण सुधार जैसे सार्थक लाभ प्राप्त हुये है। प्रथम चरण के तहत दीपावली त्योहार पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलिंडर रिफिल सब्सिडी अंतरित की गयी तथा द्वितीय चरण जनवरी से मार्च 2026 होली पर पात्र परिवारों को गैस सिलेंण्डर रिफिल सब्सिडी वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पात्र परिवारों को प्रति रिफिल केन्द्र सरकार से 335.40 रुपये तथा राज्य सरकार की तरफ से 559.58 रुपये की सब्सिडी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत अनुमन्य है। योजना की पारदर्शिता बनाये रखने के लिए सिलिंडर रिफिल पर मिलने वाली सब्सिडी का आधार प्रमाणित बैंक खाते मे अंतरण किया गया है। इस मौके पर लखनऊ में मुख्यमंत्री के आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

पुलिस के साथ सड़क पर उतरीं एएसपी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

भ्रमण के दौरान महिलाओं से बातचीत करतीं एएसपी वंदना सिंह। अमृत विचार

- पुलिस के साथ बाजारों में भ्रमण कर कराया सुरक्षा का अहसास

अमृत विचार। बाजार में त्योहारी भीड़ के मद्देनजर एएसपी वंदना सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ नगर में पैदल गश्त कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने व्यापारियों के साथ महिलाओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा के प्रति आश्वत किया और कहा कि किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी निगरानी करने, नियमित गश्त और जन सहयोग के माध्यम से अपराध नियंत्रण के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के मुख्य बाजार, सराफा बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल भ्रमण करते हुए दुकानदारों से संवाद किया और उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया। धनतेरस और दीपावली को लेकर ज्वैलर्स व व्यापारियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे दुकानदार बिना किसी भय के त्योहार पर बिक्री कर सके। पुलिस ने गश्त दौरान व्यारियों के अलावा महिलाओं, बच्चों व राहगीरों से संवाद स्थापित कर उनकी शिकायतें सुन सुझाव साझा किए। एएसपी ने आम लोगों से अपील की कि भीड़भाड़ वाली बाजारों में सावधानी बरतें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

एएसपी ने बताया कि पैदल भ्रमण का मुख्य उद्देश्य नागरिकों व्यापारियों को सुरक्षा का माहौल देने के साथ किसी भी अप्रिय घटना को रोकना है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता से नागरिक सुरक्षित महसूस करेंगे। साथ ही बाजार में असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगेगी। उन्होंने किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए भी प्रेरित किया। सतर्कता और प्रभावी निगरानी और सुरक्षित वातावरण में मनाए जाने की लोगों से अपील की। पैदल गश्त में सीओ सिटी अरुण कुमार, एसडीएम, शिवध्यान पांडेय, शहर कोतवाल मनीष पांडेय आदि मौजूद रहे।

दीपावली के बाद बैठक कर पेंशनरों का दर्द दूर करेंगी डीएम

कार्यालय संवाददाता, महोबा

डीएम को ज्ञापन देते पेंशनर्स सेवा संस्थान के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। पेंशनर्स सेवा संस्थान ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनकी विधवाओं की पेंशन का पुनरीक्षण कराए जाने सहित अन्य समस्याओं का निराकरण कराए जाने की मांग की। पेंशनरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने दीपावली के बाद पेंशनरों की समस्याओं पर बैठक कर समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराए जाने का आश्वासन दिया।

डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि पेंशनरों के चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के लिए प्रस्तुत दावों का विभाग समय पर निस्तारण नहीं करते और शासनादेशों के विपरीत अनावश्यक एवं मनमाने दस्तावेजों की मांग की जाती है, जिससे पेंशनर वर्ग अत्यंत पीड़ित है, समयबद्ध निस्तारण जल्द कराया जाये। सामाजिक सरोकार से जुड़ी बैठकों एवं कार्यक्रमों में पेंशनरों को न तो सूचना दी जाती है और न ही उन्हें आमंत्रित किया जाता है। पूर्व जिलाधिकारियों ने इस संबंध में दिए गए निर्देशों के क्रम में निर्देश जारी किये जाने के निर्देश जारी किए थे। पेंशनर की मृत्यु के उपरांत पारिवारिक पेंशन प्रारम्भ करने के लिए फार्म-3 सेवारत विभाग से पूर्ण कराकर जमा करने की प्रक्रिया को शासन, निदेशक पेंशन एवं निदेशक कोषागार उत्तर प्रदेश के आदेशों के अनुसार रोक लगाए जाने की मांग की गई साथ ही पेंशनरों के बैंक खातों में नॉमनी एवं संयुक्त खाता किये जाने के लिए बैंकों को निर्देश जारी किये जायें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पेंशनर भवन में सीएमआर योजना से प्राप्त फिजियोथैरेपी केन्द्र में अवशेष मशीनें उपलब्ध करायी जाये इसके अलावा नगर पालिकाओं, नगर क्षेत्र समितियों के पेंशनरों के पेंशनरी लाभों का भुगतान कराया जाये। ज्ञापन में वृद्ध पेंशनरों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पूर्व की भांति स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कराया जाये। स्वास्थ्य विभाग की सेवानिवृत्त गीता की उपादान धनराशि एवं महरूमा निशा का सभी दावों का भुगतान कराया जाये। जिला चिकित्सालय में कार्यरत सभी चिकित्सकों विशेष रूप से हड्डी स्पेशलिस्ट मेडिसिन स्पेशलिस्ट की नियमित उपस्थिति के साथ इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात चिकित्साधिकारी को विशेष रूप से वृद्ध पेंशनरों के प्रति संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिये जाये। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पेंशनर भवन की टूट फूट, रंगाई पुताई की व्यवस्था करायी जाये। पेंशनरो की समस्याओं पर मासिक, त्रैमासिक बैठकें आयोजित की जाये आदि मांगे शामिल है। ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील शर्मा, महामंत्री बीके तिवारी, शहनाज परवीन, मातृशक्ति इन्द्रमा, पुष्पा सक्सेना, कमलेश शर्मा, सहित शिवकुमार गोस्वामी, अरविन्द्र खरे, जगदीश कुमार, लक्ष्मी त्रिपाठी, गंगा प्रसाद, इशियाक खां, रामसजीवन गुप्ता आदि पदाधिकारी रहे।

छेड़खानी करने पर मुकदमा दर्ज

महोबा। शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में युवक ने घर में घुसकर महिला से छेड़खानी और मारपीट का कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला के मुताबिक 30 जुलाई की रात वह घर में अकेली थी तभी पड़ोसी रामकुमार नशे की हालत में अंदर घुस आया और अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। चिल्लाने पर जेठानी, उसकी बहू दौड़ी और रामकुमार को पकड़ लिया। रामकुमार के आवाज देने पर उसका भाई दिलीप, पिता नारायण लाठी-डंडे लेकर आए और मारपीट की। कोतवाली प्रभारी मनीष पांडेय का कहना है कि जांच कर जल्द अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जाएगी।

बैंक संबंधी समस्याओं का कराएं निस्तारण

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। ग्राम पंचायत भवन में ग्राम प्रधानों की उप ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में समस्याओं के निस्तारण के लिए बैंक में जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने की अपील की गई, जिससे समस्याओं का निराकरण कराया जा सके।

क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार कुशवाहा ने बताया कि जिन लोगों के खाता उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में हैं, बैंक के बदले जाने के कारण डीबीटी व केवाईसी में समस्या हो रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पेंशन, आवास, अतिवृष्टि आदि का पैसा उनके खाते में नहीं पहुंच रहा है, वह अपने आधार कार्ड और बैंक पासबुक को लेकर शाखा में केवाईसी करा लें। उन्होंने कहा कि बैंक में बेरोजगार लोगों के लिए भी ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड लेने वाले किसानों को बैंक से कम ब्याज लिया जा रहा है, ऐसे में वह समय से अगर अपना ऋण अदा करते हैं तो और भी कम ब्याज में छूट होती है। इस मौके पर सहायक प्रबंधक शशांक मीणा, शाखा प्रबंधक उमेश पटेल व सहायक मैनेजर जितेंद्र राजपूत, ग्राम प्रधान देवेंद्र पटेल प्रधान प्रतिनिधि स्वतंत्र राजपूत उदयभान अनूप पटेल शिवचरण आदि प्रधान व उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यों की धीमी प्रगति से डीएम नाराज

कार्यालय संवाददाता महोबा

बुधवार को समीक्षा बैठक करतीं डीएम गजल भारद्वाज। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर सीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित 01 करोड़ से ऊपर के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं से प्रगति कार्यों की जानकारी ली साथ ही कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दीपावली पर्व से पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को गुणवत्तापूर्ण व समय सीमा के अन्दर कार्य करते हुए, प्रगति रिपोर्ट सीएमआईएस पोर्टल पर फीड करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदाई संस्थाओं से प्रगति कार्यों की जानकारी ली तथा दिशा निर्देश दिए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के तीन कार्यों की धीमी प्रगति के संबन्ध में डीएम ने नाराजगी व्यक्त की और राजकीय सेतु निर्माण निगम लिमिटेड के कार्य महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ की तपोस्थली के पर्वत का पर्यटन विकास के कार्य को दीपावली से पहले पूर्ण करने व जल निगम नगरीय के कार्यों की धीमी प्रगति को बढ़ाने के निर्देश दिए।

डीएम ने उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम के कार्यों को अभी तक हैंडओवर न किए जाने पर सहायक अभियंता को स्पष्टीकरण के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग भवन निर्माण बांदा कार्यों की प्रगति के लिए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, डीएसटीओ सादुलउल्लाह सहित सभी सम्बंधित अधिकारी रहे।

दिखाया दमखम | कुलपहाड़ के मिशन ग्राउंड पर आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का दूसरा दिन

100 मीटर दौड़ में यश और सिमरन सबसे तेज धावक

संवाददाता, कुलपहाड़

प्रतियोगिता में भाला फेंकती प्रतिभागी। अमृत विचार

- दूसरे दिन तवा फेंक, गोला फेंक और ऊंची कूद की स्पर्धाएं हुईं

अमृत विचार। जनतंत्र इंटर कॉलेज के तत्वावधान में मिशन ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को तवा फेंक, ऊंची कूद, दौड़, गोला फेंक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए अपने खेल में प्रदर्शन किया। तवा फेंक प्रतियोगिता मे पंकज कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ सिमरन ने बाजी मारकर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

नगर के मिशन खेल ग्राउंड में जिला स्तरीय तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताएं दूसरे दिन हुई ऊंची कूद में मानव कल्याण सेवा इंटर कॉलेज कबरई ने प्रथम, बृहमानंद एजुकेशन श्रीनगर के छात्र हर्षित ने द्वितीय तथा राजकीय इंटर कॉलेज महोबा के अमित रैकवार ने तृतीय स्थान हासिल किया। तवा फेंक प्रतियोगिता में पहला स्थान पंकज कुमार ने हासिल किया, जबकि दूसरे पर स्वामी सेठ इंटर कॉलेज चरखारी के अरूण कुमार तथा तीसरे स्थान पर चौधरी सुन्दर सिंह कालेज बरवई चरखारी का छात्र सूरज कुमार रहा। इसी प्रकार 600 मीटर दौड़ बालक वर्ग में साईं इंटर कालेज महोबा के यश ने प्रथम राजकीय इंटर कालेज चरखारी के प्रतिभागी मनोज कुमार ने द्वितीय जबकि मानव कल्याण संस्था नहदोरा कबरई के छात्र सचिन को तृतीय स्थान पर संतुष्ट करना पड़ा। गोला फेंक बालक वर्ग में राजकीय इंटर कालेज महोबा के अमित रैकवार अव्वल रहे, जबकि पंडित राम खिलावन इंटर कॉलेज लेवा कबरई के विकास ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

इसी प्रकार बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में राजकीय इंटर कालेज चरखारी की छात्रा सिमरन ने बाजी मारी, तो वहीं राजकीय इंटर कालेज श्रीनगर की छात्रा कृष्णा ने दूसरा तो बालिका इंटर कालेज जैतपुर की नेहा ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालक वर्ग की सौ मीटर दौड़ में साईं इंटर कालेज महोबा के यश प्रथम, राजकीय इंटर कालेज चरखारी के मनोज द्वितीय तथा पं राम खिलावन द्विवेदी इंटर कालेज कबरई के चेतराम ने तृतीय प्राप्त किया। प्रतियोगिता संयोजक जनतंत्र इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य जयप्रकाश अनुरागी, प्रबन्ध आत्मप्रकाश वर्मा सहित व्यायाम शिक्षक निशांत सिंह, प्रकाशचन्द्र यादव, केके द्विवेदी, शंकरलाल, मुजीब, अरूण दीक्षित, रवि प्रकाश, पुष्पेन्द्र, अमित राजपूत आदि शिक्षक व स्टाफ मौजूद रहा।

न्यूज ब्रीफ

सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

सीतापुर (चित्रकूट)। श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में नेत्र सहायक रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उद्घाटन के दौरान अंशु ठाकुर, डॉ. बीके जैन, डॉ. एलेश जैन, शुभम कश्यप, डॉ. राजेश जोशी और सुबीश कुइय्याडीयिल आदि मौजूद रहे। डॉ. जैन ने चिकित्सकों से कहा कि लगातार सीखना आत्मविश्वास और संवेदनशीलता दोनों को बढ़ाता है। यह प्रशिक्षण हमारे दृष्टि केंद्र टीम को हर मरीज को बेहतर कौशल और दयालुता के साथ सेवा देने में सक्षम बनाएगा।

खराब सरसों तेल व खोवा नष्ट कराया

चित्रकूट। सहायक आयुक्त (खाद्य) शशांक त्रिपाठी ने बताया कि दीपावली पर्व पर अभियान के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने चार नमूने इकट्ठा किए। 85 किग्रा सरसों तेल व 20 किग्रा खोवा अस्वास्थ्यकर पाए जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य कारोबारी को नोटिस जारी की गई। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह, विनय कुमार शामिल रहे।

लेखपाल से मारपीट करने का आरोप

रामनगर (चित्रकूट)। मानिकपुर तहसील के उड़की माफी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण रोकने गए लेखपाल पर कुछ लोगों के हमला करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, लेखपाल भानु द्विवेदी काम रुकवाने गांव गए थे। इस दौरान आरोपियों ने हमला कर दिया। किसी तरह से भागकर वह थाना रैपुरा पहुंचे और तहरीर दी। क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल ने बताया कि लेखपाल के प्रार्थनापत्र के आधार पर जगन्नाथ और उसके पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज हुई है।

नहर पर अवैध कब्जे की शिकायत

चित्रकूट। जिला पंचायत सदस्य मीरा भारती की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने ज्ञापन देकर नहर में अवैध कब्जे की शिकायत की। सपहा मजरा रुख्मा बुजुर्ग के ग्रामीणों लवलेश कुमार, सियाराम, अयोध्या, मिथलेश निषाद, रोहित सिंह पटेल, संजय सिंह पटेल आदि ने बताया कि गांव के पास से बांध से जुड़ी नहर गुजरी है, जो लंकापुरवा, ददरी माफी से भीमपुर कैलहा की ओर जाती है। इसके रास्ते पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है।

ई केवाईसी करा लें, जिससे मिले मुफ्त सिलेंडर का लाभ : पटेल

डेमो चेक वितरण, पूर्व सांसद ने बताई सरकार की उपलब्धियां

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम भी देखा गया
- कार्यक्रम में पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल भी रहे मौजूद

डेमो चेक वितरण कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, अधिकारी और जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

अमृत विचार। दीपावली पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर संबंधी सब्सिडी के डेमो चेक दिए गए। पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि सभी लाभार्थी अपना ई-केवाईसी करा लें, जिससे उनको इस योजना का लाभ मिल सके।

पूर्व सांसद ने कहा कि दीपावली व होली पर सरकार एक-एक निःशुल्क सिलेंडर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत देती है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर, जिला पंचायत अशोक जाटव, जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, जिलाध्यक्ष कोआपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, नगर पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने लाभार्थियों को डेमो चेक दिए।जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान एडीएम उमेश चंद्र निगम, पूर्ति निरीक्षक कर्वी विनय कुमार पांडेय, मऊ दिलीप कुमार, मानिकपुर प्रदीप त्रिपाठी, राजापुर कृपाशंकर द्विवेदी, गैस एजेंसी संचालक एवं लाभार्थी आदि मौजूद रहे।

जिले में उज्ज्वला के 1,29,674 लाभार्थी

- डीएसओ ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत विभिन्न गैस एजेंसियों में 1,29,674 लाभार्थी हैं। इनमें से 79,547 लाभार्थियों ने ई- केवाईसी कराई है। इको सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रथम चरण में अक्टूबर से दिसंबर तक व द्वितीय चरण में जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक निःशुल्क सिलेंडर दिया जाएगा। सिर्फ उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को ही निशुल्क सिलेंडर दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत मात्र 14 .2 किलोग्राम के सिलेंडरों की सुविधा है। बताया गया कि जिले में कुल 17 गैस एजेंसी हैं। इनमें भारत पेट्रोलियम की तीन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम की चार और इंडियन आयल कारपोरेशन की 10 एजेंसियां हैं।

छात्राओं के साथ मौजूद पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

छात्राओं की जिज्ञासाओं का किया समाधान

मिशन शक्ति

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

- बालिकाओं को खुलकर बोलने व चुप्पी तोड़ने की दी प्रेरणा

अमृत विचार। सरधुवा के मॉडर्न पब्लिक स्कूल में बुधवार को मिशन शक्ति के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। उनको प्रेरित किया गया कि वे किसी भी घटना को लेकर चुप न रहें, खुलकर बोलें और आरोपी को सजा दिलाएं।

प्रभारी निरीक्षक राम सिंह की अगुवाई में एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्हें मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति की विस्तृत जानकारी दी। स्कूल प्रबंधक चंदन पांडेय ने कहा कि पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारतीय संविधान में पुरुष और नारी को समान मौलिक अधिकार मिले हैं। ग्रामीणों महिलाओं को जागरूक करने की आवश्यकता है। सरकार महिलाओं को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है। इस अवसर पर बालकृष्ण विश्वकर्मा, कांस्टेबल राजमणि शर्मा, आरक्षी दुर्गेश , शिक्षक, छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

छात्राओं को बताए हेल्पलाइन नंबर

- पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। यूपी आपातकालीन सेवा 112, वीमेन पॉवर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 नोट कराए। पंफलेट वितरित किए गए और सरकार के बारे में बताया।

विवेचनाओं को समय से पूरा करें

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

बैठक में निर्देश देते पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक की। इसमें उन्होंने विवेचनाओं को समय और पारदर्शिता से पूरा करने की हिदायत दी।

बैठक में एसपी ने सैनिक सम्मेलन करने और समस्याओं की जानकारी कर निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीन माह से अधिक लंबित विवेचनाओं का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए। लंबित आरोप पत्रों को देख नाराजगी जताते हुए एसपी ने इनको एक सप्ताह के अंदर कोर्ट में दाखिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। हत्या, लूट, चोरी आदि के मामलों का जल्द खुलासा किया जाए और सात साल से अधिक सजा के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। इसके अलावा उन्होंने बैठक में एनसीआर व एफआईआर के आरोप पत्र/अंतिम पत्र दाखिला, पोर्टल पर प्रदर्शित लंबित अभियोगों के निस्तारण, लंबित चरित्र सत्यापन, दर्पण डैशबोर्ड, माल निस्तारण,सड़क दुर्घटना आदि के संबंध में भी निर्देश किया। अफसरों को निर्देशित किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जल्द कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर एसपी सत्यपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल, मऊ फहद अली, प्रभारी साइबर सेल निशिकांत राय, वाचक राजीव कुमार सिंह, प्रभारी जनसूचना सेल जयप्रकाश उपाध्याय, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

किसानों को नहीं होनी चाहिए खाद की दिक्कत

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

किसान दिवस पर किसानों की समस्याएं सुनते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन।

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने किसान दिवस के दौरान किसानों की समस्याओं को सुनकर उप निदेशक कृषि राजकुमार से कहा कि किसानों की समस्याओं का संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर निस्तारण किया जाए। उन्होंने सहायक आयुक्त सहकारी समितियों को निर्देश दिए कि किसानों को खाद की समस्या नहीं होनी चाहिए।

उप कृषि निदेशक ने गत माह किसान दिवस की बैठक में उठाई गईं समस्याओं के समाधान एवं अनुपालन आख्या से किसानों को अवगत कराया। बैठक में किसानों ने चकबंदी, विद्युत, हदबंदी, अन्ना गोवंश ,खाद की समस्याएं बताईं। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि समस्याओं का अविलंब समाधान कर अनुपालन आख्या दें। किसानों

- किसान दिवस पर अफसरों को दिये समस्या समाधान के निर्देश

को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। डीएम ने किसानों से अपील की कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दें। जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त सहकारी समितियां को निर्देशित किया कि किसानों ने सबसे ज्यादा खाद की दिक्कत बताई है। सभी साधन सहकारी समितियों में पर्याप्त खाद की व्यवस्था कराई जाए। किसानों को खाद की किसी भी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक से कहा कि जिन किसानों ने बैंक ऋण वापस कर दिया है, उनकी भूमि का बंधक हटवाया जाए। जिला उद्यान अधिकारी को गांव में शिविर लगाकर योजनाओं की जानकारी देने, अधिशासी अभियंता विद्युत कर्वी तथा राजापुर को फुंके ट्रांसफार्मर तत्काल बदलवाए जाने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. एसके पांडेय को निर्देशित किया कि अन्ना गोवंशों को शासकीय गौशालाओं में संरक्षित कराएं कि फसलों का नुकसान न हो। उप निदेशक कृषि ने बताया कि बीज भंडारों पर सभी प्रकार के बीज उपलब्ध हैं। कीटनाशक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। फसलों में नैनो डीएपी, यूरिया का भी प्रयोग करें।

बैठक में जिला विकास अधिकारी श्री सत्य राम यादव, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी एमएल वर्धन, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक आशुतोष शर्मा, जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राम सिंह पटेल, नरेश सिंह, यशवंत सिंह, शैलेंद्र सिंह, राजकिशोर आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम, जीते मेडल

संवाददाता, पहाड़ी चित्रकूट

ऊंची कूद में भाग लेता छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। स्व. लालाभाई पटेल इंटर कालेज कपना इटौरा में क्षेत्रीय बालक/बालिका खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेलकूद में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बहुमुखी प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से की गई। सीनियर बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में राजापुर को, 1500 मीटर दौड़ में सरधुआ, 5000 मीटर दौड़ में नांदी, 800 मीटर दौड़ में सरधुआ के छात्र अव्वल रहे। डिस्कस थ्रो में तेज प्रताप राजापुर प्रथम रहे । जूनियर स्तर बालक वर्ग में 800मी दौड़ नांदी प्रथम, 400 मी. और 100 मी. दौड़ में बछरन के छात्र ने बाजी मारी। शाटपुट गोला फेंक में प्रसन्न नांदी प्रथम, डिस्कस थ्रो में गोलू कपना सबसे आगे रहे। जूनियर स्तर बालिका वर्ग में 100 मी. और 200 मी. दौड़ में राजापुर की प्राची पांडेय ने प्रथम स्थान पाया। 1500 मी. दौड़ में खुशी, 3000 मी. दौड़ में वंदना प्रथम रहीं। प्रधानाचार्य आनंद कुमार ने बताया कि जो प्रतियोगिताएं शेष रह गई हैं, गुरुवार की सुबह आठ बजे से कराई जाएंगी।

आयोजन में सुनील सिंह, संजय यादव, जय सिंह, अजीत कुमार, अमोल सिंह, राजकरन सिंह, रामनारायण साहू, कृष्ण मुरारी पांडेय, श्यामसुंदर यादव, आनंद सिंह, आराधना यादव, आदित्य कुमार, रमेश कुमार, संजय कुमार, अमोल सिंह, महेंद्र सिंह, अवधेश सिंह का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीकेशन व्यायाम शिक्षक बरेठी ने किया।

बच्चों को दें स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की जानकारी

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

- कंपोजिट विद्यालय लोधौरा में मनाया गया स्वच्छता दिवस

अमृत विचार। आकांक्षी ब्लाक रामनगर की ग्राम पंचायत लोधौरा के पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय में ग्लोबल हैंड वाशिंग डे के उपलक्ष्य में स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस मौके पर विधायक मानिकपुर अविनाश चंद्र द्विवेदी ने शिक्षकों को सलाह दी कि वे पढ़ाई के साथ बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में भी बताएं।

इस दौरान छात्राओं ने सरस्वती वंदना की। कार्यक्रम के जिला प्रमुख कृष्णकांत मिश्र ने बताया कि हमारी संस्था विद्यालय के बच्चों को शिक्षा के साथ साथ स्वच्छता के बारे में जागरूक कर उन्हें बीमारी से बचाने का प्रयास कर रही है। विधायक ने कहा कि परिसर में लगे पेड़ों की हरियाली बताती है कि शिक्षकों ने हरा भरा बनाया गया है ऐसा ही भौतिक परिवेश रामनगर के सभी विद्यालयों का हो, यह प्रयास होना चाहिए। उन्होंने बीईओ एनपी सिंह एवं शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय से अनुरोध किया कि वे इस पर ध्यान दें। विधायक ने बेंच खरीद के लिए पांच लाख रुपये विधायक निधि से देने की घोषणा की। इस दौरान भाजपा नेता अर्जुन शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर सिंह, शिवभूषण त्रिपाठी, श्रीनारायण पांडेय, राजू यादव, संजय तिवारी, सुषमा मौर्य, गऊदीन, विनय केशरवानी आदि शिक्षक मौजूद रहे। संचालन प्रमोद द्विवेदी ने किया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

गलती से खाते में आए रुपये, भाई ने निकाले

चित्रकूट। एक शिक्षक की पत्नी के खाते में किसी गलती से 31 लाख रुपये आ गए। आरोप है कि उसका साला ये रुपये निकाल कर भाग गया।

शिक्षक राजबहादुर की पत्नी कमला देवी के बैंक खाते में कहीं से कई किस्त में 31 लाख रुपये आ गए। बताया जाता है कि कमला देवी की पिछले छह महीने से पेंशन नहीं आ रही थी। जब उन्होंने जिला कोषागार में पता किया तो पूरी बात सामने आई। कमला देवी ने बताया कि उनके भाई ओमप्रकाश ने उनसे कहा था कि वह पैसे भेज रहा है। ओमप्रकाश कौशांबी जिले का निवासी है और उसका एक घर चित्रकूट के मऊ थाना क्षेत्र के लालता रोड पर भी है। कमला देवी ने मऊ थाने में तहरीर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके भाई ओमप्रकाश ने सारे पैसे निकलवा लिए और अब वह फरार है। इस संबंध में वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि ट्रेजरी से कुछ खाते बंद किए गए हैं और उनकी जांच चल रही है।

मुआयना करते मंडलायुक्त अजीत कुमार। अमृत विचार

मंडलायुक्त ने व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। मंडलायुक्त अजीत कुमार ने बुधवार को विकासखण्ड कर्वी में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिवरामपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सहकारी खाद केंद्र एवं प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्थाएं देखीं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल व शौचालय व्यवस्था से असंतुष्टि जताते हुए मंडलायुक्त ने चिकित्साधीक्षक को तत्काल सुधार को कहा। उन्होंने मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखी जाने, एक्सरे मशीन सदैव क्रियाशील रखे जाने, किसी मरीज को अनावश्यक रूप से रिफर न किए जाने, टीकाकरण, स्वच्छता व पेयजल की व्यवस्था आदि को लेकर निर्देश दिए। सहकारी खाद केंद्र में प्रभारी जगन्नाथ ने बताया कि केंद्र पर 200 बैग खाद उपलब्ध है पर उनके पास दो अन्य केंद्रों का अतिरिक्त प्रभार है।

दिये निर्देश | धनतेरस , दीपावली, भैया दूज पर्वो को सदभाव से मनाने पर बनी रणनीति

प्रेम व सौहार्द से मनायें दीपावली का पर्व

संवाददाता, कालपी जालौन

पीस कमेटी की मीटिंग में मौजूद एसडीएम व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

- एसडीएम की अध्यक्षता में पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित

अमृत विचार। आगामी पांच दिवसीय त्योहार दीपावली धनतेरस भैया दूज, गोवर्धन पूजा के त्योहारों को देखते हुए तमाम गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। इसमें सांप्रदायिक सदभाव एवं भाईचारे की भावना से त्योहारों को मनाने की अपील की गई ।

बुधवार को कोतवाली कालपी के सभागार में क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा की यह त्योहार सौहार्द का त्योहार है। इसमें लोग कुरीतियों से बचें और आपसी प्रेम से दीपावली का त्योहार मनायें। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि दीपावली पर्व के अवसर पर प्रशासन के द्वारा पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। उन्होंने नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला को निर्देश दिए कि त्योहारों में भीड़ भाड़ की वजह से बाजारों, धर्म स्थलों के आसपास तथा सार्वजनिक स्थलों के आसपास की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाये। क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जायेंगे। बैठक में नीलाभ शुक्ला, कपिल शुक्ला सभासद, राकेश यादव सभासद, एनुल हसन मंसूरी, कमर अहमद, राकेश पुरवार, शिव बालक यादव, जावेद लोहिया, कन्हैया मिश्रा, रिंकू गुप्ता, कुलदीप यादव(दीपू)आदि ने गोष्ठी में प्रतिभाग कर कालपी पुलिस का सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

फरार चल रहा वारंटी दबोचा गया

कालपी। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत ज्ञान भारती चौकी पुलिस के द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी युवक को बुधवार को गिरफ्तार करके विधिक कार्यवाही की गई है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सरसेला निवासी आरोपी रामू के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा चल रहा था। न्यायालय में हाजिर न होने के कारण अदालत के द्वारा गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया था। ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज विपिन कुमार, सिपाही रणजीत सिंह की पुलिस टीम ने आरोपी युवक रामू को उसके ही घर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

दीपावली को देखते हुए जीआरपी ने चलाया चेकिंग अभियान

संवाददाता कालपी जालौन

स्टेशन परिसर में लोगों के सामान को चेक करती टीम। अमृत विचार

अमृत विचार। कालपी में दीपावली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।

त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों के लिए यात्रा करते हैं, इसलिए रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। जीआरपी कालपी द्वारा स्टेशन पर आए हर यात्री के बैग की चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के लिहाज से कई अन्य कदम उठाए गए हैं। रेलवे का उद्देश्य है कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच सकें। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं जो यात्रियों की सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा, स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं जो हर गतिविधि पर नजर रखते हैं। रेलवे का यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। जीआरपी कालपी चौकी प्रभारी संजना सिंह ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु को देखकर तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को सूचित करें।

अमृत विचार
गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

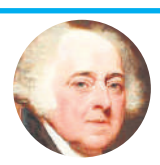

ताकत हमेशा सोचती है कि उसकी आत्मा महान है और उसके विचार कमजोर लोगों की समझ से परे हैं।
–जॉन एडम्स, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

दुर्घटना प्रसूत प्रश्न

जैसलमेर की भयावह बस दुर्घटना ने इस प्रश्न को पुनः केंद्र में ला दिया है कि वातानुकूलित स्लीपर बसें आग का गोला क्यों बन रही हैं। महाराष्ट्र और गुरुग्राम में ऐसी घटनाएं पहले भी घट चुकी हैं। हादसे के बाद जांच और बयान तो होते हैं, लेकिन इनके कारकों को दूर करने की कोई कोशिश नहीं होती। न तो निर्माण मानकों में सुधार होता है, न ही संचालन प्रणाली में। अधिकतर वातानुकूलित स्लीपर बसें निजी 'बॉडी बिल्डरों' द्वारा इस उद्देश्य से बनाई जाती हैं कि अधिकतम सवारियों के लिए जगह बने, ताकि खरीददार अधिक किराया और मुनाफा कमा सके। ऑपरेटर भी बसों को 'शानदार' दिखाने की होड़ में तय मानकों को ताख पर रख सुरक्षा की जगह क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए मूल डिजाइन में बदलाव के साथ अतिरिक्त बर्थ, नकली एयर-कूलिंग पाइप और कई गैरजरूरी दिखावटी मनमाने मॉडिफिकेशन करवाते हैं। बसों में प्रयुक्त इंटीरियर और अन्य सामग्रियां ज्वलनरोधी होनी चाहिए, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, जबकि इनसे निकला जहरीला धुआं जानलेवा होता है। मानक के अनुसार हर बस में दो निकास द्वार और छत पर आपातकालीन खिड़कियां अनिवार्य होनी चाहिए, परंतु अक्सर ये नहीं होतीं। आवाजाही की गैलरी भी बेहद संकरी होती है।

बिजली की अवैज्ञानिक वायरिंग, एयर-कंडीशनिंग सिस्टम की खराब देखभाल, सस्ती बैटरियों और घटिया इन्वर्टरों के इस्तेमाल के चलते एसी स्लीपर बसें लगातार असुरक्षित होती जा रही हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 2018 में बने 'बस बॉडी कोड' के तहत अग्निरोधी सामग्री, इमरजेंसी एग्जिट और फायर सप्रेशन सिस्टम का प्रावधान है, लेकिन इन मानकों को लागू करने की फिक्र किसे है। दरअसल, बसों के वास्तविक और कड़ाई से निरीक्षण का कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, इसलिए यह लापरवाही बेरोकटोक जारी है। चीन ने तो तकरीबन डेढ़ दशक पहले ही अपने यहां स्लीपर एसी बसों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन भारत में ट्रेनों में सीट मिलने की अनिश्चितता और हवाई सफर के महंगा होने के कारण यह विकल्प शायद ही बंद किया जा सके।

इंसानी मौतों की कीमत पर यह विकल्प जारी रखना ही है, तो हमें अब सख्त कदम उठाने होंगे। सभी स्लीपर बसों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, दो आपातकालीन निकास और ज्वलनरोधी सामग्री को अनिवार्य किया जाए। आरटीओ और बीमा कंपनियों को बिना इन मानकों के बसों को सड़क पर उतरने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। दूरस्थ राजमार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त बसों के लिए त्वरित राहत संभव नहीं होती, इसलिए बस निर्माण और संचालन दोनों में हवाई जहाज या मेट्रो ट्रेनों की तरह पूर्व-सुरक्षा उपायों के अंतरगत हर एसी बस की वार्षिक अग्नि-सुरक्षा जांच अनिवार्य करनी चाहिए। आरटीओ की जांच केवल कागजी खानापूरी बनकर न रह जाए। जब दुर्घटनाओं के कारण बार-बार एक जैसे निकलते हों, ये सारी कवायदें की जानी चाहिए? फिलहाल राज्य के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजा राशि घोषित कर दी, लेकिन क्या यही पर्याप्त है?

प्रसंगवश

लेखक, जिसने गढ़े उम्मीदों से भरे शब्द

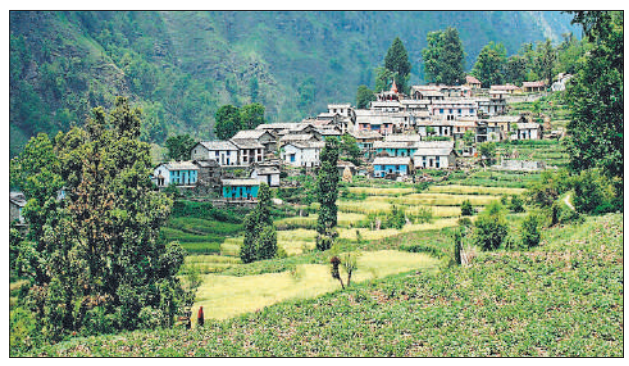

साहित्य जब अपने नैतिक पतन की परिस्थितियों से जूझ रहा हो, तब उसके हिस्से 'नोबेल प्राइज' के आने का मतलब है, साहित्य लेखन को नए सिरे से रिर्चाज करना। नाउम्मीदी और निराशा के बीच उम्मीदों को शब्दों से उकेरने वाले विश्व विख्यात लेखक को इस मर्तबा नोबेल से नवाजने का एलान सुखद एहसास करवाने जैसा है। साहित्यक संसार हंगरी के राइटर 'लास्जलो क्रास्नाहोरकाई' को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा से इसलिए खुशी जता रहा है कि उन्होंने नाउम्मीदी और हताशा को मिटाने के लिए मुकम्मल प्रयोगों पर अपनी लेखनी के जरिए ऐसा नायाब तरीका गढ़ा, जिसने साहित्यक विधा को नई उचाईंयां प्रदान कीं। उनके विजनरी लेखन ने सफलता और कयामत के ऐसे बेजोड़ आयाम गढ़े हैं, जो भविष्य के रुचिकर भावी रचनाधर्मियों को साहित्यक पन्नों को उकेरने में मदद करेंगे।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

5 जनवरी 1954 को हंगरी के छोटे से शहर 'ग्युला' में जन्मे लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को बचपन से साहित्य से प्यार था, कम उम्र से ही लेखन कार्य आरंभ कर दिया था। उन्होंने अपनी तमाम शिक्षा साहित्य विषय में पूरी की। निराशा से कैसे उभरें और अपने भीतर पनपे नकारात्मक पक्ष को कैसे सेतु बनाकर सकारात्मक दृष्टि में तब्दील करें, को अपनी रचनाओं में प्रयोग किया, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। नए-नए शब्दों को गढ़ना और उनके शाब्दिक अर्थों को साहित्य में इस्तेमाल करने की रचनात्मक क्षमताओं को आंक कर ही वैश्विक बुद्धिजीवियों ने नोबेल सम्मान देने का निर्णय किया। पुरस्कार के एलान के बाद तुरंत स्वीडिश एकेडमी का ये कहना कि नोबेल पुरस्कार लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को व्यक्तिगत तौर पर नहीं, बल्कि उनके प्रभावशाली व विजनरी लेखन को समर्पित किया गया। लेखक के लिए एकेडमी ने बिल्कुल सटीक आकलन किया। हंगरी के नाम ये दूसरा नोबेल प्राइज है, इससे पहले वर्ष-2002 में एक और राइटर 'इमरे जींस केर्टेस्ज' को मिला था।

बहरहाल, क्रास्जनाहोरकाई को उनकी दूरदर्शी, सर्वनाशकारी और दार्शनिक कृतियों के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। उन्हें करीब 10 करोड़ और तीन लाख रुपये बतौर पुरस्कार के तौर पर मिलेंगे। अभी मिले नहीं हैं, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने उस राशि को हंगरी के 'साहित्यक डेवेलपमेंट विंग' को देने की घोषणा कर दी है। उस धनराशि का पुस्तकालय बनें, ऐसी इच्छा क्रास्नाहोरकाई ने जताई है। क्रास्नाहोरकाई को उनकी सरल सादगी के लिए दुनिया जानती है। साहित्य, दो वक्त की रोटी, बेहद सामान्य जीवन के सिवा और कुछ उन्हें नहीं चाहिए? लास्जलो मौजूदा वक्त में यूरोपीय साहित्य के उन दुलर्भ, अलहदा और बिरले लेखको में शुमार हैं, जिन्होंने हताशा के मध्य सफलता की नायाब भाषा को गढ़ा है।

नोबेल विजेता क्रास्नाहोरकाई की लेखनी सदैव जीवित इंसान के अंत और नैतिक पतन की परिस्थितियों में मेल खाती हैं। साहित्यक लेखन में बदलाव की दरकार है, नए सिरे से गढ़ने की आधुनिक समय में जरूरत है, जिसे शिद्दत से क्रास्नाहोरकाई ने अपने रचनाओं में दर्शाया है। नोबेल प्राइज मिलने से पूर्व क्रास्नाहोरकाई को 2015 में 'बुकर इंटरनेशनल' अवार्ड मिला था। वहीं 2019 में अमेरिका का प्रसिद्ध 'नेशनल बुक अवार्ड' से भी नवाजे गए। इसके अलावा तीन दर्जन अवार्ड ऐसे मिले हैं, जो साहित्यिक क्षेत्र में बड़े माने जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कारों की राशि उन्होंने औरों में बांटी, अपने पास कुछ भी नहीं रखा।

देवभूमि के गांवों में फिर जलें खुशियों के दीप

अमित शर्मा
हल्द्वानी

नौ नवंबर 2025 को हमारा उत्तराखंड 25 साल का हो जाएगा। इस लंबे अंतराल में इस छोटे से पर्वतीय राज्य ने तमाम उतार-चढ़ाव देखे। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य और केंद्र सरकार ने तमाम योजनाओं से लोगों की आर्थिकी को बेहतर करने का प्रयास किया और कर भी रही है, लेकिन भौगोलिक दुर्गम परिस्थितियां तो कहीं अन्य कारणों से, आज भी मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों की कमी अक्सर देखी जाती है। ऊपर से वर्ष के छह महीनों में आपदा कब अपना रौद्र रूप दिखा दे, कुछ नहीं कहा जा सकता। राजनीति के तरकश में कहने को तो कई तीर होंगे, लेकिन तमाम समस्याओं को समेटे एक बड़ा मुद्दा जो संवेदनशील बना, वह पलायन रहा।

यह प्रार्थना करना बहुत जरूरी है कि देवभूमि उत्तराखंड उसी अपने दिव्य-भव्य स्वरूप में लौट आए और इस दीपावली उन वीरान दिलों में भी खुशियों के दीप जलें, जो कभी देवभूमि के गांवों में खिलखिलाते थे। राज्य स्थापना दिवस को मनाना भी तभी सार्थक होगा और इसका असली मकसद भी तभी पूरा माना जाएगा, जब सुविधाओं के अभाव और रोजी-रोटी की तलाश में अपनी मातृ भूमि को त्याग कर गया हर एक व्यक्ति वापस पहाड़ों को लौट आए, यानी रिवर्स पलायन की रफ्तार और तेजी पकड़े।

जब भी कोई खास त्योहार आता है, तो हमारा प्रयास रहता है कि उसे अपने गांव, शहर, राज्य में अपनों के बीच मनाएं। वहां, जहां की मिट्टी से आज भी जुड़ाव हो, हमारी जड़ें जमी हों, हमारा बचपन बीता हो। स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क न होने जैसी तमाम दुश्वारियों के चलते आज अपनी मिट्टी से अलग हुए और दूसरे राज्यों में नौकरी या व्यापार करने वालों का मन यह सोचकर जरूर दुखी होता होगा कि काश! इस दिवाली हम अपने गांव में अपने ईष्ट मित्रों के साथ मनाते।

उत्तराखंड राज्य में एक समय ऐसा भी रहा, जब मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पलायन के चलते गांवों की सुनसानी ने तेजी पकड़ी। ऐसे वीरान हुए गांवों की लंबी-चौड़ी संख्या रही, जहां कहीं एक भी इंसान न होने पर, जिन्हें आम भाषा में भूतिया गांव भी कहा जाने लगा, तो कहीं पहाड़ों की गोद में बसे गांवों में गिनती भर के लोग रह गए, हालांकि कोरोना आपदा में भी सुखद पहलू यह रहा कि रिवर्स पलायन का चलन तेजी से बढ़ा। पलायन निवारण आयोग भी बनाया गया।

शहरों से अपनी मिट्टी में लौटे पहाड़वासियों के कदम रोके रखने को और अभी भी दूसरे राज्यों/शहरों में रह रहे लोगों को आकर्षित करने के लिए सरकार ने रोजगार सृजन के कई उपाय खोजे। खासतौर से कृषि, बागबानी और स्वरोजगार के माध्यम से, बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके गांव में जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। भले ही वह किसी भी तरह का स्टार्टअप-होम स्टे, सोलर प्लांट, कृषि एवं बागबानी, डेयरी फार्म, पशुपालन, दुकान समेत अन्य व्यवसायों व उद्यमों से जुड़ा रहा हो। एक अनुमान के मुताबिक सरकारी प्रयासों के चलते 5000 से ज्यादा लोगों ने रिवर्स पलायन किया।

यह भी सुखद है कि उत्तराखंड के लिए केंद्र सरकार ने कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। चाहे आपदा का समय हो या रिवर्स पलायन की बात, राज्य और केंद्र सरकार ने मिलकर हर मोर्चे पर बेहतर काम किया। अब आपदा पर तो किसी का बस नहीं है, लेकिन समय रहते उसके प्रभाव को कम तो किया ही जा सकता है, उसी तरह से सरकारी योजनाओं को और लचीला बनाकर और नई योजनाओं को धरातल पर उतारकर रिवर्स पलायन की गति बढ़ाकर राज्य स्थापना दिवस को और दिव्य-भव्य बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है, ताकि पहाड़ के हर गांव में केवल दिवाली ही नहीं, बल्कि होली, फूलदेई, घुघुतिया, हरेला, सातूं-आठूं, घी संक्रांत, चैत्र में झोड़े जैसे पारंपरिक लोक पर्वों को दोबारा से जीवंत किया जा सके।

पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं और अपना स्वरोजगार अपनाकर सुकून का जीवन यापन कर रहे हैं। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रहना कोई आसान नहीं है और पहाड़ों से पलायन का दौर भी कोई नई बात नहीं है। यह स्वतंत्रता के बाद से ही शुरू हो चुका था, लेकिन इसमें तेजी 80 के दशक से आई। पलायन की सबसे बड़ी समस्या बुनियादी सुविधाओं का नितांत अभाव रहा। खेती बाड़ी पर जीवन निर्भर हुआ करता था। इसके अलावा किसी दूसरे रोजगार की कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। शिक्षा, चिकित्सा व रोजगार भी पलायन का एक बड़ा कारण रहा, जिसके चलते समय के साथ गांव के गांव खाली होते चले गए और यह दूर अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी जारी है, लेकिन अब स्थितियां बदलने लगी हैं।

नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा व चंपावत जिले के समीपवर्ती क्षेत्रों से पलायन कर चुके लोग वापस लौटने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह सड़क, पानी व बिजली जैसी सुविधाओं का विकास है। साथ ही, आजीविका के लिए पर्यटन अब सबसे बड़ा सहयोगी बनकर उभरा है, जिसने घर से कोसों दूर लोगों को महानगरों से वापस लौटने के लिए मजबूर किया है। इसके अलावा यहां के प्राकृतिक उत्पादों के श्रोत भी शामिल हैं, जिनमें फल, दालें और जड़ी-बूटियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। साथ ही, अनेक सरकारी योजनाएं हैं, जो पलायन रोकने के साथ लोगों को घर वापसी को बाध्य कर रही हैं। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गईं ऋण योजनाएं भी इसमें काफी सहायक बनी हैं, जिनमें सब्सिडी के साथ ऋण उपलब्ध होता है। साथ ही, मुद्रा ऋण योजना भी आर्थिक रूप से सहयोगी साबित हुई है।

पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं।

आमने

पिछले लंबे समय से दिल्ली एनसीआर को दीपावली के पावन पर्व पर पटाखों से वंचित रखा जाता था? एक ही धर्म के ऊपर ऐसा अत्याचार क्यों किया जा रहा था? जबकि पूरी दुनिया में इजाजत है। मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करता हूं।
–मनजिंदर सिंह सिरसा
पर्यावरण मंत्री, दिल्ली

सामने

बीजेपी सरकार प्रदूषण को लेकर सिर्फ बयानबाजी कर रही है। गाड़ियों और पराली के प्रदूषण को कैसे रोकेंगे यह किसी को नहीं पता। जब पटाखे नहीं आए थे, तब क्या दिवाली नहीं मनाई जाती थी? चार इंजन की सरकार को प्रदूषण रोकने पर ध्यान देना चाहिए। **–गोपाल राय**, आप नेता

गहरी हैं भारत-अफगानिस्तान संबंधों की जड़ें

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोलवी अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा ने पुरानी दोस्ती में नई जान फूंक दी है। मुत्तकी राजधानी दिल्ली आए थे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। यह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को 'साझा खतरा' बताया, जबकि तालिबान ने 2025 के पहलगाम हमले की निंदा की।

भारत-अफगानिस्तान संबंध शताब्दियों की परीक्षा से गुजरे हैं। प्राचीन बौद्ध विरासत से आधुनिक बुनियादी ढांचे तक, ये बंधन लचीले साबित हुए। मुत्तकी की यात्रा मानवतावादी सहायता को कूटनीतिक संवाद में बदलने का अवसर है। जैसे अशोक के शिलालेख आज भी बोलते हैं। दोनों देशों को आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसे साझा मुद्दों पर एकजुट होना होगा। यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए जरूरी है, बल्कि साझा इतिहास की मांग भी है।

मुत्तकी की यह यात्रा केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि भारत-अफगानिस्तान के गहन ऐतिहासिक बंधनों की याद दिलाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक विकास परियोजनाओं तक, ये संबंध सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक धागों से बुने गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे। सिंधु घाटी सभ्यता (लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व) के अवशेष अफगानिस्तान के उत्तरी भागों में भी मिलते हैं, जो व्यापारिक मार्गों के माध्यम से जुड़े हुए थे।

चंद्रगुप्त मौर्य के समय (305 ईसा पूर्व) यह संबंध औपचारिक रूप ले चुके थे। सेल्यूकस निकेटर ने अफगान क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिया, बदले में 500 हाथी और वैवाहिक संबंध प्राप्त किए। सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) ने अफगानिस्तान को बौद्ध धर्म का केंद्र बनाया। कंधार में उनके शिलालेख आज भी मौजूद हैं, जो धम्म के प्रचार की गवाही देते हैं। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भी, इंडो-ग्रीक और कुशान साम्राज्यों ने इस क्षेत्र को भारतीय उपमहाद्वीप से जोड़े रखा। कुषाण शासक कनिष्क (मध्य पहली शताब्दी) ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित किया, जिसका प्रभाव गंधार कला में दिखता है।

ये प्राचीन संबंध केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक थे। व्यापार मार्गों ने मसाले, रत्न और विचारों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया, जो आज भी दोनों देशों की साझा विरासत को दर्शाता है। मध्यकाल में अफगानिस्तान भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों रहा। 10वीं शताब्दी से गजनवी, गौरी, खिलजी, लोदी और मुगल जैसे अफगान मूल के वंशों ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किए, जो राजनीतिक उथल-पुथल लाए, लेकिन सांस्कृतिक समन्वय भी। महमूद गजनवी (998-1030) के आक्रमणों ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, लेकिन उन्होंने फारसी साहित्य और वास्तुकला को भारत में रोपा। गौरी वंश (12वीं शताब्दी) ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी, जो अफगान शासकों द्वारा संचालित थी।

मुगल काल (1526-1858) में यह संबंध और गहरा हुआ। बाबर, अफगान मूल का था। 18वीं शताब्दी में अहमद शाह दुर्रानी ने अफगान साम्राज्य स्थापित किया, जिसने पंजाब तक विस्तार किया, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के सिख साम्राज्य ने इसे रोका। इस काल में आर्थिक लेन-देन फला-फूला। अफगानिस्तान के सूखे मेवे, घोड़े और ऊनी वस्त्र भारत पहुंचे, जबकि भारतीय वस्त्र और मसाले अफगान बाजारों में बिके। सांस्कृतिक रूप से, सूफी संतों जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) ने दोनों क्षेत्रों को जोड़ा, हालांकि आक्रमणों ने तनाव पैदा किया, लेकिन ये संबंध विनाशकारी नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी साबित हुए।

19वीं शताब्दी में ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने इन संबंधों को नया मोड़ दिया। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत पड़ोसी थे, लेकिन 'ग्रेट गेम' में रूस के साथ ब्रिटेन की होड़ ने अफगानिस्तान को बफर राज्य बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान के साथ 1950 में 'मैत्री संधि' पर हस्ताक्षर किए, जो शांति और राजनयिक संबंधों की गारंटी थी। 1973 में मोहम्मद दाऊद खान के गणतंत्र को मान्यता दी गई, लेकिन 1979 के सोवियत आक्रमण ने संबंधों को जटिल कर दिया। भारत ने सोवियत-समर्थित सरकार को मान्यता दी। मुजाहिदीन को पाकिस्तान का समर्थन था, जिससे भारत-पाक तनाव बढ़ा। 1989 में सोवियत वापसी के बाद नागरिक युद्धों में भारत ने नजीबुल्लाह सरकार का साथ दिया।

दोनों देशों के 1996-2001 में तालिबान शासन के दौरान संबंध बेहद खराब हो गए। बेशक,1999 के इंडियन एयरलाइंस अपहरण कांड ने तनाव बढ़ाया। तालिबान द्वारा बामियान बुद्धों का विध्वंस भारत में आक्रोश का कारण बना। 2001 के अमेरिकी आक्रमण के बाद संबंध पुनर्जीवित हुए। भारत ने तीन अरब डॉलर से अधिक की अफगानिस्तान की सहायता दी।

भारत-अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे।

सोशल फोरम

सिले हुए धागे जैसा लंबा फैला हुआ शहर

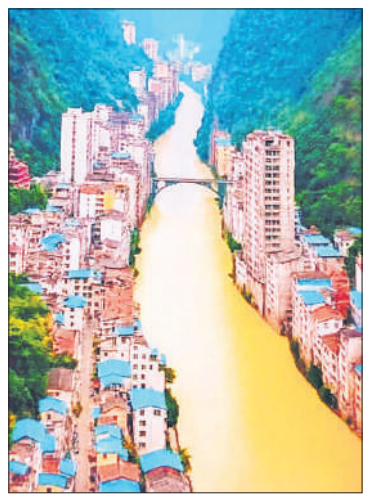

यानजिन, चीन का एक ऐसा शहर जिसे पृथ्वी पर सबसे पतला शहर कहा जा सकता है। दो खड़ी पहाड़ी दीवारों के बीच कसकर बसा और नानक्सी नदी को गले लगाता हुआ खूबसूरती से भरा शहर।

यानजिन एक शहर से ज्यादा एक रिबन जैसा दिखता है। कुछ जगहों पर, यह मुश्किल से 30 मीटर चौड़ा है, फिर भी यह घाटी में सिले हुए धागे की तरह लंबा फैला हुआ है।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

यहां घर ऊंचे-ऊंचे बने हैं, सड़कें सिंगल लेन की हैं और जगह? यह एक विलासिता है, लेकिन यहां के लोग ऊर्ध्वाधर जीवन, लटके हुए रास्तों और स्मार्ट सिटी प्लानिंग के साथ इसे संभव बनाते हैं, जो हर चीज को कल्पनीय रूप से सबसे छोटे पदचिन्ह में फिट करता है।

यहां के लोग इस सीमित जगह में ऊर्ध्वाधर (vertical) रूप से इमारतें बनाकर और स्मार्ट सिटी प्लानिंग का उपयोग करके रहते हैं। यह अपनी अनोखी बनावट के कारण पर्यटकों और फोटोग्राफरों के लिए एक दिलचस्प जगह बन गया है। हर साल बड़ी संख्या में यहां लोग आते हैं।

ऊपर से देखने पर, यानजिन एक पोस्टकार्ड में सिमटे हुए शहर जैसा अवास्तविक लगता है। यह जिज्ञासु यात्रियों और उन फोटोग्राफरों के लिए एक छिपा हुआ रत्न बन गया है, जो ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जो नियमों का पालन नहीं करतीं।

एक सच्ची याद दिलाता है- आपको एक पूरा जीवन बनाने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए।

सामयिकी

नारी का तिरस्कार करती वोट की राजनीति

2023 में पारित हुए महिला आरक्षण बिल को भले ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया गया हो, पर सच ये है कि सियासत में नारी की शक्ति का सम्मान नहीं, इस्तेमाल दिखाई देता है। अपमान, शोषण, तिरस्कार और नारी को कमजोर और प्रलोभन में आने वाला समझने की भूल कर रहे हैं राजनीतिक दल। भले ही देशभर की ज्यादातर परीक्षाओं में लड़कियां बाजी मारती रही हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के पैमाने में महिलाएं सिर्फ एक वोट बैंक हैं, जो रेवड़ियों के प्रलोभन में चुनावी बेड़ा पार लगा सकती हैं।

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण के नाम पर चुनाव से पहले महिलाओं को रेवड़ियों की तरह कैश बांटने की घोषणा होती है। अब तो ये आलम है कि चुनावी तारीखें की घोषणा यानी आचार संहिता से महीने-दो महीने पहले महिलाओं को रकम बांट दी जाती है। जैसा कि हालिया बिहार चुनाव की घोषणा से पहले नीतीश सरकार ने महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपये डाल दिए। बिहार सरकार इस मद में पांच हजार करोड़ का खर्च महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए कर रही है, या चुनाव से महीना-दो महीना पहले दी गई ये राशि महिलाओं का वोट हासिल करने का चारा है? इस सवाल का जवाब कई सवालों के जवाबों से मिलेगा। प्रश्न कई हैं। चुनाव के पहले ही महिला सशक्तिकरण की याद क्यों आती है। बेरोजगार युवकों की भरमार में युवकों के स्वरोजगार की फिक्र क्यों नहीं?

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

क्या महिला स्वरोजगार सृजित करने का कोई मानक निर्धारित होता है। विभिन्न सूबों में इस तरह की चुनावी योजनाओं में धन वितरण के बाद क्या इस बात की समीक्षा रिपोर्ट पेश की गई कि महिलाएं स्वरोजगार इत्यादि में कितना आगे बढ़ीं! देश और प्रदेशों पर दिनों-दिन कर्जा और रेवड़ियों की तरह कैश बंटने का रिवाज साथ-साथ बढ़ता जा रहा है। दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात, बिहार इत्यादि राज्यों में महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर महिला वोट बैंक का लाभ लेने के लिए खूब सच्ची-झूठी घोषणाएं होती रहीं। चुनावी प्रलोभन में हजारों करोड़ का कैश बांटने का रिवाज थमने का नाम नहीं ले रहा है। न इसमें चुनाव आयोग आपत्ति कर रहा है और न ही इस चुनावी रिवाज पर कोई दमदार तरीके से न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहा है।

बड़ा सवाल ये है कि पुरुष प्रधानता में अव्वल राजनीतिक दल महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा अधिक प्रलोभन का शिकार बनाना चाहते हैं। क्या ये समझते हैं कि महिलाएं प्रलोभन में आसानी से आ जाती हैं! शिक्षा से लेकर योग्यता और प्रतिभा के पैमानों में पुरुषों से चार कदम आगे चलने वाली महिलाओं को क्या वोट की ताकत का अंदाजा नहीं, जो वे रेवड़ियों के प्रलोभन से प्रभावित हो जाएंगी! चुनावों से पहले महिलाओं के खाते में चंद हजार रुपये डाल देने से क्या वाकई नारी सशक्तिकरण हो जाएगा?

पुरुष प्रधान सियासतदानों ने महिलाओं को मजाक समझ लिया है। सत्ता बनाने में पुरुष और महिलाओं की वोटिंग का योगदान फिफ्टी-फिफ्टी है, लेकिन सियासत में हिस्सेदारी पंद्रह फीसदी भी नहीं। आजादी के सात दशक बाद 33% महिला सीटें आरक्षित करने वाला विधेयक पास भी हुआ, तब भी जनगणना/परिसीमन इत्यादि के तकनीकी कारणों से इसे लागू होने में अरसा लग जाएगा। पंचायती राज संस्थाओं (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद) में महिलाओं के लिए पहले से ही 33% सीटें आरक्षित हैं, पर किस तरह पुरुष अपनी पत्नी या मां इत्यादि को डमी की तरह इस्तेमाल कर पूरी राजनीति और पदों पर अप्रत्यक्ष रूप से काबिज रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

प्रॉम्प्ट इंजीनियर से बनाएं एआई में भविष्य

यह सच है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते उपयोग के साथ बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एआई उनकी नौकरियों को खतरे में डाल सकता है। यह एक सामान्य चिंता है, लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है। दरअसल, एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी, टास्क ऑटोमेशन, डेटा प्रोसेसिंग और अन्य एआई-संचालित टूल्स की मदद से काम करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एआई इंसानों की जगह ले सकता है, बल्कि यह कह सकते हैं कि एआई इंसानों के काम करने के तरीके को और भी स्मार्ट व प्रभावी बना रहा है। एआई टूल्स को भी कुछ दिशा-निर्देश देने होते हैं। इन दिशा-निर्देशों को प्रॉम्पट कहा जाता है और अच्छा प्रॉम्प्ट लिखकर एआई से आसानी से काम करवाया जा सकता है। इसलिए अच्छा प्रॉम्प्ट लिखने के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियर की जरूरत पड़ती है और आज मार्केट में प्रॉम्प्ट इंजीनियर की मांग तेजी से बढ़ रही है। आइए आपको बताते हैं क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियर और इसमें अपना करियर कैसे बना सकते हैं। *-फीचर डेस्क*

क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

- प्रॉम्प्ट इंजीनियर का मतलब है एआई को ऐसे निर्देश देना कि वह हमारी जरूरत के हिसाब से सही और उपयोगी कंटेंट दे सके। उदाहरण के लिए अगर आप चैट जीपीटी से ब्लॉग पोस्ट या मार्केटिंग कंटेंट बनवाना चाहते हैं, तो सही प्रॉम्प्ट देने से ही एआई आपकी स्टाइल और टोन में काम को तैयार करेगा। इस कोर्स में आप सीखते हैं कि कैसे एआई को निर्देश दें, कैसे डेटा को सही तरीके से इनपुट करके और मनमुताबिक रिजल्ट पाएं। साथ ही इसमें एआई की सीमाओं और एथिकल यूज के बारे में भी सिखाया जाता है, ताकि आप जिम्मेदारी से एआई का इस्तेमाल कर सकें।

कोर्स करने के फायदे

- प्रोफेशनल स्किल्स में सुधार : प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखकर आप न केवल एआई टूल्स का सही उपयोग करना सीखेंगे, बल्कि आपको डेटा को सही तरीके से इनपुट करने और एआई के द्वारा दिए गए परिणामों को अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रयोग करने कर सकते हैं।

करियर के नए अवसर

- एआई क्षेत्र में करियर बनाने का यह एक बेहतरीन मौका है। प्रॉम्प्ट इंजीनियर बनने से आप न केवल नए तकनीकी क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर सकते हैं, बल्कि बढ़ते हुए एआई उद्योग का हिस्सा भी बन सकते हैं।

सही प्रॉम्प्ट का प्रभाव

यदि आप चैटजीपीटी से ब्लॉग पोस्ट, मार्केटिंग कंटेंट या कोडिंग के लिए मदद लेना चाहते हैं, तो सही तरीके से प्रॉम्प्ट देना जरूरी होता है। बिना सही प्रॉम्प्ट के एआई से अपेक्षित रिजल्ट नहीं मिल पाता। यह जैसे एक निर्देश देने का सही तरीका है।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का महत्व

एआई की सीमाएं और एथिकल यूज

- सही प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखने से आप यह भी समझ सकते हैं कि एआई का सही और नैतिक तरीके से इस्तेमाल कैसे किया जाए। एआई से गलत या असंवेदनशील जानकारी प्राप्त करने से बचने के लिए इस क्षेत्र में एथिकल गाइडलाइंस पर भी ध्यान दिया जाता है।

कैसे करें प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कोर्स

- अब इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के लिए कई प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं। कोर्सेरा, उडेमी और लिंक्डइन लर्निंग : ये प्लेटफॉर्म्स शुरुआत से लेकर एडवांस्ड स्तर तक के कोर्सेस ऑफर करते हैं और आपको सर्टिफिकेट भी प्रदान करते हैं।

आईआईटी शॉर्ट टर्म कोर्सेज

- कुछ प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई और एमएल से जुड़े कोर्सेज भी पेश करते हैं। आईआईटी का 6 महीने का एआई एमएल कोर्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई सकता है।

करियर में संभावनाएं

ग्रेट लर्निंग, अपग्रेड और स्किल शेयर

ये प्लेटफॉर्म्स भारत में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कोर्सेस प्रदान करते हैं, जिनसे आप अपने समय के अनुसार ऑनलाइन अध्ययन कर सकते हैं।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग से करियर में संभावनाएं

एआई के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं नजर आ रही है।

कंटेंट क्रिएटर्स

जो एआई टूल्स का उपयोग करके कंटेंट बनाने में मदद ले सकते हैं।

प्रोग्रामर्स और डेवेलपर्स

एआई सिस्टम्स के लिए प्रभावी प्रॉम्प्ट डिजाइन कर सकते हैं।

बिजनेस एनालिस्ट्स

डेटा एनालिसिस और रिपोर्ट बनाने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सही स्ट्रैटजी है नेट में सफलता का मूल मंत्र

यूजीसी नेट डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जूनियर रिसर्च फैलो के लिए होने वाली परीक्षा है। हर साल लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं। अच्छी और सही स्ट्रैटजी से तैयारी करने वाले कैंडिडेट्स ही इस परीक्षा में सफल होते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की वेबसाइट पर 7 नवंबर 2025 तक अभ्यर्थी फॉर्म को भरा सकते हैं। हाल ही इसकी परीक्षा तिथि भी आ गई है, जो कि दिसंबर-जनवरी में ऑनलाइन परीक्षा होगी। आज हम आपको इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही स्ट्रैट्जी और टिप्स के विषय में बताएंगे, जिसे अपनाकर आप इस परीक्षा में सफलता हासिल कर सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को समझें

- **परीक्षा पैटर्न :** यूजीसी नेट में दो पेपर होते हैं।
- **पेपर 1 :** यह सभी उम्मीदवारों के लिए सामान्य होता है और इसमें शिक्षण, शोध योग्यता, तर्क क्षमता, डेटा इंटरप्रिटेशन और सामान्य जागरूकता के प्रश्न होते हैं।
- **पेपर 2 :** यह आपके चुने हुए विषय पर आधारित होता है।
- **सिलेबस :** अपने विषय के अनुसार, एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से विस्तृत सिलेबस डाउनलोड कर और प्रत्येक यूनिट को ध्यान से समझें।

टाइम टेबल बनाएं

- **यथार्थवादी लक्ष्य :** अपने सिलेबस को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और दिन, सप्ताह और महीने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें।
- **समय का आवंटन :** पेपर 1 और पेपर 2 दोनों को समान महत्व दें। पेपर 1 की तैयारी रोजाना करें, क्योंकि यह स्कोर बढ़ाने में मदद करता है।

सही अध्ययन सामग्री चुनें

- **मानक पुस्तकें :** अपने विषय के लिए मानक पाठ्यपुस्तकों का चयन करें, जो सिलेबस को अच्छी तरह से कवर करती हों।
- **ऑनलाइन संसाधन :** ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वीडियो लेक्चर और स्टडी मटेरियल का उपयोग करें।
- **सही चयन :** ऑनलाइन समीक्षाएं पढ़ें या टॉपर से सलाह लें कि कौन-सी सामग्री सबसे अच्छी है।

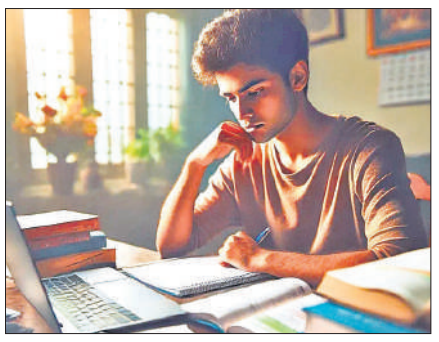

नोट्स बनाएं

- **संक्षिप्त नोट्स :** यूनिट वाइज नोट्स बनाने से आपको कॉन्सेप्ट को बेहतर ढंग से समझने और अंतिम समय में रिवीजन करने में मदद मिलेगी।
- **महत्वपूर्ण बातें :** नोट्स में महत्वपूर्ण तथ्य और परिभाषाएं शामिल करें।

अभ्यास पर ध्यान दें

- **मॉक टेस्ट :** नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें। इससे आपको परीक्षा के माहौल का अनुभव होगा और टाइम मैनेजमेंट में सुधार होगा।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र :** पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र हल करने से आपको प्रश्नों के पैटर्न और महत्वपूर्ण विषयों को समझने में मदद मिलेगी।
- **रिवीजन और विश्लेषण :** डेली रिवीजन : जो भी पढ़ा है, उसका नियमित रूप से रिवीजन करें। इससे सीखी गई बातों को याद रखने में मदद मिलती है।
- **कमजोर क्षेत्रों की पहचान :** मॉक टेस्ट और अभ्यास सत्रों के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें और कमजोर क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दें।

अपडेट रहें और तनाव से बचें

- **करंट अफेयर्स :** पेपर 1 के लिए, उच्च शिक्षा नीति और हाल के घटनाक्रमों पर अपडेट रहें।
- **स्वस्थ रहें :** नियमित ब्रेक लें, अच्छी नींद लें और शांत रहें। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होने से आपकी उत्पादकता बनी रहती है।

जॉब अलर्ट

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

- पद का नाम : ग्रामीण डाक सेवक (कार्यकारी)
- पदों की संख्या : 348
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 35 वर्ष
- अंतिम तिथि : 29-10-2025
- वेबसाइट : ippbonline.com

साउथ इंडियन बैंक

- पद का नाम -जूनियर ऑफिसर
- योग्यता - स्नातक
- अंतिम तिथि - 22/10/2025
- वेबसाइट southindianbank.bank.in

प्रसार भारती

- पद का नाम : ब्रॉडकास्ट एग्जीक्यूटिव, कॉपी राइटर और अन्य
- पदों की संख्या : 59
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.एससी., 12वीं, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 30 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 21-10-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम : 143वां तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई., एम.एससी
- आयु सीमा : 20 से 27 वर्ष
- वेबसाइट : joinindianarmy.nic.in

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)

- पद का नाम : एनटीपीसी (स्टेशन मास्टर, क्लर्क और अन्य)
- पदों की संख्या : 8,850 (एनटीपीसी स्नातक - 5000
- एनटीपीसी स्नातक - 3050)'
- योग्यता : स्नातक, स्नातक (12वीं पास)
- ऑनलाइन आवेदन की आरंभ तिथि : 28 अक्टूबर
- आवेदन की अंतिम तिथि : 20 नवंबर 2025
- वेबसाइट : rrbcdg.gov.in

कुछ यादें-कुछ बातें

यूनिवर्सिटी में मेरा पहला दिन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले दिन को मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। उस दिन से मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। बचपन से ही मैं हमेशा कल्पना करती थी कि विश्वविद्यालय का जीवन कैसा होगा? लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि वास्तविकता मेरी कल्पना से कितनी अलग होगी। एक नए शहर में एक बिल्कुल अपरिचित वातावरण में अपनी शिक्षा शुरू करने से मैं बहुत उत्साहित तो थी, लेकिन थोड़ी घबराई हुई भी थी। शुरू में मैं परिसर के आकार ऐतिहासिक इमारतों और छात्रों से भरे जीवंत माहौल को देखकर हैरान थी। हालांकि इतने बड़े बदलाव के बीच होने से मेरी धड़कनें तेज हो गईं। क्या मैं समायोजित हो पाऊंगी? और क्या मुझे अपनी कक्षाओं में कठिनाई होगी? जैसे सवाल मेरे मन में घूमते रहे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, मुझे एहसास हुआ कि मेरी चिंताएं बेवजह थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मुझे न केवल शिक्षा दी, इसने मुझे आत्मविश्वास, दोस्ती और आज़ादी का एहसास भी दिया। यहां छात्र होने की सबसे अच्छी बातों में से एक आजादी का एहसास है। यहां कोई अनिवार्य यूनिफॉर्म नहीं है और इससे मुझे खुद को और सहजता से अभिव्यक्त करने का मौका मिला। शिक्षा जारी रखने में हमारी मदद के लिए जो भी सहयोग मिला, उसने हमें और मजबूत किया। यहां छात्र होने का मतलब सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्ति बनना भी है। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने नए दोस्त बनाने शुरू किए, जो लोग पहले दिन अजनबी लगते थे, वे जल्द ही मेरे सबसे करीबी साथी बन गए। मेरे दोस्तों की दयालुता और हमारे साथ बिताए अच्छे पलों ने इस सफर को और भी सुखद बना दिया। इसके साथ ही मेरे शिक्षकों का सहयोग भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उनकी मुस्कान और मार्गदर्शन मुझे मेरे परिवार की याद दिलाते थे और जब भी मुझे घर की याद आती थी, मुझे सुकून देते थे। इस गर्मजोशी और दोस्ताना माहौल ने विश्वविद्यालय को न केवल अध्ययन का स्थान, बल्कि दूसरा घर बना दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय मुझे सपनों से परे एक जीवन प्रदान करता है। यहां मुझे जो शिक्षा मिलती है, जो दोस्ती मैं बनाती हूं और जो आजादी मैं अनुभव करती हूं, वह मेरे जीवन में हमेशा एक खास जगह रखेगी। पहले दिन जो घबराहट मुझे हुई थी, वह अब आत्मविश्वास और खुशी में बदल गई है। मैं उन सभी का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मेरा मानना है कि मेरा विश्वविद्यालय जीवन मुझे शक्ति दे रहा है और मुझे भविष्य में और भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार कर रहा है।

अयनाबत हनमेनलियेवा
तुर्किए की छात्रा

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,605 .43	25,323 .55
बढ़त	575 .45	178 .05
प्रतिशत में	0.70	0.71

सोना 1,31,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,82,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

ईवी, बैटरी सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ पहुंचा चीन

नई दिल्ली। चीन ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और बैटरी पर दी जा रही सब्सिडी को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय डब्ल्यूटीओ के समक्ष चीन द्वारा रखी विस्तृत प्रस्तुतियों का अध्ययन करेगा। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चीन ने इसी तरह की याचिकाएं तुर्किये, कनाडा और यूरोपीय संघ के खिलाफ भी दायर की हैं। चीन ने भारत के साथ परामर्श की मांग की है। डब्ल्यूटीओ के नियमों के तहत परामर्श की मांग किसी भी विवाद की समाधान प्रक्रिया का पहला चरण है। यदि परामर्श से समाधान नहीं निकलता है, तो डब्ल्यूटीओ पैनल बनाकर मामले पर फैसला करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकता है।

एक्सिस का लाभ 26% घटकर 5,090 करोड़

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक का चालू वित्त वर्ष की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 26% घटकर 5,089 .64 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले साल की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 6,917 .57 करोड़ रुपये था। बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 13,745 करोड़ रही जो पिछले साल की तुलना में 2% अधिक है। एक्सिस की परिचालन आय जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 3% घटकर 10,413 करोड़ रुपये रह गई।

सात्विक ग्रीन को मिले 689.47 करोड़ के ऑर्डर

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी को सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 689 .47 करोड़ के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने कहा कि ये ऑर्डर कंपनी और उसकी अनुषंगी सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट को मिले हैं। कुल 50 .62 करोड़ के सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति का ऑर्डर सीधे सात्विक ग्रीन एनर्जी को मिला है। इसे नवंबर, 2025 तक पूरा किया जाएगा। वहीं 638 .85 करोड़ के ऑर्डर इसकी अनुषंगी कंपनी सात्विक सोलर को मिले हैं, जिन्हें जून, 2026 तक पूरा किया जाएगा। सात्विक ने घोषणा की कि कई स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों और ईपीसी कंपनियों से सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए कुल 689 .47 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।

नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश

मौद्रिक नीति समिति की हुई बैठक में आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने दिए संकेत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ब्याज दरों में अभी और कटौती की गुंजाइश बताते हुए संकेत दिया कि वांछित प्रभाव के लिए इसे उचित समय पर किया जाएगा। आरबीआई ने 1 अक्टूबर को संपन्न हुई एमपीसी बैठक का ब्योरा बुधवार को जारी किया।

बैठक में गवर्नर ने एमपीसी के पांच अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रेपो दर को 5.50% पर स्थिर रखने के पक्ष में मतदान किया था। इस बैठक में मल्होत्रा ने कहा था कि पूर्वानुमानों में संशोधन के परिणामस्वरूप सकल और प्रमुख मुद्रास्फीति के लिए अनुकूल दृष्टिकोण वृद्धि को और समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश खोलता है। हालांकि, नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश है, लेकिन मुझे लगता है कि यह इसके लिए उपयुक्त समय नहीं है, क्योंकि इसका वांछित प्रभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैं रेपो दर को 5.50% पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान करता हूं। बहरहाल, नीति का उद्देश्य वृद्धि को बढ़ाने वाली परिस्थितियों को सुगम बनाना जारी रखना है।

बैठक में एमपीसी सदस्य और आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के मेल ने नीतिगत दरों को और

कम करने की गुंजाइश पैदा की है। मौद्रिक नीति तय करने वाली एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है। रिजर्व बैंक ने फरवरी से लेकर जून के बीच हुई तीन एमपीसी बैठकों में रेपो दर में कुल मिलाकर 1% की कटौती की थी। उसके बाद अगस्त और अक्टूबर में हुई बैठकों में इसे 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है।

केंद्रीकरण से उत्पन्न जोखिम पर ध्यान देने की जरूरत: स्वामीनाथन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने कहा है कि आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भरता और कुछ ही मंचों तक सेवाओं के केंद्रीकरण से उत्पन्न डिजिटल जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ये वित्तीय प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। स्वामीनाथन ने कहा कि डिजिटल नवोन्मेष भुगतान से आगे बढ़कर समावेश को बढ़ा रहा है। छोटी राशि के बीमा और पेंशन उत्पाद तेजी से डिजिटल मंच के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कम आय वाले परिवारों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने 6 अक्टूबर को डिजिटल नवाचार के माध्यम से वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाना विषय पर हुए कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सीमा पार यूपीआई लिंक धन प्रेषण को तेज, सस्ता और अधिक निर्बाध बना रहे हैं, जिससे औपचारिक चैनल में विश्वास मजबूत हो रहा है। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक में, हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां नवोन्मेष जिम्मेदारी से आगे बढ़ सके। नियामक सैंडबॉक्स, नवोन्मेष केंद्र और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के लिए सक्षम ढांचे जैसे उपायों के जरिये, आरबीआई सुरक्षित, टिकाऊ और ग्राहक-केंद्रित नए समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, हम संचालन, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सुरक्षा पर भी जोर देते हैं, ताकि तकनीकी प्रगति हमेशा वित्तीय प्रणाली में मजबूती और विश्वास के साथ मेल खाए।

महंगाई में नरमी से वृद्धि को गति देने को नीतिगत दर में हो सकती कटौती: क्रिसिल इंटेलिजेंस

कोलकाता। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर अनुकूल स्थिति के साथ मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दर में कटौती कर सकती है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अक्टूबर, 2025 के लिए अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। एमपीसी ने 1 अक्टूबर को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के दौरान नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा और तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखा। रिपोर्ट में कहा गया कि हमारा अनुमान है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति घटकर चालू वित्त वर्ष में 3 .2% हो जाएगी, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 4 .6% थी। मुद्रास्फीति के स्तर पर अनुकूल स्थिति एमपीसी को वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दरों में कटौती करने के लिए प्रेरित कर सकता है। रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की राजकोषीय स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में केंद्र के राजकोषीय घाटे को पिछले वित्त वर्ष के 4 .8% से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद के 4 .4% तक लाने का लक्ष्य रखा है। सरकार की चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार से 6 .77 लाख करोड़ उधार लेने की योजना है, जबकि पहली छमाही में यह 8 लाख करोड़ रुपये थी। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष में सकल बाजार उधारी 5% बढ़कर 14 .7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि व पीएमएफएमई का फायदा उठाएं किसान : सीतारमण

कोप्पल (कर्नाटक), एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए बुधवार को किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का पूरा लाभ उठाने की अपील की।

सीतारमण ने कर्नाटक के कोप्पल जिले में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करते हुए कहा कि नई पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है। सीतारमण ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण

- केंद्रीय मंत्रर ने कर्नाटक में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का किया उद्घाटन

उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष, 2020 से अब तक केंद्र ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।

वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के तहत 24,000 करोड़ का बजटीय प्रावधान है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।

भारत ने रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने सितंबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने में 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो अगस्त की तुलना में 14% कम है। यह जानकारी एक यूरोपीय शोध संस्थान ने दी।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत सितंबर में रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उससे अधिक 5.5 अरब यूरो की खरीद चीन ने की। भारत की रूस से कुल खरीद में कच्चा तेल 77% (2.5 अरब यूरो), कोयला 13% (45.2 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 10% (34.4 करोड़ यूरो) रहा। सीआरईए ने कहा

- सीआरईए के अनुसार रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा भारत

कि पिछले महीने भारत की रूस से कच्चे तेल की आयात मात्रा 16 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो मासिक आधार पर नौ प्रतिशत कम है। यह इस साल फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर भी रहा। सितंबर में आई इस गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सार्वजनिक स्वामित्व वाली तेल रिफाइनरियों ने रूस से आयात करीब 38 प्रतिशत कम कर दिया। यह मई, 2022 के बाद का सबसे कम आयात है। सीआरईए ने कहा कि भारत ने रूस से आयातित तेल का कुछ हिस्सा पेट्रोल और डीजल में बदलकर यूरोप और अन्य जी-सात देशों को निर्यात किया। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लगाने और यूरोप में मांग में कमी के चलते रूस ने अपने कच्चे तेल को भारी छूट पर उपलब्ध कराना शुरू कर दिया था। भारत ने इसका लाभ उठाते हुए रूस से सस्ते तेल का आयात बढ़ाया था। सितंबर में रूस के यूराल्स क्रूड पर ब्रेंट की तुलना में औसतन 5.13 डॉलर प्रति बैरल की भारी छूट रही, जो अगस्त की तुलना में 39% अधिक थी।

निर्यात 6.74% बढ़कर 36.38 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का वस्तु निर्यात सितंबर में 6.74 प्रतिशत बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 16.6 प्रतिशत बढ़ा जिससे व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह व्यापार घाटे का एक साल का सबसे ऊंचा स्तर है।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सोना, उर्वरक और चांदी के आयात में वृद्धि से देश का आयात सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 58.74 अरब डॉलर था। संचयी रूप से अप्रैल-सितंबर में निर्यात 3.02 प्रतिशत

- आयात 16.6% बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर हुआ
- सोना, चांदी व उर्वरक के आयात में वृद्धि से सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर पहुंचा

बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 4.53 प्रतिशत बढ़कर 375.11 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल व्यापार घाटा बढ़कर 154.99 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद भारत का माल एवं सेवा निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निर्यात में वृद्धि के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग मजबूत रहा है।

अमेरिकी शुल्क का विश्लेषण जारी

राजेश अग्रवाल ने कहा कि वे अपनी आपूर्ति श्रृंखला और व्यापारिक संबंध बनाए हुए हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि मंत्रालय अलग-अलग सामान के हिसाब से आंकड़ों का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी भी अमेरिका को होने वाला भारत का 45 प्रतिशत निर्यात उच्च शुल्क के दायरे से बाहर है।

राष्ट्रीय

मुझे सर नहीं कहें, मैं आपका भाई हूं : मोदी

बिहार विस चुनाव को लेकर नमो एप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री ने किया ऑनलाइन संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार की एक महिला बूथ कार्यकर्ता से उन्हें 'सर' के बजाय 'भैया' कहकर संबोधित करने को कहा। उन्होंने बताया कि नारी शक्ति उनकी सबसे बड़ी ताकत, ढाल और प्रेरणा है। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि 14 नवंबर को राज्य में चुनाव के नतीजे घोषित होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत के साथ बिहार एक और दिवाली मनाएगा और यह विजय सुनिश्चित करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चुनावी राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नमो एप के माध्यम से ऑनलाइन संवाद करते हुए, मोदी ने राज्य की महिलाओं से समूहों में बाहर निकल कर मतदान

- मोदी ने महिलाओं से मतदान कर लोकतंत्र के त्योहार को मनाने का किया आग्रह

करने, गाने गाकर और थाली बजाकर लोकतंत्र के इस त्योहार को मनाने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि इस बार, बिहार में दो दिवाली होने वाली है। सबसे पहले, लोगों ने जीएसटी के कारण नवरात्रि के पहले दिन दिवाली मनाई। अब, दिवाली 20 अक्टूबर को है, और हम उसे मनाने जा रहे हैं। लेकिन इस बार, बिहार 14 नवंबर को राजग की जीत का जश्न मनाने के मूड में है। इसमें बिहार की बहनें और बेटियां प्रमुख भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति मेरी सबसे बड़ी ताकत, ढाल और प्रेरणा है। उन्होंने बिहार की सभी बहनों और माताओं से अपील की कि वे समूह में वोट डालने जाएं और लोकतंत्र का त्योहार मनाएं। प्रधानमंत्री ने बिहार में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से 23 अक्टूबर को भाई दूज पर अपने बूथ की सभी बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने और अपने-अपने क्षेत्रों की लखपति और ड्रोन दीदी को सम्मानित करने के लिए भी कहा। मोदी ने बिहार में कार्यकर्ताओं से केंद्र और बिहार की नीतीश कुमार सरकार द्वारा शुरू की योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर जाने को कहा और एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया। मोदी ने भोजपुरी में कार्यकर्ताओं का अभिवादन करने के बाद कहा कि जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।

हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के बूथ कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए।" मोदी ने दावा किया कि आज बिहार का युवा 'जंगल राज' के दौर में क्या हुआ था, उससे अनजान है जब राज्य में नक्सलवाद फैला हुआ था। उन्होंने ज़ोर दिया कि युवाओं को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शासन के संदर्भ में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बिहार भर में लगने वाली उन प्रदर्शनियों में युवाओं को ले जाना चाहिए, जिनमें 'जंगल राज' के दौरान हुए अत्याचारों को दिखाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन लोगों को वापस सत्ता में आने का जोखिम नहीं ले सकते जो नक्सलवाद को फिर से सिर उठाने की अनुमति दे सकते हैं। यह बिहार के लोगों के वोटों की शक्ति है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नजरों से बचाया है।

गीतांजलि याचिका में संशोधन कर वांगचुक के हिरासत को देंगी चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इस बात का संज्ञान लिया कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो याचिका में संशोधन करना चाहती हैं, इसलिए वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने जोधपुर जेल के जेलर के हलफनामे पर गौर किया कि वांगचुक के बड़े भाई और वकील ने बंदी से मुलाकात की थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अनुरोध किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी से कुछ नोट्स के आदान-प्रदान की अनुमति दी जाए। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के कथन पर गौर किया कि उन्हें बंदी द्वारा अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने से कोई समस्या नहीं है। शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और लद्दाख को नोटिस जारी किए थे।

हिजाब विवाद के बाद स्कूल खुला, छात्रा रही अनुपस्थित

कोच्चि, एजेंसी

कोच्चि के पल्लुरुति में चर्च द्वारा संचालित स्कूल छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर विवाद के कारण दो दिन बंद रहने के बाद बुधवार को फिर से खुल गया। स्कूल के सूत्रों ने बताया कि आठवीं की छात्रा स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रही। उसके माता-पिता ने उस पर हिजाब पहनने का दबाव डाला था।

विवाद के मद्देनजर सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार और मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। बुधवार सुबह स्कूल में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया और मीडिया कर्मियों को परिसर में जाने की अनुमति नहीं दी गई। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को दोहराया

- केरल के शिक्षा मंत्री ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को फिर दोहराया

और कहा कि छात्रा हिजाब पहनकर कक्षाओं में तब तक उपस्थित हो सकती है जब तक कि वह और उसके माता-पिता कोई निर्णय नहीं लेते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों के अधिकारों की गारंटी देश और राज्य में संविधान तथा शैक्षिक कानूनों द्वारा दी गई है। हालांकि, स्कूल के अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी ने कहा कि उन्हें इस संबंध में सरकार से कोई आदेश नहीं मिला है। यह स्पष्ट नहीं है कि मंत्री सरकार द्वारा संचालित स्कूलों का जिक्र कर रहे थे या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों का।

50 लाख के इनामियों सहित 77 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/सुकमा, (छत्तीसगढ़) एजेंसी

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शिविर में 32 महिलाओं समेत 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं सुकमा में भी कुल 50 लाख रुपये के 16 इनामी नक्सलियों समेत 27 ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

यह घटनाक्रम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति और 60 अन्य कार्यकर्ताओं के हथियार डालने के बाद हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने 39 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया हैं। इन माओवादियों में पांच डिविजनल कमेटी सदस्य-- प्रसाद ताड़ामी, हीरालाल कोमरा, जुगनू कोवाची, नरसिंह नेताम और नंदे (राजमन मंडावी की पत्नी) हैं। इससे पहले आज दिन में, राज्य के सुकमा जिले में 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिनमें से 16 पर कुल 50 लाख रुपये का इनाम है।

गढ़चिरौली में 61 ने डाले हथियार

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)। शीर्ष नक्सली वेणुगोपाल ने 60 नक्सलियों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाल दिया। अधिकारी ने बताया कि भूपति पर 6 करोड़ का इनाम था। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के समय अपने 54 हथियार भी सौंपे, जिनमें सात एके-47 और नौ इंसास राइफल शामिल हैं। भूपति को प्रभावशाली रणनीतिकारों में से माना जाता है।

सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं

- उच्चतम न्यायालय में केंद्र ने दोषी को फांसी की बजाय घातक इंजेक्शन के इस्तेमाल का नहीं किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि मृत्युदंड की सजा पाए दोषियों को फांसी के बजाय सजा के तौर पर घातक इंजेक्शन लगाने का विकल्प देना 'बहुत व्यावहारिक' नहीं हो सकता। केंद्र की इस टिप्पणी के बाद न्यायालय ने कहा कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें फांसी की सजा पाए दोषियों को फांसी देने के मौजूदा तरीके को कानून से हटाने का अनुरोध था। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि कम से कम एक दोषी को यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वह फांसी चाहता है या घातक इंजेक्शन।

मल्होत्रा ने कहा कि सबसे अच्छा तरीका घातक इंजेक्शन है, क्योंकि अमेरिका के 50 में से 49 राज्यों ने घातक इंजेक्शन को अपना लिया है। घातक इंजेक्शन लगाकर मौत की सजा देना त्वरित, मानवीय और सभ्य है, जबकि फांसी देना क्रूर और बर्बर है, क्योंकि इसमें शव 40 मिनट तक रस्सी पर लटका रहता है। न्यायमूर्ति मेहता ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील को सुझाव दिया कि वह मृत्युदंड की सजा पाए दोषी को विकल्प देने के संबंध में मल्होत्रा के प्रस्ताव पर सरकार को सलाह दें। केंद्र के वकील ने कहा कि इस बात पर ध्यान दिया गया कि यह विकल्प देना व्यावहारिक नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि समस्या यह है कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है, समय के साथ चीजें बदल गई हैं। केंद्र के वकील ने दलील दी कि जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि यह नीतिगत फैसला है और सरकार इस पर फैसला ले सकती है।

कैश-फॉर-वोट मामले में एसीबी का बिछाया जाल अवैध : रेड्डी

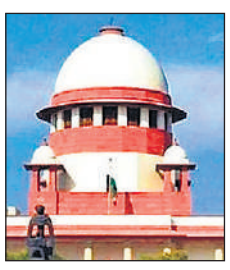

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा बिछाया गया जाल अवैध था, क्योंकि ऐसा बिना प्राथमिकी दर्ज किए किया गया था। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी को 31 मई 2015 को एसीबी ने उस समय गिरफ्तार किया था, जब वे विधान परिषद चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) उम्मीदवार वेम नरेन्द्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रिश्वत दे रहे थे। रेड्डी उस समय तेदेपा में थे। रेड्डी के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष दलील दी कि रिश्वत देने वाले के रूप में उनका अभियोजन कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही जाल बिछाया गया। यह जाल गैरकानूनी है क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत प्राथमिकी दर्ज होने से पहले कोई भी जांच शुरू नहीं हो सकती। न तो कोई जनरल डायरी (जीडी) एंट्री थी और न कोई प्राथमिकी।

आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता : भागवत

अहमदाबाद, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है और अगर लोग यह मंत्र अपनाएं कि मैं सब में हूं और सब मुझमें हैं तो समाज में हिंसा रुक जाएगी। गुजरात दौरे के दूसरे दिन, भागवत गांधीनगर शहर के पास कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र गए और आध्यात्मिक गुरु आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की।

भागवत ने कहा कि मैं हर साल इस जगह आता हूं ताकि अपनी ऊर्जा को पुनः संचारित कर सकूं। संघ की विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता की नींव आध्यात्मिकता

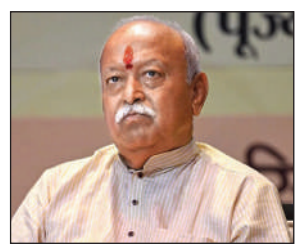

है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है। इसलिए मैं उन स्थानों पर जाता हूं जहां मुझे अपने द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख किया। भागवत ने कहा कि आरएसएस के चल रहे शताब्दी वर्ष में बड़ा आयोजन नहीं होगा क्योंकि हम देश के लिए काम करते हुए 100 साल पूरे करते हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसका जश्न मनाने की कोई जरूरत नहीं है।

स्वर्णिम नंदा

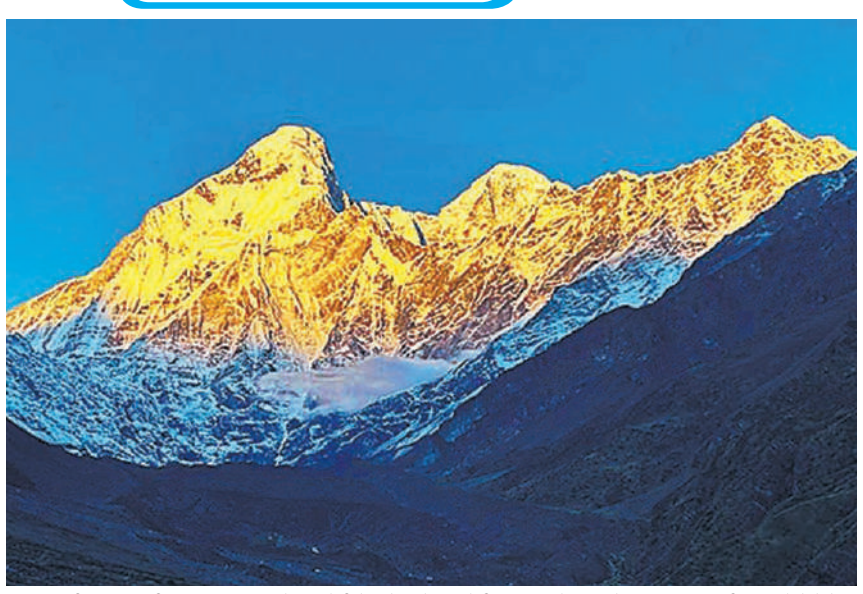

उत्तर भारतीय हिमालयी राज्य उत्तराखंड में नंदा देवी बेस कैंप से नंदा देवी शिखर को सुबह के समय सूरज की किरणों ने ऐसे प्रकाशित किया कि मानो जैसे पूरा पर्वत ही सोने का हो। एजेंसी

इंस्टाग्राम पर पीजी-13 सामग्री तक सीमित रहेंगे बच्चे

- माता-पिता की अनुमति के बिना सेटिंग भी नहीं बदल सकेंगे
- किशोरों का अकाउंट का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग कर रहा मेटा

वाशिंगटन, एजेंसी

इंस्टाग्राम पर किशोरों की पहुंच अब केवल 'पीजी -13' सामग्री तक ही सीमित होगी और माता-पिता की अनुमति के बिना वे अपनी सेटिंग नहीं बदल पाएंगे। मेटा ने मंगलवार को यह घोषणा की।

मेटा ने मंगलवार को एक 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा कि कठोर भाषा वाली, कुछ जोखिम भरे करतब दिखाने वाली और हानिकारक व्यवहार को संभावित रूप से प्रोत्साहित करने वाली सामग्री को छिपाया जाएगा या

अनुशंसित नहीं किया जाएगा। इंस्टाग्राम पर 18 वर्ष से कम आयु के हर व्यक्ति के 'अकाउंट' की 'सेटिंग' स्वतः ही प्रतिबंधित किशोर 'अकाउंट' के रूप में तब तक रहेगी जब तक कि उसके माता-पिता या अभिभावक उसे इसे हटाने की अनुमति न दे दें। किशोरों के अकाउंट' स्वतः ही निजी होते हैं और उनके उपयोग पर कुछ प्रतिबंध होते हैं तथा उन पर अधिक संवेदनशील सामग्री नजर नहीं आती। बच्चे सोशल मीडिया पर 'साइन अप' करते समय अपनी उम्र के बारे में अक्सर झूठ बोलते हैं। मेटा ने इस तरह के अकाउंट' का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि इस साल की शुरुआत में यह सुविधा शुरू करने के बाद से उसने कितने ऐसे 'अकाउंट' का पता लगाया है कि जिसमें नाबालिगों ने अपनी आयु गलत बताई थी।

क्या है पीजी 13

पीजी ('पेरेंटल गाइडेंस' यानी अभिभावकीय मार्गदर्शन) -13 तक पहुंच सीमित होने का तात्पर्य है कि किशोर इंस्टाग्राम पर केवल ऐसी तस्वीरें एवं वीडियो देख सकेंगे जो 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त होते हैं और जिनमें अश्लील सामग्री, नशीले पदार्थों का सेवन एवं खतरनाक करतब आदि दिखाने वाली सामग्री नहीं होती।

मेटा ने पहले ही वादा किया है कि वह किशोरों को आत्म-क्षति, खान-पान संबंधी विकार या आत्महत्या से संबंधित पोस्ट समेत अनुचित सामग्री नहीं दिखाएगा। गैर-लाभकारी संस्था 'फेयरप्ले' के कार्यकारी निदेशक जोश गोलिन ने कहा कि उन्हें इस बात पर बहुत संदेह है कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। 'पेरेंट्सटुगेदर' की कार्यकारी निदेशक एलेन अर्रेजा ने भी संशय जताते हुए कहा, ''मेटा ने पहले भी कई वादे किए हैं और हमने हर बार देखा है कि पीआर अभियानों में लाखों रुपये बहा दिए जाते हैं जबकि वास्तव में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।

ब्रीफ न्यूज

चार्ली किर्क अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके करीबी सहयोगी रहे और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। अमेरिका के उटाह प्रांत में एक कॉलेज में 10 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। किर्क को मंगलवार को उनके जन्मदिन पर आयोजित समारोह में मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। यदि वह जीवित होते, तो यह उनका 32वां जन्मदिन होता। किर्क के अमेरिका के प्रशासन के साथ घनिष्ठ संबंध थे।

कैलिफ़ोर्निया में भयंकर तूफ़ान की चेतावनी

लॉस एंजिल्स। दक्षिण-पश्चिम कैलिफोर्निया के बड़े हिस्से में मंगलवार को भयंकर तूफान के कारण भारी बारिश, अचानक बाढ़ और मलबा बहने का खतरा उत्पन्न हो गया। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने लॉस एंजिल्स काउंटी और आसपास के इलाकों में तेज़ तूफ़ान आने की चेतावनी जारी की है।

ऑस्ट्रेलिया में प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में महिला प्रजनन दर लगातार दूसरे साल गिरावट के साथ 2024 में रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी। ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ऑस्ट्रेलिया में कुल प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर 1.481 जन्म प्रति महिला रही। इससे पहले 2023 में यह आंकड़ा प्रति महिला 1.499 जन्म था। एबीएस ने बताया कि 1976 से कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे ही रही है। प्रति महिला लगभग 2.1 बच्चों की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता कहा जाता है।

इंडोनेशियाई शिपयार्ड में विस्फोट, 10 की मौत

बाटम (इंडोनेशिया)। बाटम द्वीप पर एक शिपयार्ड में कच्चे पाम तेल के टैंकर में बुधवार को आग लगने के बाद हुए तेज विस्फोट से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। रियाउ द्वीप प्रांतीय पुलिस प्रमुख असप सफरूद्दीन ने बताया कि जहाज के गैस टैंक में आग उस समय लगी जब मरम्मत कर्मी टैंकर पर मौजूद थे। टैंकर की मरम्मत तंजुंगुनकांग बंदरगाह स्थित शिपयार्ड में चल रही थी। इसमें आग लगने के बाद एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे अन्य श्रमिक घबराकर भाग गए।

हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दी चेतावनी देते हुए हथियार डालने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी है कि अगर उसने हथियार नहीं हटाए और गाजा पट्टी में रखे सभी 24 बंधकों के अवशेषों को नहीं सौंपा तो उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि मैंने हमास संगठन से बातचीत की और यह पूछा था कि क्या वह हथियार सौंपेगा तो उनकी तरफ से जवाब आया था कि संगठन हथियार डाल देगा। उन्होंने मुझसे यही कहा था और अब या तो वे हथियार डालेंगे या हम उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह संदेश उनके 'लोगों' के माध्यम से हमास तक पहुंचाया गया था।

इजरायली रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने दो शीर्ष सहयोगियों-अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर का हवाला दिया था। ट्रंप की स्वीकृति से विटकॉफ और कुशनर ने पिछले सप्ताह शर्म अल-शेख में हमास के शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हमास गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते का पालन करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसे (हमास) को ही जवाबदेह ठहराया जाएगा। अमेरिकी मध्यस्थता वाला युद्धविराम समझौता शुक्रवार को लागू हुआ और हमास ने समझौते की शर्तों के अनुसार सोमवार को सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया। यह समझौता तब गतिरोध में आ गया जब आतंकवादी समूह ने 28 मृत बंधकों के अवशेषों को वापस नहीं भेजा, बल्कि सोमवार को चार बंधकों के अवशेषों को सौंपा। संगठन ने बताया कि गाजा में मलबे से उसे उनके स्थान का पता नहीं है।

फाइल फोटो

इजराइल ने चिकित्सा कर्मियों को रिहा किया

काहिरा। इजराइल ने अस्पतालों पर किए हमलों के दौरान गिरफ्तार दर्जनों डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और अन्य मेडिकल कर्मियों को 'गाजा युद्धविराम संधि' के तहत रिहा कर दिया है। हालांकि, 100 से अधिक चिकित्सा कर्मी अभी भी इजराइली जेलों में बंद हैं, जिनमें कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक डॉ. हुसाम अबू सफिया भी शामिल हैं, जो इजराइली घेराबंदी और बमबारी के बीच मरीजों का इलाज जारी रखने के लिए सुर्खियों में रहे थे। व्यापक स्तर पर उनकी रिहाई की मांगों के बावजूद, अबू सफिया उन सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों में नहीं थे जिन्हें हमास द्वारा पकड़े गए 20 बंधकों के बदले सोमवार को रिहा किया गया। गाजा के उत्तरी भाग में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक अबू सफिया को लगभग 10 महीने से बिना किसी आरोप के इजराइल ने हिरासत में रखा है। स्वास्थ्य कर्मियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले संगठन 'हेल्थ वर्कर्स वॉच' ने बताया कि 31 डॉक्टर और नर्स सहित 55 चिकित्सा कर्मी सोमवार को रिहा किए जाने वाले कैदियों की सूची में थे।

चार में एक शव बंधक का नहीं : इजराइल

तेल अवीव। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत हमास द्वारा एक दिन पहले सौंपे गए शवों में से एक शव गाजा में बंधक बनाकर रखे गए व्यक्ति का नहीं है। नाजुक युद्ध विराम समझौते पर दबाव कम करने के लिए हमास ने मंगलवार को चार शव सौंपे। इससे पहले सोमवार को चार शव सौंपे गए थे जब शेष 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इजराइल 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी का इंतजार कर रहा है। इसी बीच इजराइलियों ने सोमवार को इजराइल-हमास संघर्ष विराम के पहले चरण के तहत गाजा में रखे गए अंतिम 20 जीवित बंधकों की वापसी का जश्न मनाया। सेना ने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन में जांच पूरी होने के बाद, हमास द्वारा इजराइल को सौंपा गया चौथा शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता है।

अमेरिका में 15 अरब डॉलर की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

न्यूयॉर्क। अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) एजेंसी ने अब तक के सबसे बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश किया है। अमेरिकी विधि मंत्रालय के अनुसार, यह वित्तीय धोखाधड़ी 15 अरब डॉलर की है, जो ऑनलाइन धोखाधड़ी, धन शोधन और लोगों को बंधक बनाकर हुई थी। विधि मंत्रालय के अनुसार संघीय अदालत में बुधवार को प्रिंस होल्डिंग ग्रुप के मालिक ब्रिटिश और कंबोडियाई नागरिक चेन झी उर्फ विंसेंट के खिलाफ धन शोधन षड्यंत्र, धोखाधड़ी और लोगों को अपनी कंपनी में जबरदस्ती बंधक बनाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

मेडागास्कर में सैन्य अधिकारी का राष्ट्रपति बनने का दावा

एंटानानारिवो, एजेंसी

- रैंड्रियनिरीना बोले- हमें जिम्मेदारी लेनी पड़ी, देश में सरकार नहीं है

मेडागास्कर में तख्तापलट करने वाले सैन्य अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि वह जल्द ही राष्ट्रपति का पद भार संभाल लेंगे। सैन्य तख्तापलट की अगुवाई करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वह मेडागास्कर के नए नेता के रूप में शपथ ले लेंगे।

सैनिकों के विद्रोह के कारण राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना देश छोड़कर चले गए हैं। रैंड्रियनिरिना ने घोषणा की थी कि सशस्त्र बल मेडागास्कर में सत्ता अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे राजोएलिना और उनकी सरकार के खिलाफ मुख्य रूप से युवा समूहों द्वारा कई सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन का अंत हो गया। रैंड्रियनिरिना ने कहा कि देश के उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें राजोएलिना की अनुपस्थिति में राष्ट्राध्यक्ष के रूप में यह पदभार ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद वह शपथ ग्रहण के लिए तैयार हैं। रैंड्रियनिरीना ने कहा कि हमें कल जिम्मेदारी लेनी पड़ी क्योंकि देश में न राष्ट्रपति हैं, न सीनेट के अध्यक्ष और न ही सरकार। नया सैन्य नेतृत्व शीघ्र प्रधानमंत्री की नियुक्ति करेगा।

पाकिस्तान ने की अफगानिस्तान से 48 घंटे संघर्ष विराम की घोषणा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान के साथ 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर संघर्ष में दोनों ओर से कई लोग मारे गए हैं।

'डॉन' अखबार ने विदेश कार्यालय के हवाले से कहा है कि तालिबान के अनुरोध पर दोनों पक्षों की आपसी सहमति से बुधवार शाम छह बजे से अगले 48 घंटों के लिए पाकिस्तान सरकार और अफगान तालिबान शासन के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम का फैसला किया गया है। विदेश कार्यालय के अनुसार इस अवधि के दौरान, दोनों पक्ष रचनात्मक बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए गंभीर प्रयास करेंगे। अफगानिस्तान सरकार की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

पाकिस्तान को पुनर्विचार की जरूरत: अफरीदी

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने पाकिस्तान सरकार से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीति की समीक्षा करने का आग्रह किया है। अफरीदी ने प्रांतीय विधानसभा सत्र में अपने संबोधन में अफ़ग़ानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी सरकार और सेना से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का आग्रह करता हूं।

ट्रंप-जेलेंस्की वार्ता से पहले हथियार निर्माताओं से मिले यूक्रेनी अधिकारी

कीव, यूक्रेन, एजेंसी

- अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा यूक्रेन

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह के अंत में व्हाइट हाउस में अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली मुलाकात से पहले यूक्रेनी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख हथियार निर्माताओं से मुलाकात की है। यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के प्रमुख आंद्री येरमक और प्रधानमंत्री यूलिया स्विडेंको के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। येरमक ने यह जानकारी टेलीग्राम पोस्ट में दी। येरमक ने यह खुलासा नहीं किया कि वार्ता के दौरान क्या चर्चा हुई, लेकिन कहा कि दोनों कंपनियों के साथ उनके देश का सहयोग बढ़ता जा रहा है क्योंकि यूक्रेन रूस के पूर्ण युद्ध का प्रतिरोध करने के लिए और मदद की उम्मीद कर रहा है। यह युद्ध 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुआ था। येरमक के एक वरिष्ठ सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने एक्स पर पोस्ट किया कि यूक्रेन अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा है। रेथियॉन कंपनी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां रूसी लंबी दूरी के हमलों का मुकाबला करने के यूक्रेनी प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण रही हैं और टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें बनाती है। कीव के अधिकारी टॉमहॉक्स प्राप्त करने के इच्छुक हैं, जिससे यूक्रेन को रूस पर हमला करने में सहायता मिलेगी।

आईपीएस का 8 दिन बाद अंतिम संस्कार

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार द्वारा आत्महत्या किए जाने के आठ दिन बाद बुधवार को उनका अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले कुमार के शव का पीजीआईएमईआर में पोस्टमार्टम कराया गया। उनकी पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद जताई है ताकि मामले में न्याय हो सके।

सेक्टर 25 स्थित श्मशान घाट पर कुमार की वर्दी और टोपी को कुछ समय के लिए उनके पार्थिव शरीर पर रखा गया, उसके बाद उनकी चिता को मुखाग्नि दी गई। अंतिम संस्कार से पहले कुमार की पत्नी और आईएएस अमनीत पी. कुमार और उनकी दो बेटियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस की टुकड़ी ने दिवंगत आईपीएस अधिकारी को बंदूकों की सलामी दी। अंतिम संस्कार में नेता, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह और हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वहीं, मांगें को लेकर पोस्टमार्टम और दाह संस्कार पर कई दिनों तक विरोध दर्ज कराने के बाद मृतक अधिकारी के परिवार ने अंततः पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी। दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने कहा कि पुलिस से निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने तथा सरकार द्वारा दोषी अधिकारी पर कार्रवाई की प्रतिबद्धता जताए जाने के मद्देनजर उन्होंने दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार के पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी।

एएसआई संदीप के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आत्महत्या करने वाले सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) संदीप कुमार के परिवार से बुधवार को मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। सैनी ने परिवार को आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। एएसआई कुमार ने मंगलवार को रोहतक जिले में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। एएसआई ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के दिवंगत अधिकारी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए छह मिनट का कथित वीडियो और एक सुसाइड नोट छोड़ा था। रोहतक में साइबर प्रकोष्ठ में तैनात एएसआई कुमार का शव लाढौत-धामर रोड स्थित उनके रिश्तेदार के खेत में बने कमरे की ऊपरी मंजिल से बरामद किया गया था।

दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी को कानून लाएगी केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा व गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच एक कानून तैयार कर रही है। इसका मकसद चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों का नियमन और औषधि गुणवत्ता परीक्षण व बाजार निगरानी को मजबूत बनाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) समेत दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों ने भारतीय दवा की गुणवत्ता में गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें की हैं और चिंताएं जताई हैं, जो इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव रघुवंशी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में औषधि, चिकित्सा उपकरण एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025 का मसौदा प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 10.35 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

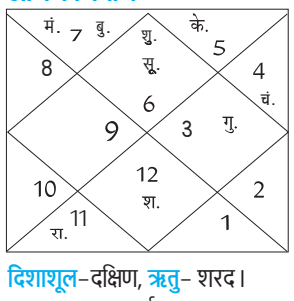

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ। ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- अश्लेशा 12.42 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आ सकती है। बच्चों पर अपनी मर्जी और इच्छाओं को न थोपें। विरोधियों के निशाने में आ सकते हैं। प्रेमीजन के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

वृष — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। सहकर्मी आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं। अधिकारी वर्ग का विश्वास आपके ऊपर बढ़ेगा। परिवार में सुख और शान्ति का वातावरण रहेगा।

मिथुन — आज दांपत्य जीवन में सामंजस्य बेहतरीन रहेगा। मीडिया से जुड़े लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में आय बढ़ने से उत्साहित होंगे।

कर्क — आज पैतृक संपत्ति के मामले सुलझने की संभावना हैं। आपके काम की गति कुछ धीमी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपका सहयोग कर सकते हैं। किन्तु आप वर्तमान स्थिति को लेकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज आपको कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज आपको अच्छे मौके मिल सकते हैं। जीवनसाथी से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। युवा प्रेमी जोड़े आज एकांत में समय बिताना चाहेंगे। ससुराल पक्ष में कोई आयोजन हो सकता है।

कन्या — आज स्वजन ही आपका विरोध कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। पुरानी नकारात्मक बातें आपके वर्तमान पर हावी हो सकती हैं। आज अच्छे लोगों के साथ समय बितायें। कार्यक्षेत्र में आपका किसी के साथ झगड़ा हो सकता है।

तुला — आज आपकी मानसिक मजबूत रहेगी। सभी काम आराम से समय पर हो जायेंगे। अधिक सोच-विचार में अपना समय बर्बाद न करें। कारोबार में वृद्धि हो सकती है। आपका स्वास्थ्य भी काफी अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल स्थानान्तरण हो सकता है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहने वाला है। आज आप कुछ नया आरम्भ करने का प्रयास करेंगे। उलझे हुए मामलों को अपने पक्ष में कर लेंगे। महत्वपूर्ण लोगों के साथ गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

धनु — आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। छात्रों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। धैर्यपूर्वक लिए गए निर्णयों से लाभ मिलेगा। अधूरे कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। घर के बुजुर्गों के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें।

मकर — आज जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं। इसीलिए आपको अपना व्यवहार नम्र रखना चाहिए। बजट की कमी के कारण आपके काम तय समय पर पूरे नहीं होंगे। किसी सहयोगी व्यक्ति से विश्वासघात हो सकता है। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहें।

कुंभ — आज परिवार में कुछ मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन सुखद है। घर में साज-सजावट शुरू करेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। परिजनों के साथ घूमने के लिये जा सकते हैं। प्रेमीजन को प्रपोज करने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

मीन — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। व्यापार में आपको काफी अच्छा लाभ मिलेगा। मित्रों की सलाह आज आपके काम आयेगी। शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता होगी।

सुडोकू-131

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6							2
9		1				8		
		2			1			
		5			6		3	
	7				8		2	
	1					6		
1			6			9		
8						2		6
4					2		7	

सुडोकू - 130 का हल

1	9	3	8	5	6	7	4	2
6	5	8	4	7	2	9	1	3
2	4	7	9	1	3	5	6	8
9	1	4	3	8	5	2	7	6
8	2	6	7	4	1	3	9	5
7	3	5	2	6	9	1	8	4
5	6	9	1	3	8	4	2	7
3	7	1	6	2	4	8	5	9
4	8	2	5	9	7	6	3	1

वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने जो भी विकेट लिया वह उन्हें पांच विकेट जैसा लगा क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं थी। मैं इस तरह का प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करूंगा, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है।
-मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

हाईलाइट

कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर

दुबई : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमश: दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जॉन कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है।

गुवाहाटी का मुकाबला होगा रोमांचक : अश्विन

चेन्नई : रविचंद्रन अश्विन ने देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में होने वाला टेस्ट मैच परिस्थितियों से अनभिज्ञ होने के कारण दोनों टीमों के लिए विदेश में होने वाला मैच जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा, जब यह 22 से 26 नवंबर तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल पर कहादक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है।

आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज शिकर भरत (बाएं) और शेख रसीद। एजेंसी

रणजी ट्रॉफी: ग्रीनपार्क में आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही कसा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज शिकर भरत की 142 रनों की शतकीय पारी और शेख रसीद के नाबाद 94 रनों की बदौलत आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार से शुरू हुई रणजी ट्रॉफी में मेजबान यूपी के खिलाफ पहले दिन का खेल खत्म होने तक 85.5 ओवर में तीन विकेट पर 289 रन बनाए।

विकेट पर शेख रसीद 197 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 94 रन बनाकर डटे हैं। यूपी के गेंदबाज अपने कई दिन के अभ्यास का कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। आकिब खान ने अंतिम सत्र में दो व

विप्रज निगम ने एक विकेट झटका।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार सुबह शुरू हुए सत्र के पहले रणजी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कप्तान का यह निर्णय कारगर भी साबित हुआ। टीम के ओपनर अभिषेक रेड्डी और शिखर भरत ने रन बटोरते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़कर अच्छी मजबूती दी। वहीं तेज गेंदबाजों के निराश करने पर विप्रज निगम ने

- शिकर भरत ने 142 रनों की शतकीय पारी खेली, शेख रसीद नाबाद 94 रन पर खेल रहे
- रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ तीन विकेट खोकर 289 रन बना लिए

टीम को 25.3 ओवर में अभिषेक को विकेटकीपर आर्यन जुयाल के हाथों कैच लपकवाकर पहली सफलता दिलाई। अभिषेक 73 गेंदों में चार चौके लगाकर 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

पहले पायदान पर उतरे शेख रसीद ने शिकर भरत का पूरा साथ देते हुए दूसरे विकेट के लिए 194 रनों की साझेदारी की। इस समय टीम का स्कोर ठीक था। इसी बीच शिखर ने अपना शतक पूरा किया, वहीं रसीद ने भी अर्धशतक जड़ा। मैच के आखिरी सत्र के 85.2 ओवर में आकिब खान ने शिकर को माधव कौशिक के हाथों कैच दिलाकर टीम को सफलता दिलाई। शिकर ने 244 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 142 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसी दौरान ओवर की पांचवीं गेंद खेलते आकिब खान ने आंध्र प्रदेश के कप्तान रिकी भुई को दो रनों पर क्लीन बोल्ड कर तीसरा झटका दिया। रिकी भुई का विकेट गिरने के बाद दिन का खेल यहीं पर रोक दिया गया। विकेट के दूसरे छोर पर शेख रसीद अपने शतक की ओर से बढ़ रहे हैं। पहले दिन यूपी के गेंदबाज कमाल नहीं दिखा सके। विप्रज निगम ने एक और आकिब खान ने दो विकेट हासिल किए।

पीठ में अकड़न के कारण दुबे मैच से बाहर

श्रीनगर : ऑलराउंडर शिवम दुबे को पीठ में अकड़न के कारण जम्मू और कश्मीर के खिलाफ सीजन के पहले मैच से ठीक पहले मुंबई की रणजी ट्रॉफ़ी 2025-26 टीम से बाहर हो गए हैं। दुबे मंगलवार शाम को श्रीनगर से मुंबई के लिए घर लौट गए हैं। माना जा रहा है कि यह कदम एहतियातन उठाया गया है। वह भारत की उस टी20 टीम का भी हिस्सा हैं जो पांच मैचों की सीरीज के लिए 23 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली है। दुबे का 2025 एशिया कप शानदार रहा था। उस टूर्नामेंट में कप्तान ने उनका इस्तेमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गिल की होगी असली परीक्षा

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा-कप्तान शुभमन ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद, शुभमन गिल अब सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू धरती पर

अपनी पहली एकदिवसीय सीरीज में भारत की कप्तानी संभालेंगे। यहीं पर कप्तान की असली परीक्षा होगी।

जियोस्टार के साथ एक विशेष बातचीत में, भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल की कप्तानी यात्रा पर विचार किया और दबाव में उनके धैर्य और नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। जियोस्टार से विशेष बातचीत में, भारतीय कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की कप्तानी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा अभी तो शुरुआत है-उन्होंने अभी तक केवल कुछ ही टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। मुझे उनका सबसे महत्वपूर्ण गुण दबाव और कठिन परिस्थितियों को संभालने की उनकी क्षमता दिखाई देती है। गिल अभी भी बहुत आगे बढ़ रहे हैं; उन्होंने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है, जो निश्चित रूप से आएंगे।

गंभीर ने कहा,''यह व्यक्तिगत रूप से और एक कप्तान के रूप में उनकी परीक्षा लेगा और मैं देखना चाहता हूँ कि जब चीज़ें उनके अनुकूल नहीं होतीं, तो वह कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं हमेशा उनका समर्थन और सुरक्षा करने के लिए मौजूद हूँ। एक कोच के रूप में मेरी भूमिका उनके कंधों से दबाव और आलोचना को कम करना है, बशर्ते वह टीम के लिए

सही काम करें और ड्रेसिंग रूम के अंदर खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी और ईमानदार रहें। यही सम्मान अर्जित करने का आधार है। अब तक, वह बिल्कुल शानदार रहे हैं-पारदर्शी, स्पष्टवादी, मेहनती और सही काम करने पर केंद्रित।

एक कोच उस कप्तान से और क्या उम्मीद कर सकता है जो अपना सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार हो?

शुभमन गिल के कप्तान के रूप में शुरुआती दिनों और टेस्ट कप्तानी के शुरुआती दौर में उनके सामने आई अपार चुनौतियों के बारे में गंभीर ने कहा मुझे कप्तान के रूप में उनके साथ हुई पहली बातचीत अच्छी तरह याद है। हमने उनसे साफ-साफ कहा था कि हमने उन्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है-या तो वह डूब जाएँगे या विश्वस्तरीय तैराक बन जाएंगे। इंग्लैंड में बनाए गए वो 750 रन? मेरे लिए उनका कोई खास महत्व नहीं था; चाहे वह अगले दौरे पर रन बनाए या इस दौरे पर, सबसे ज्यादा मायने यह रखता था कि वह दबाव में खुद को कैसे संभालता है।

कोहली और रोहित सहित भारतीय टीम का पहला बैच ऑस्ट्रेलिया रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी : स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित भारतीय टीम का पहला बैच बुधवार को यहां से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया जहां उसे 19 अक्टूबर से तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। कोहली और रोहित के साथ टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य भी ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। यह ग्रुप सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां कुछ प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़े थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य शाम को रवाना होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद अगले दो मैच एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी और इस प्रारूप के विशेषज्ञ 22 अक्टूबर को रवाना होंगे। टी20 शृंखला 29 अक्टूबर से शुरू होगी। वनडे शृंखला में सभी की निगाह रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। इन दोनों के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। यह दोनों खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट शृंखला में 2-0 की जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों आगामी शृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में इन दोनों के खेलने की संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा। गंभीर ने शृंखला के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, वनडे विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत ज़रूरी है। ज़ाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काफ़ी उपयोगी साबित होगा।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए कोहली-रोहित को देखना यादगार होगा

सिडनी : आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ रविवार से पर्थ में शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज विशेष है क्योंकि यह आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते हुए देखने का आखिरी मौका हो सकता है। पीठ की चोट से जूझ रहे 32 वर्षीय कमिंस इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

कमिंस ने कहा विराट और रोहित पिछले 15 वर्षों से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रेमियों के लिए उन्हें यहां खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है। उन्होंने कहा वे निश्चित रूप से भारत के लिए खेल के चैंपियन रहे हैं और उन्हें हमेशा अच्छा समर्थन मिलता है। जब भी हम उनके खिलाफ खेलते हैं, दर्शक पूरे जोश में रहते हैं। इस शीर्ष तेज गेंदबाज ने कहा कि वह इस सीरीज में नहीं खेल पाने से वह काफी निराश हैं जिसमें एडिलेड और सिडनी में भी मैच होंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंर्जराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

वर्षा बाधित मैच में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 133 रनों पर रोका

इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्लोट डीन ने संघर्षपूर्ण पारी खेली। एजेंसी

कोलंबो, एजेंसी

कप्तान फातिमा सना के चार विकेट की मदद से पाकिस्तान ने पिच से मिल रही उछाल और मूवमेंट का फायदा उठाते हुए आईसीसी महिला विश्व कप के वर्षाबाधित मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट पर 133 रन पर रोक दिया।

पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान के लिये फातिमा ने 27 रन देकर चार और बायें हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल ने 16 रन देकर दो विकेट लिये। इंग्लैंड ने 25 ओवरों के बाद सात विकेट 79 रन पर गंवा दिये थे जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। साढे तीन घंटे के विलंब के बाद मैच प्रति टीम 31 ओवर का कर दिया गया। इंग्लैंड के लिये चार्लोट डीन (33) और एमिली अरलोट (18) ने बाकी छह ओवरों में 54 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इससे पहले डायना बेग ने दूसरे ही ओवर में टैमी ब्यूमोंट को आउट करके पाकिस्तान को शानदार शुरूआत दी। फातिमा ने शीर्षक्रम को नेस्तनाबूद करते हुए एमी जोंस (आठ), नेट स्किवेर ब्रंट (चार) और कप्तान हीथर नाइट (18) को सस्ते में आउट किया। सादिया इकबाल ने इसके बाद बायें हाथ की स्पिन गेंदबाजी का कमाल दिखाते हुए एम्मा लैंब और सोफिया डंकली (11) को आउट किया।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	4	3	0	1	7	1.353
इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.864
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	4	1	3	0	2	-0.263
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	3	0	3	0	0	-1.887

भारतीय महिला टीम पर जुर्माना

विशाखापत्तनम : भारतीय महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

रविवार को विशाखापत्तनम में आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को तीन विकेट से हराया। भारत को अब रविवार को इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले में उतरना है। आईसीसी ने एक बयान में कहा एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की मिशेल पेरेरा ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था। इस कारण जुर्माना लगाया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

- महिला विश्व कप की तालिका में शीर्ष पर चल रही है ऑस्ट्रेलिया

अब तक प्रत्येक मैच में दबदबा बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके महिला वनडे विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

ऑस्ट्रेलिया चार मैचों में तीन जीत और कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द किए गए मैच में अंक बांटने के बाद सात अंक लेकर विश्व कप तालिका में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में भारत के खिलाफ पिछले मैच में जीत हासिल करने के बाद उतरेगी। यदि प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया के फॉर्म को लेकर कोई संदेह था तो एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने महिला वनडे में विश्व रिकॉर्ड बनाकर इस संदेह को दूर कर दिया तथा इस प्रारूप में संभावित आठवीं खिताबी जीत की अपनी मंशा जाहिर कर दी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 331 रन का लक्ष्य रखा था। हीली ने 102 गेंदों पर 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 142 रन की आक्रामक पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एक ओवर शेष रहते सात विकेट पर 331 रन बना लिए।

इंग्लैंड ने विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाई

लंदन, एजेंसी

- पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण करना होगा इंतजार

इंग्लैंड अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला यूरोप का पहला देश बन गया है, लेकिन क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण अपना टिकट बुक करने के लिए इंतजार करना होगा।

इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 से जीत हासिल की, जिसमें कप्तान हैरी केन ने पहले हाफ में दो गोल किए। इससे इंग्लैंड ने दो मैच शेष रहते अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का कर लिया। इंग्लैंड इस तरह से लगातार आठवें विश्व कप में भाग लेगा। इंग्लैंड की टीम ने जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में अब तक क्वालीफाइंग के छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने बनाई बढ़त

लिस्बन में खेले गए मैच में 40 वर्षीय रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत पुर्तगाल ने हंगरी पर 2-1 की बढ़त बना ली थी और वह अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया था। इस मैच में जीत से पुर्तगाल का अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का हो जाता, लेकिन डोमिनिक सोबोस्ज़लाई ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इससे रोनाल्डो और पुर्तगाल का विश्व कप में जगह सुरक्षित करने का इंतजार बढ़ गया।

हंगरी के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते क्रिस्टियानो रोनाल्डो। एजेंसी

खुशखबरी कार्यकारी बोर्ड ने की सिफारिश, अंतिम फैसला 26 नवंबर को आम सभा की बैठक में लिया जाएगा

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल का मेजबान बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद के नाम की सिफारिश की जिससे भारत में दो दशक के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की वापसी का रास्ता साफ हो रहा है। मेजबानी पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को राष्ट्रमंडल खेल की आम सभा की बैठक में लिया जाएगा। इससे पहले सिफारिश को राष्ट्रमंडल खेल के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा।

खेलों की मेजबानी का अधिकार प्राप्त करना भारत के लिए 2036 में अहमदाबाद में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण होगा। भारत को नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था लेकिन राष्ट्रमंडल खेल ने भविष्य के खेलों के लिए इस अफ्रीकी देश की मेजबानी की महत्वाकांक्षाओं को 'समर्थन और गति प्रदान करने के लिए एक रणनीति विकसित करने' का निर्णय लिया है जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी पर विचार भी शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में भारत के अहमदाबाद की सिफारिश करेगा। अहमदाबाद का नाम अब राष्ट्रमंडल खेलों के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा जिस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल महासभा में लिया जाएगा। यह सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की देखरेख में चली प्रक्रिया के बाद की गई है। इसमें 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, संचालन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ संरेखण' के आधार पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया।

विज्ञप्ति में कहा गया भारत के अहमदाबाद और नाइजीरिया के अबुजा दोनों ने आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन की महत्वाकांक्षा और क्षमता को दर्शाते हैं। भारत ने 2010 के सत्र की मेजबानी नयी दिल्ली में की थी। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे लेकिन अंततः 2030 के लिए अहमदाबाद को चुना गया। उन्होंने कहा, ''कार्यकारी बोर्ड ने मूल्यांकन समिति के निष्कर्षों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है और हमारे सदस्यों के लिए अहमदाबाद की सिफारिश कर रहा है और अब हम ग्लासगो में होने वाली आम सभा की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां हमारे सदस्य अंतिम निर्णय लेंगे।

रुकारे ने कहा, बोर्ड नाइजीरिया के प्रस्ताव की दूरदर्शिता और महत्वाकांक्षा से प्रभावित है और भविष्य में मेजबानी के अवसरों की तलाश के लिए उनकी टीम के साथ काम करना जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता से सहमत है। यह निर्णय राष्ट्रमंडल खेलों को अफ्रीकी महाद्वीप तक ले जाने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

भारत के लिए सम्मान की बात : पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ (भारत) की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना भारत के लिए असाधारण सम्मान होगा। उन्होंने कहा ये खेल ना केवल भारत की विश्वस्तरीय खेल और आयोजन क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे बल्कि विकसित भारत 2047 की ओर हमारी राष्ट्रीय यात्रा में भी एक सार्थक भूमिका निभाएंगे। उषा ने कहा हम 2030 के खेलों को अपने युवाओं को प्रेरित करने, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत करने और राष्ट्रमंडल में साझा भविष्य में योगदान देने के एक सशक्त अवसर के रूप में देखते हैं। अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी की थी।